बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
सोमवार 16 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 261
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

रईसजादे ने कार से 6 लोगों को रौंदा

कानपुर। कानपुर में शनिवार देर रात 2 बजे रईसजादे ने कार से एक के बाद एक 6 लोगों को रौंद दिया। हादसे में सभी गंभीर घायल हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से उनको अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टरों ने उर्सला भर्ती कर दिया। इस दौरान इलाके में अफरातफरी मच गई। दुकानदारों ने बताया कि कार चालक नशे में था, इस वजह से उसने कार से नियंत्रण खो दिया था। पुलिस उसका करीब 4किमी तक पीछा किया, इस दौरान उसकी कार डिवाइड से टकरा गई। आगे का एक पहिया खुल गया। तब पुलिस ने उसे पकड़ लिया। ये मामला घंटाघर चौराहे का है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

आतंकी अर्श डाला के दो गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने कनाडा स्थित आतंकवादी अर्श डाला द्वारा रची गई एक सनसनीखेज हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने अर्श डाला के दो खास गुर्गों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए हैं, जिसमें पुलिस ने तुर्की में निर्मित एक जिगाना .30 बोर पिस्तौल और 9 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) पंजाब ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह ऑपरेशन चलाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक बड़ी सफलता में एसएसओसी ने कनाडा स्थित आतंकी अर्श डाला द्वारा रची गई हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया। उसके दो गुर्गों धर्मकोट निवासी कवलजीत सिंह और बदूवाल निवासी नवदीप सिंह उर्फ हानी को गिरफ्तार कर लिया। इस ऑपरेशन ने एक टारगेट किलिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

बीएसएफ जवान ने सीनियर की हत्या की

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक कैंप में बहस के बाद बीएसएफ के एक जवान ने अपने सीनियर की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शनिवार रात धुलियान में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कैंप में हुई। कॉन्स्टेबल शिवम कुमार मिश्रा ने तीखी बहस के बाद अपने सीनियर हेड कॉन्स्टेबल रतन सिंह शेखावत की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों जवान बीएसएफ की एक यूनिट में तैनात थे, जिसे मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद इलाके में तैनात किया गया था। बीएसएफ ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है और घटना के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है। 56 साल के शेखावत 1989 में बीएसएफ में शामिल हुए थे और बल की 119 बटालियन में तैनात थे। वह राजस्थान के जयपुर के रहने वाले थे। आरोपी भी उसी बटालियन का था।

30 फीट की ऊंचाई से गिरी बच्ची

मनाली। हिमाचल प्रदेश के मनाली का एक वीडियो वायरल है। इसमें जिपलाइनिंग कर रही 10 साल की बच्ची 30 फीट की ऊंचाई से जमीन पर जा गिरी। घटना में गंभीर घायल हुई बच्ची का नाम त्रिशा है। पहले त्रिशा को मनाली के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसों का ब्लैक सनडे...!

नई दिल्ली/पुणे/केदारनाथ/मथुरा/शिवपुरी। 7 जून को जब से मंगल सिंह राशि में गोचर कर गए हैं, तब से देश-विदेश में हादसे बढ़ गए हैं। रविवार को देश में कई हादसे हुए हैं जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है। रविवार हादसों का ब्लैक संडे बन गया है।

पुणे में पुल टूटा, 2 की मौत, 38 लापता

महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3ः30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक 38 लोग लापता हैं। विधायक सुनील शेलके ने पहले दावा किया था कि हादसे में 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि सीएम देवेंद्र फडणवीस और पुणे जोन 2 के डीसीपी ने 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की टीमों ने 6 लोगों का रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह पुल पहले से ही बहुत खराब और जर्जर स्थिति में था। हादसे के समय पुल पर क्षमता से अधिक पर्यटक मौजूद थे। लोग टू-व्हीलर और मोटरसाइकिल ले जा रहे थे। इसी वजह से पुल भार सहन नहीं कर सका।

हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत

केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5.20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि घाटी में बादल थे और विजिबिलिटी ठीक नहीं थी, फिर भी हेलीकॉप्टर उड़ाया गया। यह आर्यन एविएशन कंपनी का था। हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य होगा। इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

एक साथ 6 मकान ढहे, 3 की मौत

मथुरा के गोविंद नगर इलाके में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक साथ 6 मकान अचानक से भरभराकर गिर गए। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। करीब 6 घंटे से 6-7 लोग मलबे में दबे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों की पहचान तोताराम (38), दो सगी बहनें यशोदा (6) और काव्या (3) के तौर पर हुई है। सभी 6 मकान जो ढहे हैं, वो मिट्टी के टीले पर बने हुए थे। लोगों ने बताया कि यहां बाड़े (खुली भूमि) में जेसीबी से खुदाई चल रही थी। तभी अचानक मिट्टी धसकी और एक के बाद एक सभी मकान मलबे में तब्दील हो गए। लोगों ने बताया कि जब हादसा हुआ तो ऐसा लगा कि भूकम्प आ गया हो। लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिला।

शिवपुरी में 80 करोड़ का निर्माणाधीन रेलवे पुल गिरा

शिवपुरी में एक और बड़ा पुलिस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। रात करीब 12 बजकर 10 मिनट पर शिवपुरी में 80 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल भरभराकर गिर गया। घटना के समय मजदूर ओवरब्रिज पर काम कर रहे थे। हादसे में 6 मजदूर घायल हुए हैं। जिन्हें रात का ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शहर के पोहरी बायपास स्थित न्यू बस स्टैंड रेलवे क्रॉसिंग पर 80 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। शनिवार रात को मजदूर ओवरब्रिज पर वाइब्रेटिंग और कॉन्क्रीट भरने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ब्रिज का निर्माणाधीन हिस्सा नीचे गिर गया। मजदूर भी नीचे आ गिरे। हादसे के दौरान कोई मजदूर पुल के निचले हिस्से में मौजूद नहीं था। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुल निर्माण का काम देख रहे ईजीनियर प्रवीण पांडे ने पुल निर्माण में तकनीकी खामी मानी है। उन्होंने बताया कि कैपेसिटी से ज्यादा वाइब्रेटिंग कर दी गई थी, जिससे ब्रिज का हिस्सा असंतुलित होकर गिर गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी शिवपुरी के पोहरी के छर्च में पुल गिर चुका है।

12 जून को हुआ अहमदाबाद विमान हादसा

वैदिक ज्योतिष अनुसार गोचर में षडाष्टक, मंगल- केतु युति और राहु- मंगल के समसप्तक योग के बाद अहमदाबाद विमान हादसा हुआ जिसमें लगभग 270 लोगों की मौत हो गई है। वैसे हादसे की जांच की जा रही है, लेकिन अगर ज्योतिषीय दृष्टिकोण से देखें तो इन खराब योगों की वजह से हादसा हो सकता है।

ईरान और इजराइल युद्ध का होना

वैसे तो ईरान और इजराइल में तनाव काफी दिनों से चल रहा है। लेकिन कुछ दिन पहले से इन देशों में युद्ध शुरू हो गया है और दोनों देशों ने एक- दूसरे पर ड्रोन और मिसाइल से अटैक शुरू कर दिए हैं, जिससे कई लोगों की जान गई है। ज्योतिष के दृष्टिकोण से देखें तो मंगल- केतु योग और शनि- मंगल का षडाष्टक योग कारक हो सकता है, क्योंकि मंगल और शनि भूमि के कारक होते हैं और इन देशों के बीच लड़ाई गाजा की जमीन को लेकर शुरू हुई थी।

कांग्रेस के राज में हर दिन आतंकी हमले होते थे – अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के साथ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट करने के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को संदेश दिया है कि भारत का खून बहाने के लिए नहीं है, और जो कोई भी हिम्मत करेगा, उसे इसके लिए दंडित किया जाएगा।

रविवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शाह 60,000 से ज्यादा नवचयनित पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र देने के समारोह में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे थे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

अमित शाह ने 2014 से पहले यूपीए के नेतृत्व वाले वर्षों के दौरान देश भर में आतंकवादी हमलों को रोकने में सक्षम नहीं होने के लिए कांग्रेस पर भी हमला किया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने कहा, कांग्रेस के राज में हर दिन आतंकी हमले होते थे, अहमदाबाद, जयपुर, कोयंबटूर, दिल्ली और कश्मीर का तो जिक्र ही मत कीजिए। पीएम मोदी के राज में पाकिस्तान ने तीन बार भारत पर हमला करने की कोशिश की। जब उन्होंने उरी में कोशिश की तो उनका सर्जिकल स्ट्राइक किया गया। पुलवामा के बाद उनका एयर स्ट्राइक किया गया और पहलगाम के बाद ऑपरेशन सिंदूर से आतंकियों के मुख्यालयों को जमींदोज कर दिया गया। पीएम मोदी ने पूरे देश को संदेश दिया कि भारत का खून बहाने के लिए नहीं है और जो भी ऐसा करने की हिम्मत करेगा, उसे सजा मिलेगी।

31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के वादे के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा कि कैसे पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 साल के शासन में नक्सलवाद का प्रसार 11 राज्यों से घटकर सिर्फ 3 जिलों तक रह गया है। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों में देश सुरक्षित हो गया है। देश के 11 राज्यों में नक्सलवाद व्याप्त था। प्रधानमंत्री मोदी के इन 11 वर्षों के बाद, नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों में मौजूद है। मेरे शब्दों को मत भूलना- 31 मार्च 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

सोने की तस्करी के आरोप में एयर इंडिया का कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई,। केंद्रीय राजस्व खुफिया एजेंसी (डीआरआई) ने न्यूयॉर्क से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में सोने की तस्करी के आरोप में एक केबिन क्रू मेंबर को गिरफ्तार किया है। डीआरआई ने बताया है कि कर्मचारी के पास से 1,373 ग्राम वजन का सोना जब्त किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.41 करोड़ रुपये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डीआरआई अधिकारियों को सूचना मिली थी कि कर्मचारी सोने की तस्करी में शामिल है। इसके अनुसार, जब कर्मचारी न्यूयॉर्क से मुंबई आने वाली एयर इंडिया की एआई-116 फ्लाइट से मुंबई पहुंचा, तो अधिकारियों ने उससे पूछताछ की। पहले तो उसने कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उससे बार-बार पूछताछ करने पर उसने सोने की तस्करी की बात कबूल कर ली। फ्लाइट क्रू के एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उनका ब्रीथ टेस्ट किया गया। उसने अधिकारियों को बताया कि उसने टेस्टिंग एरिया के पास एक काले बैग में सोना छिपाया था। उसने पहले भी अधिकारियों के सामने सोने की तस्करी की बात कबूल की। ??उसने अधिकारियों को इस सोने की तस्करी के मास्टरमाइंड के बारे में भी जानकारी दी। इस मास्टरमाइंड को भी डीआरआई ने गिरफ्तार कर लिया है। एयरलाइन कर्मचारियों का इस्तेमाल कर सोने की तस्करी करने वाले मास्टरमाइंड की कार्यप्रणाली प्रकाश में आ गई है। फ़िलहाल उसका नाम उजागर नहीं किया गया है।

ईरान से युद्ध के बीच इजरायल में हाई-अलर्ट पर भारतीय दूतावास

नई दिल्ली। ईरान से जारी भीषण युद्ध के बीच इजरायल के तेल अवीव में मौजूद भारतीय दूतावास हाई-अलर्ट पर है। शनिवार को दूतावास ने एक चौबीसों घंटे चलने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की और उसके साथ ही भारतीय नागरिकों को लगातार चौकन्ने रहने का परामर्श जारी किया गया। यह जानकारी भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी। जिसमें बताया कि हम लगातार उभरते हुए हालातों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। जिसमें भारत के नागरिकों की सुरक्षा भी शामिल है। अगर किसी को कोई आपातकालीन सहायता चाहिए तो 24×7 हेल्पलाइन नंबर 97254-7520711, 97254-3278392 और जारी ईमेल के जरिए संपर्क में बने रहें।

दूतावास ने अपने परामर्श में भारतीयों को यह भी हिदायत दी है कि वो इजरायल के अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा बताए जा रहे सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। यहां बता दें कि दूतावास की तरफ से इजरायल द्वारा ईरान पर की गई ऑपरेशन राइजिंग लायन की कार्रवाई के बाद भी ऐसा ही एक परामर्श जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि भारतीय नागरिक सतर्कता बरतें और देश यानी इजरायल के अंदर अनावश्यक यात्रा करने से बचें। साथ ही नागरिकों को सुरक्षा ठिकानों के करीब रहने की हिदायत भी दूतावास द्वारा दी गई थी। इजरायल ने ईरान पर तड़के 13 जून को किए गए हमले में उसके परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमला बोला था। जिसमें ईरान के कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इजरायल के खिलाफ ड्रोन से बड़ा हमला किया। जिसमें लगभग तीन लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच तनाव फिलहाल चरम पर है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की है।

बुरहानपुर के दंपति ने बना डाला हूबहु ताजमहल

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर का एक बुजुर्ग कपल उन ज्यादातर लोगों में शामिल है, जो ताजमहल को शहंशाह का दिखावा नहीं बल्कि मोहब्बत की निशानी मानते हैं। इस जोड़े ने

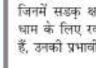

अपनी मोहब्बत की निशानी को सदियों तक जिंदा रखने के लिए अपना खुद का ताजमहल बना डाला। इस जोड़े का अपने ताजमहल जैसे घर के चारों तरफ का दौरा करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लोग कपल की खूब तारीफ भी कर रहे हैं। बुरहानपुर के रहने वाले आनंद प्रकाश चौकसे और उनकी पत्नी अंजलि ने यह घर बनाया है। यहां एक स्कूल के अंदर संगमरमर से बना यह घर 4 बीएचके है। इस घर को ताजमहल की छोटी प्रति के रूप में बनाया गया है। इंस्टाग्राम और कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे इस वीडियो को प्रियम सारस्वत नाम के यूजर ने पोस्ट किया है।

डरा रहे हैं कोरोना के 4 नए वेरिएंट, देश में 7383 मामले सामने आए

खतरनाक रूप लेता जा रहा कोरोना 24 घंटे में 10 की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना एक बार फिर अपने पांव पसार रहा है। मौतों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिला है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से 10 लोगों की मौत हुई है। नए वैरिएंट से एक दिन में सबसे अधिक मौतें हुई हैं। केरल में 5, दिल्ली में 3 और महाराष्ट्र में 1 मरीज की कोरोना से मौत हुई है। जनवरी से अब तक 97 लोगों की मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश में एक्टिव कोरोना मरीजों की संख्या 7383 पहुंच गई है। केरल में सबसे अधिक एक्टिव मरीज है। यहां मरीजों की संख्या 2007 है। दूसरे नंबर पर गुजरात है। यहां एक्टिव मरीजों की संख्या 1441 है, जबकि 747 एक्टिव मरीजों की संख्या के साथ पश्चिम बंगाल तीसरे नंबर है। देश के कई राज्यों में पिछले करीब एक महीने से कोरोनावायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा

साझा की गई जानकारियों के मुताबिक रविवार को कुल 7383 एक्टिव मामले थे। पिछले 24 घंटे में 17 नए लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है, वहीं 10 लोगों की कोरोना से मौत हुई है।

कोविड वार्ड तैयार रखने के निर्देश

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय राज्यों को कोरोना को लेकर सख्त लागू करने के निर्देश दिए हैं। सरकारी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है। केरल में सरकार ने अस्पताल में मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है। साथ ही, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है।

दिल्ली में एक दिन में 3 की मौत

राजधानी दिल्ली में कोरोनावायरस की इस नई लहर में पहली बार एक दिन में तीन लोगों की मौत हुई है। इसके साथ दिल्ली में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। मई के आखिरी के हफ्तों से देश में संक्रमण के मामलों में वृद्धि लगातार जारी है। केरल, गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्य संक्रमण की इस लहर से सबसे ज्यादा प्रभावित देखे जा रहे हैं। देश में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को फिर से कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का पालन करने (मास्क, हाथों की स्वच्छता, भीड़-भाड़ में जाने से बचने) की सलाह दी है। वैसे तो फैल रहे वैरिएंट को हल्के लक्षणों वाला माना जाता रहा है पर कुछ लोगों में इसके कारण गंभीर रोग विकसित होने का खतरा भी देखा गया है।

विमान गिराने का पाक का दावा झूठा, एफ-35 से ज्यादा खतरनाक है राफेल- एरिक

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आंतकी ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इससे पाकिस्तान भड़का और भारत पर हमले किया, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई के आगे वह टिक नहीं सका। भारतीय सेना ने उसकी सभी कोशिशों का नाकाम कर दिया। भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान ने पुरानी तरकीब अपनाई। अपनी इस हार को जीत बताने के लिए कई दावे करने लगा। इस दौरान पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस संघर्ष में उसने भारत के तीन राफेल समेत पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराया। हालांकि इसके लिए ना तो सबूत दिए और ना ही कोई तथ्य। अब राफेल बनाने वाली कंपनी ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया है। फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी के सीईओ एरिक ट्रापि ने पाकिस्तान द्वारा तीन भारतीय राफेल फाइटर जेट मार गिराने के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस दावे को गलत और तथ्यहीन बताया है।

एरिक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिनों बाद पेरिस एयर शो आयोजित होने वाला है और दुनियाभर में आधुनिक लड़ाकू विमानों की युद्ध-क्षमता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय राफेल के गिरने की खबरें गलत हैं। हमें राफेल की क्षमताओं और उसकी जंग में टिकाऊपन पर पूरा यकीन है। उन्होंने कहा कि राफेल एक बहुपयोगी विमान है। यह हवा से हवा में लड़ाई, भूमि पर हमले, जासूसी मिशन, परमाणु प्रतिरोध, और एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान में सक्षम है। एरिक ने राफेल की तुलना में कहा यह एफ-22 जैसे स्टील्थ विमानों से मुकाबले में कुछ सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन एफ-35 की तुलना में राफेल युद्ध के लिए ज्यादा बेहतर है। चीन के मौजूदा लड़ाकू विमानों से कहीं ज्यादा सक्षम है राफेल। बता दें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में दावा किया था कि पाकिस्तान ने 5 भारतीय लड़ाकू विमान, जिनमें 3 राफेल शामिल थे, मार गिराए हैं। कुछ भारतीय सैनिकों को बंदी भी बनाया गया है। हालांकि पाकिस्तान ने इन दावों का कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया गया है।

सरकार ने एक साल बढ़ाई आधार अपडेट की डेडलाइन, फ्री कर सकेंगे अपडेट

नई दिल्ली। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने फ्री में आधार अपडेट करने की डेडलाइन को एक साल बढ़ा दी है। 14 जून 2026 तक आधार फ्री में अपडेट किए जा सकेंगे। केंद्र सरकार ने पहले ये डेडलाइन 14 जून 2025 तक रखी थी। यूआईडीएआई ने कहा कि लाखों आधारकार्ड धारकों को फायदा पहुंचाने के लिए फ्री में ऑनलाइन सर्विस को 14 जून 2026 तक बढ़ाया गया है। यूआईडीएआई ने कहा कि यह फ्री सर्विस सिर्फ माय आधार पोर्टल पर मौजूद है।

फ्री में आधार अपडेट करने की डेडलाइन पांचवी बार बढ़ाई गई है। इसे पहले 6 महीने, फिर तीन-तीन महीने के लिए बढ़ाया गया था, जबकि इस बार इसे सीधे एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। यूआईडीएआई ने कहा कि इसका लाभ उन लोगों को मिलेगा, जिन्हें 10 साल पहले आधार कार्ड मिला था। हालांकि फ्री आधार अपडेट में केवल डेमोग्राफिक डिटेल्स ही ऑनलाइन अपडेट की जा सकेंगी।

वर्षाकाल में भी टाईगर रिजर्व में पर्यटकों की चहल-पहल व इंटरेस्ट की गतिविधियां होगी प्रारम्भ

बफर जोन मानसून काल में पर्यटकों के लिए बनेगा आकर्षण का केंद्र, कान्हा टाइगर रिजर्व में सम्पन्न हुई एमपीटीबी की दो दिवसीय कार्यशाला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कान्हा टाइगर रिजर्व सहित राज्य के सभी नेशनल पार्कों में सफारी के अलावा पर्यटन के अनुभव बढ़ाने, वर्षा ऋतु में पार्कों के बंद हो जाने के बाद पर्यटन को नई दिअहा देने के लिए मंडला स्थित मोचा में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कान्हा टाइगर रिजर्व के एमपीटी के बघीरा रिसॉर्ट में पर्यटन विकास के लिए पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ल के मार्ग दर्शन में आयोजित कार्यशाला में वाइल्ड लाइफ हैबिटेट में सस्टेनेबल ट्रैकिंग प्रैक्टिस, एडवेंचर एक्टिविटीज इंश्योरेंस, वेलनेस टूरिज्म, स्काई गेजिंग और साइकिल सफारी आदि विषयों पर हितधारकों से शनिवार और रविवार दो दिवसों में चर्चा हुई। दो दिनों तक चले इस मंथन में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कोमट, कान्हा वन मंडल बफर जोन उप संचालक अमिता के, एमपीटीबी के साहसिक खेल विभाग के संयुक्त संचालक डॉ एस के श्रीवास्तव, बिछिया की एसडीएम सोनाली देव, यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक के वरिष्ठ अधिकारी रविशंकर और होटल-लॉज संघ, कान्हा के अध्यक्ष तरुण भाटी कार्यशाला का में शामिल हुए। कान्हा नेशनल पार्क के बफर जोन की उप संचालक अमिता के ने पीपीटी के माध्यम से इको तथा रिस्पॉसिबल टूरिज्म पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि कर सकता है। डॉ. एसके श्रीवास्तव ने बताया कि ग्लोबल सस्टेनेबल टूरिज्म काउंसिल ने पचमढ़ी को ग्रीन डेस्टिनेशन के रूप में प्रमाणित किया है। यह प्रदेश के पर्यटन विकास के दृष्टिकोण से बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि धार कुच्छी से गुजरात के स्टैचू ऑफ यूनिटी तक क्रूज सेवा जल्द आरंभ होगी। उन्होंने अपने प्रजेंटेशन में प्रदेश में सफलता पूर्वक संचालित स्काई डाइविंग जैसी गतिविधियों के बारे में बताया। प्रदेश अब साहसिक खेलों के लिए देश विदेश में नाम कमा रहा है उन्होंने अप्रैल माह में मंडला जिले में सफलता पूर्वक संचालित झील महोत्सव के बारे में बताया। साहसिक खेलों को बरगी बांध में संचालित करने के लिए एमपीटीबी ने जबलपुर के स्पोर्ट्स स्टूडियो के संचालक आशीष अग्रवाल को लायसेंस प्रदान किया है। यह इस बात को प्रमाणित करता है कि पर्यटन बोर्ड पीपीपी मॉडल के माध्यम से भी आगे बढ़ रहा है। पर्यावरण संरक्षण के साथ पेंच और अलीराजपुर में ट्रैकिंग करा रहे इंडिया हाइक्स के प्रमुख नीतेश कुमार जे ने बताया कि उनके साथ ट्रैकिंग करने वाले कचरा एकत्र करने एक थैला रखकर चलते हैं। भोपाल से आए फिल्म और डॉक्यूमेंट्री निर्माता निशांत कपूर ने वाइल्ड लाइफ को आकार देने फिल्मों की भूमिका विषय पर प्रकाश डाला। फिल्म निर्माता और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर फरहान खान की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इस अवसर पर एडवेंचर इंश्योरेंस कंपनी एएससी 360 की प्रमुख पूजा सिंघल, साइकिल सफारी का। संचालन कर रहे रोहित त्रिवेदी तथा सायरन्स स्पोर्ट्स के राहुल शर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर एमपीटीबी के सलाहकार के के सिंह, परियोजना अधिकारी अवनीश यादव, पर्यटन प्रबंधक जबलपुर तरुण मिश्र तथा पर्यटन प्रबंधक बालाघाट रत्नदीप आदि उपस्थित रहे।

हेलीकॉप्टर से पहुचेंगे जबलपुर से कान्हा

एमपीटीबी के डॉ श्रीवास्तव ने बताया कि टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध निदेशक श्री शुक्ल का मानना है कि कान्हा नेशनल पार्क तक जल्द पहुंचने के लिए बोर्ड जल्द ही जबलपुर से कान्हा तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करेगा। कान्हा में मोचा या खटिया गेट के निकट हेलिपैड का निर्माण होगा।

बदला जाए खटिया गेट का नाम

कार्यशाला में सहभागी होटल, रिजॉर्ट संचालकों ने कहा कि खटिया गेट का नाम बदल दिया जाए ताकि पर्यटकों की गलतफहमी दूर हो कि यहां कोर क्षेत्र नहीं है और खटिया गेट से प्रवेश करने पर बाघ नहीं दिखते। आगे मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और निजी एडवेंचर ऑपरेटर की माध्यम से मैराथन गतिविधि, ट्रैकिंग, स्टार गेजिंग, साइक्लिंग(टूर ऑफ कान्हा) 14 से 17 अगस्त को आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया।

डॉ. श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती मंगला श्रीवास्तव का दुःखद निधन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति ,बालाघाट जिले के नामचीन चिकित्सक एस के श्रीवास्तव (सुनील कुमार श्रीवास्तव) की धर्मपत्नी श्रीमती मंगला श्रीवास्तव का रविवार सुबह 8 बजे हृदय गति रुक जाने के कारण दुखद निधन हो गया। श्रीमती मंगला श्रीवास्तव 73 वर्ष की थी।जिनकी अंतिम यात्रा आज सोमवार सुबह 9 बजे उनके निज निवास श्रीवास्तव नर्सिंग होम बालाघाट से निकाली जावेगी।बताया गया कि मिलनसार, उच्च प्रतिभा की धनी श्रीमती मंगला श्रीवास्तव अपने पीछे पति, एक बेटा, एक बेटी और उनका भरापूरा परिवार छोड़ परलोक सिधार गई है। जिनके दुःखद निधन पर उनके परिजनों सहित अन्य सामाजिक बन्धुओ व उनके जानने वालों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परमपिता परमेश्वर से उन्हें अपने चरणों मे स्थान देने,एवं उनके परिवार को इस दुख भरी घड़ी से उबरने का साहस देने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

एक व्यक्ति ने पिता से जमीन विवाद के चलते भतीजियों से की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पिता से जमीन विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी तीन भतीजी को ही मारपीट कर घायल कर दिया। यह घटना बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पीपरटोला (सोनझरिया टोला) में हुई। बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल तीनों लड़की का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाया वही उनके पिता संतोष पिता शेखूलाल तुरकर 39 वर्ष ग्राम पीपलटोला निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके छोटे भाई सुरेश पिता शेखू लाल तुरकर के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष तुरकर दो भाई है और दोनों भाई अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। संतोष तुरकर के परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और तीन बेटी रहती है ।संतोष तुरकर मजदूरी और मिस्त्री का काम करते हैं।। जिनकी तीन बेटी में प्रतिभा तुरकर 19 वर्ष प्राची तुरकर 17 वर्ष और पूनम तुरकर 15 वर्ष की है। बताया गया है कि संतोष तुरकर के छोटे भाई सुरेश तुरकर दो-तीन दिन पहले से अपने पिता शेखूलाल तुरकर के साथ जमीन को लेकर लड़ाई झगड़ा करते आ रहा था। 14 जून को 8 बजे बजे संतोष तुरकर गांव में ही काम पर चला गया था। उसकी पत्नी उमेश्वरी तुरकर पंचायत चली गई थी और पिता शेखुलाल तुरकर और मां कौशन बाई तुरकर ग्राम चक्रवाही चले गए थे। घर में संतोष तुरकर की तीनों बेटी थी। इसी दौरान संतोष तुरकर का छोटा भाई सुरेश तुरकर उसके घर में आकर अश्लील गालियां दे रहा था। तभी संतोष तुरकर की तीनों लड़की ने अपने चाचा सुरेश तुरकर को गालियां देने से मना की तो। सुरेश तुरकर तीनों ने आवेश में आकर तीनो लड़कियों को अश्लील गालियां देते हुए उनके साथ लड़ाई झगड़ा करने लगा। प्राची तुरकर और पूनम तुरकर को ईंट हाथ बुक्के से मारपीट किया। प्रतिभा तुरकर बीच बचाव करने आई तो सुरेश तुरकर ने उसे भी हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मार डालने की धमकी दे दी। तीनों लड़कीयो के चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग आए और बीच बचाव किये। खबर मिलते ही संतोष तुरकर घर पहुंचा और वह तीनों लड़कियों को लेकर बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। बिरसा पुलिस ने तीनों लड़कियों का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये।उपनिरीक्षक शिवलाल परते ने संतोष तुरकर द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके छोटे भाई सुरेश पिता शेखर लाल तुरकर 33 वर्ष के विरुद्ध धारा 296,115(2),351(3) भारतीय न्याय सोंहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

शिक्षक सुनील मेश्राम को एप्रिशियेशन सर्टिफिकेट से किया गया पुरुष्कृत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। संजीव अग्रवाल ग्लोबल एजुकेशनल यूनीवर्सिटी भोपाल द्वारा स्टूडेंट्स च्वाईस अवार्ड्स 2025 के लिए एप्रिशियेशन सर्टिफिकेट से सुनील मेश्राम व्याख्याता शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसवाड़ा को नवाजा गया। यह उपलब्धि छात्रों के विकास के लिए निरंतर समर्थन और बहुमूल्य योगदान के लिए प्रदान की गयी है। सेज ग्रुप संस्थान द्वारा शिक्षा संस्थान, स्वास्थ्य सेवाएं, व्यवसाय और उद्योग, सामाजिक पहल एवं हॉस्पिटैलिटी कार्यक्रम संचालित एवं प्रसारित किये जाते है। सेज के चेयरमैन इंजिनियर संजीव अग्रवाल, डायरेक्टर जनरल डॉक्टर सर्वेश शुक्ला, प्रो वाइस चांसलर डॉक्टर नीरज उपमन्यु एवं प्रोफेसर राहुल दुबे के द्वारा एक्जीक्यूटिव शाल, पेन, डायरी एवं मोमेंटो प्रदान करके पुरष्कृत किया गया जो बालाघाट जिले को गौरवांवित करता है। आपको बताए कि इसके पूर्व भी वर्किंग जर्नलिस्ट आर्गेनाइजेशन पत्रकार संघ द्वारा बालाघाट जिला स्तरीय सम्मान समारोह

2025 में आयोजित सार्वजनिक तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं बैगा जनजाति विशेष के लिए कार्यक्रम चलाये जाने हेतु जिला संरक्षक अशोक मोटवानी और जिला अध्यक्ष श्रीकांत त्रिवेदी द्वारा कलेक्टर मृणाल मीना की उपस्थिति में पूर्व सांसद एवं मंत्री गौरीशंकर बिसेन मध्यप्रदेश शासन, मंत्री श्रीमती संपतिया उयके एवं सांसद श्रीमती भारती पारधी जी के हस्ते प्रदान किया जा चुका है ज्ञात हो कि शिक्षा के साथ अपने सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने वाले शिक्षक सुनील मेश्राम मूलतः जनजातीय कार्यविभाग में निरंतर अपनी सेवाए देते आ रहे है। इनकी उपब्धि पर डॉ. अरुण गोंडाने, प्रोफेसर डॉ. देवराज चौरे, प्राचार्य उत्तम सिंह राजपूत, ब्लाक शिक्षा अधिकारी डी.डी. ठाकरे एवं समस्त शिक्षकों तथा महार-बौद्ध समाज के कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये बधाईयां प्रेषित की है।

जिला सेन समाज की बैठक सम्पन्न 6 जुलाई को होगा प्रतिभा सम्मान समारोह

विभिन्न पदों पर पदाधिकारियो की हुई नियुक्ति

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर में आयोजित जिला सेन समाज बालाघाट की एक महत्वपूर्ण बैठक में सामाजिक गतिविधियों को अंजाम दिया गया।इस बैठक में जिले की विभिन्न नगरपालिकाओं में म.प्र. केशशिल्पी बोर्ड अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा द्वारा उनके प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त मनोज सेन पारधी बालाघाट ,संतोष श्रीवास लांजी, उत्तम कटरे बिरसा-मलाजखंड ,राजेन्द्र फुलबांधे वारासिवनी तथा अंचल कडुवे कटंगी को अधिकार पत्र वितरित किये गए।वही प्रत्येक वर्ष जिला स्तर पर आयोजित किये जाने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की आगामी तिथि इस वर्ष 6 जुलाई 2025 निर्धारित करने पर आम सहमति हुई ।साथ ही सामाजिक कार्यों में ऊर्जा के संचरण हेतु आगामी 3 वर्षों के लिये लालबर्रा क्षेत्र के जाने माने राजनीतिक व सामाजिक

कार्यकर्ता सत्यनारायण श्रीवास को अध्यक्ष के तौर पर सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। सत्यनारायण श्रीवास का दायित्व गृहण आगामी प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम से होगा । बैठक का समापन प्रदेश सेन समाज विकास संगठन के पदाधिकारी सतना के उपेंद्र सेन के असामयिक निधन तथा अहमदाबाद के विमान हादसे में दिवंगत अनेक आत्माओं को श्रद्धांजलि देने से हुई ।जिला स्तरीय इस बैठक में जिले के लांजी , बिरसा , बालाघाट ,वारासिवनी , लालबर्रा तथा कटंगी विकासखंड के अनेक बंधुओं ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दी ।ऐसी जानकारी जिला सेन समाज बालाघाट के महासचिव डॉ. पीताम्बर उरकुड़े द्वारा दी गई है।

म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ तहसील व विकासखंड स्तरीय संयुक्त बैठक सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय मजदूर संघ का सहयोगी एवं राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी संघ से संबद्ध प्रदेश के द्वितीय वर्ग कर्मचारी से चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों का राष्ट्रीय संगठन की तहसील व विकासखंड स्तरीय संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश

राज्य कर्मचारी संघ के जिला उपाध्यक्ष पंचम हनवत के सानिध्य में संपन्न हुई। जिसमें सर्वप्रथम सत्र २०२५-२६ की सदस्यता के लक्ष्य पर विचार हुआ जो की संतोष जनक रहा। सदस्यों में लगभग १० विभागों जिसमें शिक्षा विभाग, कृषि , पशु चिकित्सा , चिकित्सा, लोक स्वास्थ्य यॉत्रिकी, राजस्व, मंडी , जनजाति विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के कर्मचारी अधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण की । तत्पश्चात कर्मचारियों की समस्यां संगठन के पटल पर रखी गई। जिसमें वेतन विसंगति, समय मान वेतनमान, क्रमोन्नत वेतनमान एवं पदोन्नति आदि पर विचार विमर्श हुआ । जिन्हें प्रदेश के एजेंडे में शामिल करने हेतु प्रदेश कार्यालय को लिखा गया। स्थानीय समस्याओं का निराकरण अधिकारियों से संपर्क कर किया जाएगा ऐसी चर्चा की गई। बैठक में कार्यालयींन कर्मचारियों के द्वारा नाजायज तरीके से कर्मचारियों से जीपीएफ ,सेवानिवृत्ति, एरियर्स आदि के लिए रिश्वत की मांग करने की लिखित शिकायत संगठन को प्राप्त हुई है। ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों अधिकारियों के खिलाफ संगठन ने आंदोलन का शंखनाद किया है। आगामी २२ जून २०२५ को संगठन की जिला स्तरीय बैठक जो कि सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में दोपहर १२ बजे से संगठन के प्रदेश मंत्री रजनीश विश्वकर्मा की अध्यक्षता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोज मिनोटे के मुख्य आतिथ्य में साथ ही जिला संगठन मंत्री के जी बिसेन के विशेष अतिथि में संपन्न होनी है। जिसमें कर्मचारियों की समस्यां तथा जिला निर्वाचन की कार्यवाही संपन्न होनी है । ऐसी बहु आयामी बैठक में संगठन के समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य एवं सक्रिय सदस्यों से २२ जून २०२५ दिन रविवार को समय १२ बजे सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में अनिवार्य पहुंचने की अपील बैठक में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष पंचम हनवत, तहसील सचिव विजय दखने, तहसील कोषाध्यक्ष लखपति बिसेन, विकासखंड अध्यक्ष दिलेश खंडेलकर, विकासखंड सचिव प्रमोद कटरे, विकासखंड कोषाध्यक्ष विशाल वाहने, तहसील उपाध्यक्ष यू एल तुरकर, विकासखंड उपाध्यक्ष प्रशांत डिब्बे ने की है ।

सर्व वर्गीय कलार समाज ने प्लेन दुर्घटना मे मृत यात्रीयो को दी श्रद्धांजलि

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रविवार को नगर के बूढ़ी रोड़ स्थित एक होटल में आयोजित सभा में जिला सर्ववर्गीय कलार समाज बालाघाट की ओर से अहमदाबाद में भयावह विमान दुर्घटना मे मृत लोगों की आत्मा की शांति हेतु मौन धारण कर श्रद्धांजली अर्पित की गई।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

56 लाख के 4 मृतक इनामी नक्सलियों की हुई पहचान

सुमन, रीता, ईमला उर्फ तुलसी और रवि को पुलिस ने मुठभेड़ में किया था ढेर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शनिवार को थाना रुपझर, चौकी सोनेवानी अन्तर्गत पचामादादर-कटेझिरिया जंगल क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए चारो नक्सलियों की पहचान कर ली गई है।बताया गया की इस मुठभेड़ में पुलिस पार्टी ने 56 लाख के इनामी 4 नक्सलियों को मार गिराया है।जिसमे 3 महिला सहित 1 पुरुष नक्सली का समावेश है।जिनकी पहचान सुमन, रीता, ईमला उर्फ तुलसी और रवि के रूप में की गई है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन मारे गए चारों नक्सलियों में से दो मलाजखंड दलम से जुड़े हुए हैं। जबकि एक टांडा दलम और एक दर्रेकसा से जुड़ा हुआ हैं। इनमें से एक महिला नक्सली सुमन जो दर्रेकसा एरिया कमेटी मैंबर थी, जो महाराष्ट्र के गढ़चिरोली की रहने वाली थी।यह लंबे समय से नक्सली वारदातों को अंजाम दे रही थी। एक अन्य महिला नक्सली रीता जो टांडा एरिया कमेटी की थी। वहीं इमला उर्फ तुलसी मलाजखंड एरिया कमेटी की मैंबर थी। इन तीन महिला नक्सलियों के अलावा रवि मलाजखंड एरिया कमेटी से जुड़ा हुआ था।जिन्हें पुलिस जवानों ने मुठभेड़ में मार गिराया है।

तीनो पर था 56 लाख का ईनाम

पचामादादर-कटेझिरिया जंगल क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए चारो नक्सलियों पर मप्र में 56 लाख का ईनाम था।जानकारी के अनुसार नक्सली सुमन, रीता, ईमला उर्फ तुलसी और रवि पर मप्र के अलावा महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में ईनाम घोषित था। जिन्हें पुलिस सुरक्षा बलों ने मार गिराया है।मुठभेड़ के दौरान अन्य नक्सली भी घायल हुए हैं।जिनकी तलाश, सीआरपीएफ, हॉक फोर्स, कोबरा फोर्स व जिला पुलिस बल के द्वारा क्षेत्र में बड़े स्तर पर सघन सर्चिंग अभियान चलाकर की जा रहा है।बताया गया कि मुठभेड़ मे मारे गए चारों नक्सलियो के विरुद्ध म.प्र. मे कुल 102 अपराध दर्ज है।

मुठभेड के बाद जप्त की गई विभिन्न समाग्री

उधर पुलिस सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के बाद नक्सलियों की विभिन्न सामग्रियां जप्त की है।जिसमें

ग्रेनेड लान्चर- 01, एसएलआर रायफल मय मैग्जीन, कारतूस-01, .315 रायफल मय कारतूस 02, एक अन्य रायफल, जिंदा हेण्ड ग्रेनेड 01, डेटोनेटर, डेटोनेटर वायर, आई.ई.डी. निर्माण सामग्री , वॉकी-टॉकी सेट व अन्य संचार के उपकरण,10 नग पिट्ठू बैग, 10 नग बिंडोरी पाउच, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोग की सामग्री, टेंट इत्यादि जप्ती में शामिल है।

चारो नक्सलियों पर दर्ज थे 102 आपराधिक रिकार्ड

बालाघाट पुलिस द्वारा जारी की गई प्रेस नोट के अनुसार इस मुठभेड़ में मारे गए चारों नक्सलियों पर 102 आपराधिक रिकार्ड दर्ज थे जिसमें नक्सली रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांगु हिडामी पति चंदू उर्फ देवचंद ,नवेझरी तह0 कोरची महाराष्ट्र की रहने वाली थी जो एसीएम पद का कार्यरत थी।इसपर 14 लाख रु का ईनाम दर्ज था।वही म.प्र. में 56 अपराध दर्ज थे।इसी तरह नक्सली रवि, पश्चिम बस्तर छत्तीसगढ़ निवासी है जो एसीएम पद पर कार्य कर रहा था, इसके ऊपर 14 लाख रु का ईनाम था, जिसपर म.प्र. में 23 आपराधिक मामले दर्ज है। तो वही नक्सली तुलसी उर्फ विमला उर्फ ईमला, एसीएम पद पर थी, इसके ऊपर 14 लाख रु का इनाम था, जिसपर म.प्र. में 13 अपराध दर्ज है।इसी तरह नक्सली सुमन, एसीएम पद पर कार्यरत थी, जिसपर 14 लाख रु का ईनाम था।जिसपर म.प्र. में 10 अपराध दर्ज है।

सर्चिंग अभियान जारी

इस नक्सली मुठभेड़ के बाद इन चारों नक्सलियों के शव को बरामद कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बताया गया कि इस मुठभेड़ कई नक्सली घने जंगल और पहाडो का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए।लेकिन मुठभेड़ के बाद में मारे गए नक्सलियों के पास से पुलिस ने हथियार सहित अन्य सामग्री जप्त की है। बताया गया कि रविवार को भी 800 से अधिक की संख्या में हॉकफोर्स, जिला पुलिस बल व सीआरपीएफ के जवान सर्चिंग अभियान संचालित कर रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को लेकर बैठक संपन्न

16 जून से 20 जून तक होगा पूर्व अभ्यास कार्यक्रम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के अवसर पर, जिला प्रशासन, जिला योग आयोग समिति बालाघाट द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के पूर्व अभ्यास करने के उद्देश्य से , नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, एसडीएम गोपाल सोनी, पूर्व नगर पालिका रमेश रंगलानी , मौसम बिसेन युवा नेत्री,महेश खजांची गायत्री

परिवार, सुरेश बागरेचा, अर्जुन सनोडीया, हेमा वाधवानी, महेंद सुराना,जिला योग आयोग के अध्यक्ष तपेश असाटी सहित स्वयंसेवी संस्थाएं समाजसेवियों की उपस्थिति में आयोजित की गई।जिसमें समुदाय को इस योगाभ्यास में जोड़ने पर विचार किया गया, बैठक में युवा नेत्री मौसम बिसेन ने कहां कि आज हमें लोगों को योग के महत्व को बताना होगा और योग दिवस के पूर्व इस प्रकार के अभ्यास से एक अच्छा वातावरण बनेगा। और वर्ष भर हमें योग को करना होगा। हमें लोगों को योग के महत्व पर हम प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने इसी योगाभ्यास में ज्यादा से ज्यादा लोगों के शामिल होने की अपील की।एसडीएम गोपाल सोनी ने प्रशासन द्वारा योग दिवस की तैयारियां के बारे में बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया जाना है।सभी संस्थाएं इसमें शामिल होगी।योग दिवस के पूर्व योगाभ्यास से जनमानस प्रशिक्षित होंगे।जिसमें भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, योग समिति के सदस्य, समाज के विभिन्न वर्गों, आयुष विभाग, जिला प्रशासन,सामाजिक संगठन, योग संस्थाओं को जोड़कर भव्य रूप से आयोजित करने के साथ, समुदाय को जोड़ने का निर्णय लिया गया है। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारतीय ठाकुर , गायत्री परिवार के महेश खजांची , पूर्व अध्यक्ष रमेश रंगलानी , सहित स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि ने भी इस योग दिवस को भव्य रूप से मनाने के बारे में अपने विचार रखें।

16 जून से 20 जून तक होगा योगाभ्यास

जिला योग आयोग के अध्यक्ष तपेश असाटी ने बताया कि इस बार के योग दिवस के अवसर पर जिला योग आयोग समिति द्वारा भी इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है साथ ही 16 जून से लेकर 20 जून तक सुबह 6 बजे से 7 बजे तक स्थानीय मूलना स्टेडियम में पूर्व अभ्यास कार्यक्रम समुदाय ,युवा महिलाएं और संस्थाओं,सर्व समाज के साथ किया जा रहा है। साथ ही इसी को लेकर जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा दिनांक 17 जून को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय में विभिन्न सामाजिक संगठन, के प्रतिनिधि की बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में एसडीएम गोपाल सोनी, तहसीलदार वंदना कुशराम, मीना चावड़ा शिविर प्रभारी, पूजा अग्रवाल नगर अध्यक्ष योग आयोग समिति बालाघाट, हेमा वाधवानी अध्यक्ष महिला मोर्चा, पूरन सिंह भाटिया,डी.पी. रहांगडाले, राजकुमार सरोते,अर्जुन सनोडीया भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, हेमराज पटले पतंजलि समिति, दशरथ बिसेन योग समिति, दीपक गिरी जिला क्रीड़ा अधिकारी ,के.के.कुशवाह जिला योग प्रभारी, आशीष मिश्रा, श्रेयांश वैध, बरखा नाग समाजसेवी, सुधीर तोमर प्रशिक्षक पुलिस वालीबॉल अकैडमी, मीना चावड़ा , शैलेंद्र यादव, छबिंद्र सोनेकर,अजय ठाकुर, जूहिता परमार, मोनिका गर्दे, साधना दुबे, नेहा जसेठिया, पायल सावलानी, मीणा धुवारे मराठा कलार समाज अध्यक्ष, डॉ दीपाली आयुष विभाग, भूपेंद्र सिंह उईके, भीकम चौहान,ओम दमाहे, सहित जिला योग आयोग के सदस्य, पतंजलि समिति, भारत स्वाभिमान के सदस्य उपस्थित थे।

द्वितीय चरण की बोर्ड परीक्षा

कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं की पुनः परीक्षा कल से

उत्कृष्ट विद्यालय से किया गया परीक्षा सामग्रियों का वितरण, जिले के सभी ब्लॉकों के 21 केंद्रों पर आयोजित होगी परीक्षा , 8738 विघार्थी परीक्षा में होंगे शामिल, 10 वी की 26 जून, तो 12वी की 5 जुलाई तक चलेगी परीक्षा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल(माशिम) द्वारा पिछले दिनों 06 मई को कक्षा 10वीं-12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम जारी किए गए थे।आयोजित इस 2024-25 कि मुख्य परीक्षा में असफल विघार्थियों के लिए माशिम द्वारा द्वितीय परीक्षा का आयोजन 17 जून से किया जा रहा है।जहां कक्षा 10 वी की परीक्षा 17 जून से 26 जून तक, तो वही कक्षा 12वी की परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई तक चलेगी।इसमें ऐसे विघार्थी जो पहले प्रयास में सफल नही हो सके या अनुपस्थित रहे थे, कम अंको से पास हुए है। वे विघार्थी इस दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते है। बात अगर बालाघाट जिले की करें तो इस परीक्षा में शामिल होने के लिए अब तक लगभग 8738 विघार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है। इस परीक्षा को संपन्न करने के लिए रविवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय से परीक्षा सामग्रियों का वितरण किया गया। जहां उपस्थित सभी केंद्राध्यक्ष को परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र, उत्तर पुस्तिकाएं, परीक्षा शीट ,बोर्ड से द्वितीय परीक्षा को लेकर जारी किए गए दिशा निर्देश सहित अन्य परीक्षा सामग्रियों का वितरण किया गया।

कक्षा 10वीं के 4162, तो 12वीं के 4576 विद्यार्थी परीक्षा में होंगे शामिल

मंगलवार 17 जून से आयोजित होने वाली द्वितीय चरण की बोर्ड परीक्षा में बालाघाट जिले से कक्षा 10वीं और 12वीं के कुल 8738 विद्यार्थी शामिल होंगे। जिसमें कक्षा दसवीं के 4162 तो वही कक्षा 12वीं के 4576 विद्यार्थियों का समावेश है।द्वितीय चरण की इस पुनः परीक्षा को शांतिपूर्ण व व्यवस्थित तरीके से संपन्न करने के लिए जिले के सभी ब्लॉकों में ब्लॉक स्तर पर कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें परीक्षा केंद्र अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की भी नियुक्ति कर दी गई। तो वही रविवार को उत्कृष्ट विद्यालय से परीक्षा सामग्रियों का वितरण भी किया जा चुका है।

पहली बार एक सत्र में 2 बार आयोजित हो रही बोर्ड परीक्षा

माशिम द्वारा कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं के द्वितीय चरण की परीक्षा को संपन्न करने के लिए टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है। जिसके अनुसार कक्षा 10वीं की 17 जून से 26 जून तक और कक्षा 12वीं की17 जून से 5 जुलाई तक परीक्षा आयोजित की जाएगी।प्रत्येक दिन परीक्षा अवधि तीन घंटे की रहेगी, जहा कक्षा 12वी की परीक्षा सुबहा 9 बजे से 12 बजे तक तो वही कक्षा10 वी की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। आपको बताए कि वर्ष 2025 में बोर्ड परीक्षा का दो बार आयोजन किया जा रहा है।जबकि इसके पूर्व दुबारा परीक्षा की जगह पास फेल और सप्लीमेंट्री का ऑप्शन रहता था। वही कुछ विषयो मे फेल और सप्लिमेंट्री वाले विघार्थियों की अलग से परीक्षा ली जाती थी।इस व्यवस्था को बोर्ड ने समाप्त कर दुबारा परीक्षा का नया विकल्प पेश किया है।जिसका आयोजन पहली बार होगा।

इन केन्दो में होगी परीक्षा

बोर्ड की द्वितीय परीक्षा के लिए बनाए गए केन्द्रो में शा. आदर्श बहु. उ.मा. विद्यालय बालाघाट, शा.एम.एल.बी. कन्या हा.से. स्कूल बालाघाट, शा. टिहलीबाई हा.से. स्कूल वारासिवनी, शा.के.एन. कन्या हा.से. स्कूल वारासिवनी, शा. बालक हा.से. स्कूल कटंगी, शा. बालक हा.से. स्कूल बैहर, शा. माडल बालक हा.से. स्कूल लांजी, शा. कन्या हा.से. स्कूल लांजी, शा. बालक हा.से. स्कूल लालबर्रा, शा. बालक हा.से. स्कूल किरनापुर, शा. कन्या हा.से. स्कूल किरनापुर, शा. हा.से. स्कूल परसवाड़ा, शा.हा.से. बिरसा, शा. बालक हा.से. खैरलांजी, शा. कन्या हा.से. स्कूल खैरलांजी, शा. कन्या हा.से. स्कूल अमोली, शा. वीरांगना रानी दुर्गावती उ.मा.वि. बालाघाट, विवेक ज्योति हा.से. स्कूल बालाघाट, दादाबाड़ी जैन हा.से. स्कूल बालाघाट और सरस्वती उ.मा. वि. लांजी को केन्द्र बनाया गया है।

ग्वालियर के बाद बालाघाट में सबसे अधिक बच्चे देंगे द्वितीय परीक्षा- मरावी

परीक्षा सामग्रियों के वितरण को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी सीएस मरावी ने बताया कि 17 जून से द्वितीय परीक्षा का आयोजन होना है। इसके लिए जिले में 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उसी को लेकर आज गोपनीय सामग्रियों का वितरण किया गया है। यह सामग्री सभी ब्लॉक स्तर के नजदीकी थानों में सुरक्षित जमा कर दी जाएगी। जो परीक्षा के दिन एक घंटा पूर्व थाने से निकालकर परीक्षा केंद्र पहुंचाई जाएगी और उस दिन की परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि पूरे मध्यप्रदेश में ग्वालियर के बाद बालाघाट दूसरे नंबर पर ऐसा जिला है जहां सबसे अधिक बच्चे इस पुनः परीक्षा में बैठ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में न सिर्फ फेल होने वाले विद्यार्थी बल्कि एक-दो विषय में फेल होने वाले और कम अंक आने वाले विद्यार्थी भी पुनः परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।यदि कोई विद्यार्थी पहली परीक्षा में पास हो गया है लेकिन उसके कम अंक आए हैं तो वह भी अधिक अंक के लिए दोबारा परीक्षा दे सकता है। इन दोनों परीक्षा परिणाम में जिसमें सबसे अधिक अंक आएंगे वह परीक्षा परिणाम मान्य किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि फिलहाल बोर्ड से उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन को लेकर कोई दिशा निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं।जैसे ही मूल्यांकन को लेकर कोई निर्देश आएंगे वैसे ही मूल्यांकन की व्यवस्था भी बना दी जाएगी।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई 3 वर्षीय मासूम बालक मां बेटा सहित चार लोग घायल

कटंगी थाने के वारासिवनी रोड पर हुई सड़क दुर्घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कटंगी थाना अंतर्गत वारासिवनी रोड पर स्थित ग्राम लखनवाड़ा के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार मां बेटा एवं 3 वर्षीय बालक सहित चार लोग घायल हो गए। चारों घायल जिम सतवन बाई पति महेश मेश्राम 40 वर्ष उसका बेटा ऋषभ पिता महेश मेश्राम 18 वर्ष दोनों ग्राम बोथवा थाना तिरोड़ी देवेंद्र पिता गेंदलाल टेकाम 30 वर्ष डूंडा सिवनी जिला सिवनी और उसका बेटा अयान पिता देवेंद्र टेकाम 3 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी जिले के ग्राम डूंडासिवनी निवासी देवेंद्र टेकाम खेती मजदूरी करते हैं। जिनका ससुराल ग्राम नारवांजपार वारासिवनी का है। 15 जून को देवेंद्र टेकाम अपने 3 वर्षीय बेटे अयान टेकाम के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव डूंडा सिवनी से अपने ससुराल नारवांजपार वास्तु के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकला था। और उसकी पत्नी सविता टेकाम बस से आ रही थी।2 बजे करीब कटंगी से वारासिवनी की ओर आते समय ग्राम लखनवाड़ा के पास जब ऋषभ मेश्राम अपनी मां सतवन बाई मेश्राम के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम कोचेवाही से अपने गांव बोथवा जाने निकले थे तभी ग्राम लखनवाड़ा के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार 3 वर्षी बालक सहित चारो लोग घायल हो गए। सभी घायलों को कटंगी के अस्पताल में भर्ती किया गया था।कटंगी के शासकीय अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल देवेंद्र टेकाम उसके बेटे अयान टेकाम ऋषभ मेश्राम और उसकी मां सतवन बाई मेश्राम को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। चारों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।जहा सभी का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

मुर्गा काटने मना करने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर ही चलाई कुल्हाड़ी

घायल ललतीन बाई बिरसा के अस्पताल में भर्ती, पति के विरुद्ध हत्या का प्रयास करने के आरोप में अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मुर्गा मारने मना करने से गुस्साए एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को ही कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया 14 जून की रात्रि 8:00 बजे करीब यह घटना मुलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पंडरापानी के बैगाटोला में हुई। पति द्वारा कुल्हाड़ी के वार से घायल महिला ललतीन बाई पति रमेश धुर्वे 35 वर्ष को बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया है। वही उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति रमेश पिता भीम धुर्वे के विरूद्ध ललतीन बाई की हत्या का प्रयास करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है । घटना के बाद से यह आरोपी फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ललतीन बाई धुर्वे मजदूरी करती है। जिसकी शादी 15 साल पहले रमेश धुर्वे के साथ हुई थी। जिनकी 8 लड़कियां थी। जिनमें दो बेटी की मृत्यु हो चुकी है। रमेश धुर्वे ललतीन बाई को लड़की ही लड़की पैदा करती है, लड़का नहीं होते का कर आए दिन गाली गुप्तार कर उसे परेशान करते रहता है। 14 जून की रात 8 बजे जब ललतीन बाई अपने बच्चों के साथ घर में थी तभी पति रमेश धुर्वे घर का मुर्गा को मार रहा था। ललतीन बाई ने उसे मुर्गा को मारने के लिए मना की और बोली की मुर्गा को बेचकर कुछ पैसा आएगा तो घर का खर्चा चलेगा। ललतीन बाई के इतना कहते ही रमेश धुर्वे आवेश में आ गया और घर में रखी लोहे की कुल्हाड़ी हाथ में लेकर ललतीन बाई को जान से खत्म कर देने की धमकी देकर ललतीन बाई के ऊपर कुल्हाड़ी से वार कर दिया । कुल्हाड़ी का वार ललतीन बाई के दाहिने तरफ कान के ऊपर सिर में लगने से ललतीन बाई खून से लथपथ हो गई और घर से भाग कर अपनी गांव में ही अपनी मां रुनिया बाई परते के घर पहुंची और रोने लगी। ललतीन बाई ने घटना के संबंध में अपनी मां रुनिया बाई परते को बताई। रात्रि में साधन नहीं होने के कारण ललतीन बाई अपनी माँ रुनिया बाई के घर रुकी ।ललतीन बाई का इलाज उसकी मां ने गांव के डॉक्टर से करवाई। डॉक्टर ने उसे बिरसा के अस्पताल जाने की सलाह दी।15 जून को 108 एंबुलेंस से ललतीन बाई को बिरसा के अस्पताल लाकर भर्ती किया गया है। सूचना मिलने पर मलाजखंड पुलिस थाना से घुड़नलाल अहिरवार ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर घायल ललतीन बाई का बयान लिए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति रमेश धुर्वे पिता भीमा धुर्वे ग्राम बैगा टोला निवासी के विरुद्ध ललतीन बाई की हत्या करने का प्रयास करने के आरोप में धारा 109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। घटना के बाद से रमेश धुर्वे फरार बताया गया है। जिसकी तलाश की जा रही है।

जान-जोखिम में डालकर जीर्णशीर्ण भवन एवं टपकती छत में शिक्षा अध्ययन करेगें बच्चें

स्कूल भवनों की नहीं हुई साफ-सफाई व पुताई, अव्यवस्था के बीच प्रवेशोत्सव आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नवीन शिक्षण सत्र को लेकर शिक्षा विभाग की तैयारी पूर्ण हो चुकी है और संपूर्ण प्रदेश के शासकीय/अशासकीय स्कूलों में शासन के निर्देशानुसार 16 जून को प्रवेशोत्सव मनाकर नये शिक्षण सत्र की शुरूआत की जायेगी। प्रवेशोत्सव को लेकर सभी स्कूलों में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई व मरम्मत का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है परन्तु लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत अधिकांश ऐसे स्कूल है जिनके भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुके है। जिनका मरम्मत कार्य करवा पाना संभव नही है और कई ऐसे स्कूल है जिनके भवनों की मरम्मत सहित साफ-सफाई व पुताई भी नही की गई है। ऐसी आधी-अधुरी तैयारी व अव्यवस्थाओं के बीच 16 जून को शासकीय स्कूलों में प्रवेशात्सव मनाया जायेगा। साथ ही जो स्कूल के भवन जीर्णशीर्ण हो चुके है वह बच्चें जान जोखिम में डालकर शिक्षा अध्ययन करेगें। वहीं कुछ ऐसे स्कूल है जहां के पुराने भवन जीर्णशीर्ण हो चुके है जिसे अब तक डिस्मेंटल तक नही किया गया है। ऐसी स्थिति में 16 जून से बच्चें स्कूल आयेगें और इस दौरान अगर वे जीर्णशीर्ण भवन की ओर जाते है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जबकि ऐसे भवनों को डिस्मेंटल कर देना चाहिए था लेकिन ऐसा अब तक नही किया गया है। वहीं लालबर्रा क्षेत्र की 42 स्कूलों के भवनों का मरम्मत कार्य करवाने की जानकारी शासन को भेजी गई है, लेकिन अब तक राशि नही आने के कारण मरम्मत कार्य नही करवाया गया। जबकि बीआरसी के द्वारा नवीन सत्र शुरू होने के पूर्व भवन का मरम्मत व साफ-सफाई व पोताई करने के प्रधानपाठकों को निर्देश दिये गये थे। लेकिन अधिकांश स्कूलों में भवनों का मरम्मत, सफाई व पोताई भी नही की गई है। जिससे बच्चों को शिक्षा अध्ययन करने में परेशानी होगी।

विचगांव में भवन बनकर तैयार, फिर भी जीर्णशीर्ण भवन में लगेगी कक्षाएं, जिम्मेदार मौन

नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर करेगें स्वागत, जीर्णशीर्ण भवनों को डिस्मेंटल कर नवीन भवनों का निर्माण करवाने की मांग

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत चिचगांव में स्थित शास. एकीकृत माध्य. स्कूल का भवन जो जर्जर हो चुका है एवं छत से प्लास्टर निकलने लगा है और बारिश के दिनों में कमरों में पानी जमा हो जाता है। इसी तरह खुरपुड़ी का माध्यमिक स्कूल का भवन के छत से प्लास्टर निकलने लगे है। ऐसी स्थिति में छात्र-छात्राओं को शिक्षा अध्ययन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जबकि चिचगांव शास. एकीकृत माध्य. स्कूल के जीर्णशीर्ण भवन को देखते हुए शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से शासकीय हाई स्कूल के समीप नवीन भवन का निर्माण करवाया गया है। जो बनकर तैयार हो चुका है एवं शासन स्तर से स्कूल स्थानांतरित करने के लिए पत्र भी जारी हो चुके है। लेकिन इस स्कूल को नवीन भवन में स्थानांतरित अब तक नही किया गया है। नवीन सत्र में जीर्णशीर्ण भवन में स्कूल संचालित होती है तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है, लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नही दे रहे है। वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि भवन का मरम्मत कार्य करवा दिया गया है और पुराने भवन में ही स्कूल संचालित किया जायेगा और इस जीर्णशीर्ण भवन में 1 से 8 तक की कक्षाओं का संचालन होगा। इसी तरह ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) शास. प्राथमिक स्कूल के दो भवन जीर्णशीर्ण होने के बाद नवीन भवन में स्कूल का संचालन किया जा रहा है। लेकिन जो भवन पुरी तरह से जर्जर व जीर्णशीर्ण हो चुके है उसे अब तक डिस्मेंटल नही किया गया है। जिसके कारण स्कूली बच्चों के साथ बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है क्योंकि जीर्णशीर्ण भवन किसी भी समय धराशायी हो सकता है। वहीं बच्चों के अभिभावक एवं ग्रामीणों के द्वारा जीर्णशीर्ण भवन को डिस्मेंटल कर नवीन भवन का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है।

जीर्णशीर्ण एवं भवन विहीन स्कूलों के छात्र-छात्राओं को होगी परेशानी

आपको बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड में शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित हो रहे है परन्तु विकासखण्ड के तीन दर्जन से अधिक प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल के भवन जीर्णशीर्ण हो चुके है। जिसमें से अधिकांश स्कूलों का मरम्मत कार्य नही होने के कारण नये शिक्षण सत्र की पढ़ाई करवाने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शासन के द्वारा जहां एक ओर स्कूलों का उन्नयन कर बच्चों की छुट रही पढ़ाई का समाधान किया गया है तो वहीं एक नई समस्या आ गई कि शासन के द्वारा जिन स्कूलों का उन्नयन किया गया था। वे स्कूल अपने पुराने भवन में ही स्कूल संचालित होगें एवं कमरे व भवन छोटा होने के कारण उन्हे पढ़ाई करने में काफी परेशानियों का भी सामना करना पड़ेगा। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में मुरझड़ में हाई स्कूल व बघोली, गर्रा, कंजई में हायर सेकेण्डरी स्कूल का भवन नही है। 16 जून से नया शिक्षण सत्र प्रारंभ हो रहा है परन्तु जिन स्कूलों के भवन जर्जर एवं भवन विहीन है उक्त स्कूलों के छात्र-छात्राओं को शिक्षा अध्ययन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

जर्जर भवन दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण - महेन्द्र

महेंद्र बघेल ने बताया कि मोहगांव (बोरी) के प्राथ. स्कूल में बच्चें शिक्षा अध्ययन करते हैं और जिस भवन में कक्षाएं संचालित होती है उसके बाजू में ही पुराना प्राथ. शाला भवन जीर्णशीर्ण अवस्था में खड़ा है। जो कभी भी धराशायी हो सकता है। जबकि इस स्कूल में छोटे बच्चे अध्ययन करते हैं जो खेलते-खेलते कई बार इस क्षतिग्रस्त भवन के पास चले जाते है। अगर जर्जर भवन गिरता है तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है और यह खंडहर भवन दुर्घटना को भी आमंत्रण दे रहा है लेकिन जिम्मेदार मौन है।

शिक्षा विभाग खंडहर हो चुके भवन को करवाये डिस्मेंटल - राजकुमार

पूर्व जनपद सदस्य राजकुमार गेडाम ने बताया कि यह पुराना प्राथमिक शाला भवन है जो कि देख-रेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं खेल मैदान होने के कारण गांव के छोटे बच्चे खेलकूद करते हैं और 16 जून से शिक्षा का नवीन सत्र शुरू हो रहा है एवं बच्चें पढ़ाई करने आयेगें, अगर खंडहर भवन गिरता है तो दुर्घटना घटित हो सकती है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इस विषय को गंभीरता से लेते हुए खंडहर बन चुके भवन को डिस्मेंटल करवा देना चाहिए, नही तो भविष्य में दुर्घटना घटित हो सकती है। श्री गेडाम ने बताया कि गेट भी क्षतिग्रस्त हो चुका है जिससे आसामाजिक तत्व अंदर घुस जाते है और गंदगी करते है इसलिए प्रशासन से मांग है कि क्षतिग्रस्त गेट को सुधार कर नवीन भवन का निर्माण करवायें।

पुराने भवन के अतिरिक्त कक्ष में लगेगी कक्षाएं - देवेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में शास. एकीकृत मा. स्कूल चिचगांव के प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत ने बताया कि स्कूल का एक भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है, जिसके समीप अतिरिक्त कक्ष है। जिसका मरम्मत कार्य करवा दिया गया है और इस अतिरिक्त कक्ष में 1 से 8 तक की कक्षाएं लगेगी। श्री हनवत ने बताया कि स्कूल से 750 मीटर दुर अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया गया है, जबकि पुराने भवन के समीप ही निर्माण होना था और उक्त नवीन अतिरिक्त कक्ष में बच्चें एवं अभिभावक अपने बच्चों को नही भेजना चाहते है इसलिए पुराने भवन में ही स्कूल संचालित किया जायेगा।

इनका कहना है-

16 जून को प्रवेशोत्सव के साथ ही नया शिक्षण सत्र प्रारंभ हो जायेगा जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है और लालबर्रा विकासखण्ड के 42 शास. प्राथ./माध्य. स्कूल के मरम्मत कार्य हेतु चिन्हित किया गया है, जिसकी जानकारी शासन को भेज दी गई है। राशि स्वीकृत होने पर भवनों का मरम्मत एवं निर्माण करवाया जायेगा एवं चिचगांव शास. एकीकृत माध्य. स्कूल को नवीन भवन में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया का प्रकरण उच्चाधिकारियों के पास लंबित है, जिसका निराकरण होने के बाद स्थानांतरित किया जायेगा।

श्रीराम तुरकर
बीआरसी
जनपद शिक्षा केन्द्र लालबर्रा।

कांग्रेसियों ने राष्ट्रीय पर्यवेक्षक श्री हेंगडे एवं प्रदेश कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार से की मुलाकात

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा संपूर्ण देश में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है और यह संगठन सृजन अभियान कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के साथ ही आगामी समय में कांग्रेस संगठन में होने वाले चुनाव की समीक्षा के लिए पार्टी के द्वारा राष्ट्रीय पर्यवेक्षक व अन्य पदाधिकारी नियुक्त किये गये है। जिनके द्वारा संगठन को मजबूत करने, जिलाध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त करने के संबंध में विचार-विमर्श करने बालाघाट जिले का दौरा किया जा रहा है। जिसके लिए गत दिवसे राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेंगडे एवं प्रदेश कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार का लांजी आगमन हुआ था। इस अवसर पर लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर के नेतृत्व में लालबर्रा के कांग्रेसियों ने राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेंगडे एवं प्रदेश कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार से मुलाकात कर बालाघाट विधानसभा के राजनीतिक परिदृश्य, संगठन की मजबूती व कार्य प्रणाली से उन्हे अवगत करवाया और बालाघाट-लालबर्रा विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने के अपील की गई। जिससे संगठन को मजबूती प्राप्त हो सके। वहीं श्री हेंडगे, श्री सिंगारे ने ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालबर्रा एवं अन्य कांग्रेसियों को संगठित होकर पार्टी हित में काम करने की बात कही। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, खारी सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नखाते, साल्हे सा. सरपंच प्रतिनिधि जुगलकिशोर भैरम सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

मोहगांव (बोरी) में नाली की सफाई नही होने से गंदगी का अंबार, ग्रामीण परेशान

ग्रामीणजनों ने नियमित रूप से नाली की सफाई करवाने की पंचायत से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) के अंतर्गत आने वाले वार्डों में स्थित नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने से नाली चोक हो चुकी है। साथ ही गंदगी होने से निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर ग्रामीणजनों को सता रहा है। वहीं लंबे समय से ग्रामीणजनों के द्वारा पंचायत क्षेत्र की समस्त नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। जबकि बरसात का समय आने वाला है और नाली की सफाई नही होने से एवं बारिश होने पर रोड़ के ऊपर से पानी बहने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसलिए ग्रामीणजनों ने सरपंच-सचिव से नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग की है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्डों की नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही करवाई गई है जिसके कारण कुछ स्थानों से नाली चोक हो चुकी है। ऐसी स्थिति में निवासरत लोगों के घरों का पानी की निकासी नही होने एवं एक स्थान पर पानी जमा रहने से गंदगी हो रही है। जिसकी बदबु से लोग परेशान है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि पंचायत से नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी परेशान है इसलिए पंचायत से मांग है कि बरसात के पूर्व सभी वार्ड की नालियों की सफाई करवाये ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके।

आवारा मवेशी खेतों में पहुंचकर बुआई कर रहे धान बीज एवं तुअर को पहुंचा रहे नुकसान, किसान परेशान

किसानों ने सरपंच-सचिवों से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में लगने वाली धान की फसल को लेकर वर्तमान समय में खेतों में धान बीज की बुआई एवं पारों में तुअर बीज लगाने का कार्य कर रहे है। लेकिन अब शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवारा मवेशी खेतों में पहुंचकर धान बीज की जो बुआई कर रहे है उसे एवं पारों में लगा रहे तुअर के बीज को नुकसान पहुंचा रहे है, जिससे किसान खासा परेशान है। इसी तरह नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव में किसानों के द्वारा अपने खेतों में धान बीज बोने एवं तुअर लगाने का कार्य किया जा रहा। लेकिन आवारा मवेशी एवं कुछ ग्रामीण अपने मवेशी को खुला छोड़ दे रहे है जो खेतों में पहुंचकर जिस स्थान पर धान बीज बोये गये है एवं पारों में तुअर लगाये गये है उस स्थानों पर चलकर नुकसान पहुंचा रहे है। वहीं धान बीज के ऊपर से मवेशियों के आने-जाने से बीज दब जाते है। जिससे बीज में अंकुर नही निकल पाता है, ऐसी स्थिति में पराह लगाने के लिए खार सही तरीके से नही आने पर किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि किसानों के द्वारा बाजार से महंगे दामों में धान बीज खरीदकर बोने का कार्य कर रहे है लेकिन आवारा मवेशी उसे नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही धान बीज व खार में बीमारी लगने पर उसकी रोकथाम के लिए किसान कीटनाशक दवाई का छिड़काव भी करते है। ऐसी स्थिति में अगर मवेशी उसका सेवन कर लेते है तो उसकी मौत भी हो सकती है इसलिए किसानों ने ग्राम के सरपंच-सचिवों से गांवों में मुनादी कर खुला छोड़ने वाले मवेशी मालिकों को सूचित करें कि वे अपनी मवेशियों को बांधकर सुरक्षित रखे और खुला ने छोड़े एवं किसानों की फसल को नुकसान पहुंचाते है तो उन्हे पकड़कर गौशाला भेजने की कार्यवाही करें। साथ ही यह भी बताया कि आवारा मवेशी सड़कों में भी घुमते रहते है जिससे भी हर समय दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है एवं पूर्व में इन आवारा मवेशियों के धमाचौकड़ी के चलते हादसे भी घटित हो चुके है इसलिए प्रशासन से मांग है कि कंजई से लेकर गर्रा के बीच में गांव-गांव में जो आवारा मवेशी घुमते रहते है उन्हे पकड़कर गौशाला भेजे एवं मवेशी मालिक पर कार्यवाही करें।

बकोड़ा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में देवजी नेत्रालय जबलपुर के माध्यम से रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह नेत्र जांच शिविर बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर एवं नेत्र चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर ग्राम के 100 लोगों के आंखों की जांच की गई एवं 15 लोग मोतियाबिन्द आपरेशन के चिहिन्त हुए है जिनके आंखों के मोतियाबिन्द आपरेशन जबलपुर में किया जायेगा। साथ ही शिविर में उपस्थितजन जिन्हे आंख संबंधी समस्या थी उन्हे नेत्र चिकित्सकों के द्वारा उचित मार्गदर्शन देकर आवश्यक जानकारियां दी गई। इस अवसर पर ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सिंगोड़ी से उमरवाड़ा बकेरा मार्ग खस्ताहाल

मार्ग में आवागमन की समस्या से राहगीर आक्रोशित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगोड़ी से उमरवाड़ा बकेरा पहुंचने के लिए कच्चा मार्ग बना हुआ है। जो बुरी तरह खराब हो चुका है जहां से आवागमन करने में लोगों को कई समस्याएं हो रही है। जिसके लिए उनके द्वारा कम दूरी का मार्ग होने से मजबूरी में आवागमन किया जा रहा है। परंतु उक्त मार्ग को व्यवस्थित बनाने या पक्के मार्ग का निर्माण करने पर किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है जिसका कारण है कि मार्ग में दुर्घटना होने की संभावना भी बनी हुई है। ऐसे में राहगीरों के द्वारा यह करीब पांच किलोमीटर के मार्ग पर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा उक्त स्थान पर पक्के मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही है।

इस मार्ग को बनाने जनप्रतिनिधि नही दे रहे ध्यान

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंगोड़ी से लालपुर मार्ग के मध्य से एक कच्चा मार्ग निकलता है जो आगे उमरवाड़ा और बकेरा के लिए बना हुआ है। जिसके माध्यम से रोजाना बकेरा होते बुदबूदा ,कोचेवाही तक के लोग एवं उमरवाड़ा से लोग रामपायली या खैरलांजी के लिए आना जाना करते हैं। इस दौरान यह कच्चे मार्ग की दूरी करीब ५ किलोमीटर से अधिक है जहां पर दोनों तरफ गहराई में खेत स्थित है। तो वहीं मार्ग पर गिट्टी के छोटे.बड़े पत्थर बाहर आ गए हैं बड़े.बड़े गड्ढे भी विभिन्न स्थानों पर हो गए हैं। बड़े वाहन आने जाने पर धूल के गुब्बारे उड़ते रहते हैं जहां से आवागमन करने में लोगों को परेशानी बनी हुई है। परंतु समीप का मार्ग होने के कारण अत्यधिक लोगों के द्वारा मार्ग का उपयोग किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति इस मार्ग से रामपायली जाता है तो उसे वारासिवनी होते हुए दुगनी दूरी तय करना पड़ता है इस प्रकार यह कम दूरी का मार्ग लोगों के आवागमन का साधन बना हुआ है। वहीं इस मार्ग पर लोगों की खेती भी स्थित है जहां बारिश के दौरान आना जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। उस समय ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी इस मार्ग का उपयोग बंद कर देते हैं क्योंकि कीचड़ बहुत ज्यादा रहता है वाहन फंसने लगते हैं। ऐसे में ग्रामीणों सहित राहगीरों के द्वारा उक्त समस्या का समाधान कर पक्के मार्ग का निर्माण करने की मांग की जा रही है।

मार्ग पर बड़े.बड़े पत्थर भी बाहर आ गए है जिससे आये दिन दुर्घटना हो रही है-अविलेश जामुरकर

राहगीर अविलेश जामुरकर ने बताया कि मैं ग्राम पंचायत उमरवाड़ा का रहने वाला हूं यह कच्चे मार्ग से प्रतिदिन आना जाना करता हूं। यह उमरवाड़ा और बकेरा मार्ग है जो समीप का मार्ग है। इसका निर्माण रामपायली जाने के लिए पंचायत के द्वारा बहुत पहले किया गया होगा। इस पर सिंगोड़ी के तरफ बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं बड़े.बड़े पत्थर भी बाहर आ गए हैं उमरवाड़ा की तरफ यह समस्या कम है परंतु गड्ढे उधर भी है। अभी तक इसका कभी कोई निर्माण नहीं किया गया है जबकि यहां सीसी सड़क बनना चाहिए। बरसात के समय बहुत समस्या हो जाती है मुश्किल से आना जाना होता है लालपुर होते हुए आना होता है जिसमें २ किलोमीटर का फेर पड़ता है।

कच्चा मार्ग होने से राहगीरो और किसानों को बहुत समस्या होती है-बुधराम मोहेश्वर

राहगीर बुधराम मोहेश्वर ने बताया कि मैं कोचेवाही रहता हूं यह बकेरा रोड़ है यहीं से हम लोग आना.जाना करते हैं अभी घोटी गया था जहां से वापस अपने गांव जा रहा हूं। इस मार्ग पर भयंकर गड्ढे हो गए हैं गिट्टी के पत्थर बाहर आ गए हैं धूल के गुब्बारे उड़ते हैं पूरे रास्ते पर मुसीबत बनी हुई है बरसात में इसकी भयंकर स्थिति हो जाती है। बकेरा से सिंगोड़ी तक करीब ५ किलोमीटर का कच्चा मार्ग है कोचेवाही से रामपायली इस मार्ग के रास्ते १८ किलोमीटर पड़ता है दूसरे मार्ग से जाओ तो ३० किलोमीटर पड़ता है। ऐसे में दूरी और समय बचाने के लिए हम यहीं से आना जाना करते हैं इस रोड़ को बनाना चाहिए।

इस मार्ग से बारिश में चलना दुभर हो जाता है बहुत पेरशानी है-शिवराम टेंभरे

ग्रामीण शिवराम टेंभरे ने बताया कि मैं सिंगोड़ी का रहने वाला हूं इधर हमारी खेती किसानी है जिस कारण से आना जाना करते हैं। सिंगोड़ी के करीब २० से अधिक किसानों का खेत यहीं पर स्थित है पूरा रोड़ खराब हो गया है परंतु क्या करें खेतों में आना जाना जरूरी है। छोटे बड़े वाहनों को बहुत ज्यादा दिक्कत होती है दुर्घटनाएं होती है मोटरसाइकिल स्लिप हो जाते हैं लोग चोटिल भी होते हैं। अभी सुखा समय है तो ठीक है बरसात में तो गाड़ियां यहां से जा नहीं पाती है कीचड़ बहुत ज्यादा रहता है फंस जाती है। ३ वर्ष से अधिक का समय हो गया यह स्थिति यहां पर बनी हुई है परंतु अभी तक रोड़ का कोई निर्माण नहीं हुआ हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का हवन-पूजन के साथ हुआ समापन

आठ दिवसीय कथा में विभिन्न अनुष्ठान हुए आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १३ कतिया मोहल्ला में शिव शक्ति महिला मंडल के तत्वाधान में १५ जून को संगीतमय श्रीमद् भागवत पुराण कथा का समापन किया गया है। इस आठ दिवसीय कथा के अंतिम दिवस सुबह से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करने के उपरांत हवन पूजन कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। विदित हो की यह श्रीमद् भागवत कथा का प्रारंभ ८ जून को भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर किया गया था। जिसमें सुबह ९ बजे आयोजन स्थल से कलश शोभायात्रा निकल गई जो नगर के विभिन्न गलियों का भ्रमण कर वापस कार्यक्रम स्थल पहुंची। जिसके बाद चौकी पूजन कर शाम ४ बजे से ७ बजे तक रीवा मध्य प्रदेश से पधारे शास्त्री श्रीकांत तिवारी महाराज के द्वारा संगीतमय कथा का वाचन किया गया। इसके बाद प्रतिदिन शाम ७ बजे से देर रात तक प्रवचन के माध्यम से कथा का वाचन व्यास आसन से किया जाता रहा। जहां बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने उपस्थिति दर्ज करा कर कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित करते रहे। जहां पर १४ जून को अंतिम दिवस कथा का वाचन कर कथा विश्राम की गई वहीं दोपहर में महारुद्र अभिषेक किया गया। तत्पश्चात १५ जून को विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद हवन पूजा एवं महाप्रसादी का वितरण किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष हमारे द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाता हैं। इसका उद्देश्य सुख शांति समृद्धि की कामना एवं धर्म में वातावरण निर्माण करना है। साथ ही हमारी आने वाली पीढ़ी को धर्म से जोड़ने के लिए यह अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। छोटे स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित होता है परंतु बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल होते है। इस वर्ष भी ८ से १५ जून तक श्रीमद् भागवत कथा आयोजित की गई थी। जिसका समापन हवन पूजन और महाप्रसादी वितरण के साथ किया गया है। इस दौरान भगवान से यही कामना की गई है कि वह सभी के घरों में सुख शांति समृद्धि बनाए रखें। इस अवसर पर शिव शक्ति महिला मंडल एवं नगर सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के द्वारा उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया गया।

कर्नाटक विधायक सूरज हेडगे ने बैठक कर कार्यकर्ताओ सें की रायसुमारी

हर एक कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना है आने वाले समय में केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी -सूरज हेडगे

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत कांग्रेस केंद्रीय पर्यवेक्षक व कर्नाटक विधायक सूरज हेडगे रविवार को कांग्रेस जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस के पदाधिकारीयों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उनकी समस्या जानी। वहीं विधायक सूरज हेडगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया की भीतरघात करने वाले को ब्लॉक और जिला स्तर पर चिन्हित कर बाहर का रास्ता दिखाने का निर्णय लिया गया है। राहुल गांधी की सोच है की जो कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए काम करता है उसको सम्मान मिलना चाहिए। राहुल गांधी के मार्गदर्शन में शुरू होने वाला यह संगठन सृजन अभियान कांग्रेस को जमीन स्तर पर और सशक्त करेगा। यह युवाओं ,किसानों ,श्रमिकों और समाज के वंचित वर्गों को कांग्रेस के साथ जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। संविधान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक प्रदेश कार्यकारिणी राजनीतिक मामलों की समिति और जिला अध्यक्ष के साथ व्यापक विचार विमर्श किया जाएगा। इसका उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और स्पष्ट रणनीति तैयार करना हैं । लखन घघोरिया ने कहा की यह आयोजन केवल एक बैठक नही बल्कि कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना है। केंद्रीय पर्यवेक्षक व कर्नाटक विधायक सूरज हेडगे ने कहा की अगर भाजपा केंद्र में ४०० पार आ जाती तो सविधान को बदल सकती थी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हर एक चुनाव को बंद करके रखा हैं उनको सिर्फ सरकार बनाना है। चाहे कैसे भी बने किसी भी प्रकार सें बने बस सरकार बनाना है,राहुल गाँधी जो बोलते है वही करते है। भाजपा तोड़ती हैं और कांग्रेस पार्टी जोड़ती है सबसे ज्यादा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वारासिवनी में है आज उन्ही के कारण हम आजादी सें घूम रहें है। नही तो आज भी हम अंग्रेजो के गुलाम बने रहते जिसने कभी आजादी की लड़ाई में भाग नही लिया वो हमें सीखा रहें हैं की देश भक्ति क्या होती है। हम सबको जागरूक होना चाहिए हमारे बुजुर्ग ने आजादी की लड़ाई लड़ी अगर हम अब चुप रहेंगे तो हमारी पीढ़ी हमें दोष देंगी । कांग्रेस के हर एक कार्यकर्ताओ को एकजुट रखना हैं आने वाले समय पर केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। जो कहते थे हम सेवा करने आयेंगे वो आज पैसे के दम पर राज कर रहें है। वहीं विधायक विवेक पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस द्वारा संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। जिससे कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी वारासिवनी का हर कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी के साथ है। हमारे क्षेत्र का हर एक संगठन मजबूत है कांग्रेस के विचारधारा सें प्रभावित होकर दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का हाथ थामा है। उन्हें भी पता हैं सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही देश को ऊंचाइयो तक पहुंचा सकता है। इन्होने भाजपा को छोड़कर थामा कांग्रेस का हाथ जिसमें प्रणय पन्ना धार्मिक, बब्लू डोंगरे,आयुष राहंगडाले ,सिद्धार्थ मेश्राम,आयुष भारद्वाज,सिद्धार्थ पाटिल,आयुष देवारे,श्रीमती जिया आलोक बिसेन,दिव्या जामुनपाने शामिल हुये है। इस दौरान विधायक संजय उइके,विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, ब्लाक अध्यक्ष भोजेश्वर पटले,गोकुल प्रसाद गौतम,जीतू राजपूत, जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे,पूर्व जनपद अध्यक्ष फेकनलाल डोहरे, पूर्व नपाध्यक्ष अनीश बेग, धवल माडल,जिला महामंत्री सुदेश गुड्डु सोनी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल पिपरेवार, युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष विवेक जुझार,जेसराज पारधी, रामकिशोर बिसेन, राजा अली, जावेद अली, तेजराम नगपुरे,गगन बिसेन,राहुल अरोरा, नरेंद्र राहंगडाले,छोटू ठाकरे,राजकुमार चौधरी,शैलेन्द्र पटेल,विजय बिसेन,हरि क्षिरसागर, चिंटू जैन, सोमू शुक्ला, आंनद बिसेन, सुभाष क्षिरसागर, पवन चिखले, प्रमेन्द्र हेडाऊ सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने बिना नंबर प्लेट के ११ वाहनों पर की कार्यवाही

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पुलिस थाना वारासिवनी के पुलिस बल के द्वारा नगर में भ्रमण कर बिना नंबर प्लेट के ११ वाहनों को थाने में खड़े करवारकर सभी में चालानी कार्यवाही कर नंबर प्लेट लगवाई गई। इस कार्यवाही में पुलिस के द्वारा ५५०० रूपये का चालान वसूल किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बढ़ते अपराध और अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए वारासिवनी पुलिस के द्वारा नगर भ्रमण कर बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें दूसरी बार नगर के नेहरू चौक ,आंबेडकर चौक, गोलीबारी चौक, बस स्टैंड सहित विभिन्न मार्गों पर भ्रमण कर रास्ते में खड़ी बिना नंबर प्लेट के दो पहिया वाहन से पूछताछ कर उन्हें वारासिवनी थाने में खड़े करवाया गया। इस दौरान पुलिस के द्वारा ११ दो पहिया वाहन बिना नंबर प्लेट के थाने में ले गए थे । जिसमें सभी मोटरसाइकिल मालिकों को उनके नंबर प्लेट बनाकर लाने के लिए निर्देशित किया गया। जिसके बाद थाने में उनके दस्तावेज चेक कर गाड़ी में नंबर प्लेट लगवा कर प्रत्येक मोटरसाइकिल पर ५०० रूपये की चालानी कार्यवाही की गई । इस प्रकार ११ वाहनों से ५५०० रूपये का चालान लिया गया। थाना प्रभारी हेमंत नायक ने बताया कि बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना ठीक नहीं है यह एक अपराध है और जब भी कोई अपराध घटित होता है तो उसमें बिना नंबर प्लेट के वाहनों का उपयोग किया जाता है। जिससे चोरों की पहचान नहीं हो पाती है तो वहीं नगर के विभिन्न क्षेत्रों में देर रात तक लोगों के द्वारा बिना नंबर प्लेट के दो पहिया वाहनों का उपयोग किया जाता है। जिससे अपराध की संभावना बनी रहती है इसी को लेकर यह कार्यवाही की जा रही है और निरंतर यह कार्यवाही जारी रहेगी। लोगों से अपील है कि वह अपने वाहनों में नंबर प्लेट लगाकर रखें और यातायात नियमों का शक्ति से पालन करें।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन वारासिवनी के द्वारा विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंप कर मध्य प्रदेश ,छत्तीसगढ़ पुर्नगठन अधिनियम २००० की धारा ४९ परिशिष्ट ६ को समाप्त करने की मांग की हैं। ज्ञापन में उल्लेखित है कि मध्यप्रदेश ,छत्तीसगढ़ पुर्नगठन अधिनियम १ नवंबर २००० से प्रभावशील हुआ है। इस अधिनियम की धारा ४० परिशिष्ट के अनुसार १ नवंबर २००० को या उसके पश्चात सेवा निवृत शासकीय सेवको के दायित्वो का विभाजन एकीकृत मध्यप्रदेश की जनसंख्या अनुपात छत्तीसगढ़ २६, मध्यप्रदेश ७४ के आधार पर किया जाना प्रावधानित है। इस विभाजन को हथियार बनाकर वित्त विभाग के अधिकारियों ने बिना किसी नियम या निर्देश के मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के पेन्शनर्स को केन्द्रीय दर पर महंगाई राहत नहीं देकर दोनो राज्यों की सहमति को आधार बना लिया है। इस आपसी सहमति के चक्कर में दोनों राज्यों के पेन्शनर्स को केन्द्रीय तिथि से महंगाई राहत नहीं मिल रही है। और दोनो ही राज्य के पेन्शनर्स विगत २० वर्षों से आर्थिक हानि के साथ मंहगाई की मार झेल रहे है। ज्ञापन और प्रदर्शन से समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। हमारी मांग है की मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ पुर्नगठन अधिनियम २००० की धारा ४९ परीशिष्ट ६ को समाप्त या विलोपित करने के लिए दोनों राज्यों के पेन्शनर्स के हित में प्रभावी कार्यवाही की जायें। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष एस एल डोहरे ,डी सी डहरवाल ,युवराज डहाटे ,बजीराव डहाके ,ए के शुक्ला सहित अन्य पेंशनर मौजूद रहे।

विदेश में हिंदी सिखाने और सीखने की व्यावहारिक समस्याएं और संभावित समाधान

हिंदी भाषा केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। वर्तमान में हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। लगभग 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिनमें से करोड़ों प्रवासी और विदेशी नागरिक हैं। अमेरिका, इंग्लैंड, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में हिंदी भाषी समुदायों की मौजूदगी के कारण वहाँ हिंदी के सिखने और सिखाने की मांग तेजी से बढ़ी है। फिर भी, हिंदी को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाषा के रूप में स्थायित्व प्रदान करने के लिए केवल उसकी सांख्यिकीय उपस्थिति पर्याप्त नहीं है। ज़रूरत है सुव्यवस्थित, तकनीक-सक्षम, रोजगार-उन्मुख और सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित शिक्षण व्यवस्था की। इस लेख में हम विस्तार से उन व्यावहारिक समस्याओं का अध्ययन करेंगे जो विदेशों में हिंदी सिखाने और सीखने के मार्ग में बाधा बनती हैं और साथ ही संभावित समाधानों की चर्चा भी करेंगे। विदेशों में हिंदी सिखाने की सबसे बड़ी समस्या प्रशिक्षित और प्रमाणित हिंदी शिक्षकों की कमी है। बहुत से देशों में हिंदी शिक्षा प्रवासी समुदाय के स्वयंसेवी प्रयासों पर निर्भर होती है, जहाँ शिक्षक शुद्धतापूर्वक पढ़ाने के लिए न तो पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त कर पाते हैं और न ही उन्हें संस्थागत सहयोग मिलता है। कई बार स्थानीय विश्वविद्यालयों में हिंदी को पढ़ाने के लिए केवल भाषा जानना ही योग्यता मान ली जाती है, जबकि भाषा शिक्षण एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके लिए विषय विशेषज्ञता, भाषाशास्त्र की समझ, और पद्धतिगत प्रशिक्षण आवश्यक होता है। इस स्थिति का समाधान तभी संभव है जब भारत सरकार या विश्व हिंदी सचिवालय जैसे संस्थान वैश्विक स्तर पर हिंदी शिक्षकों के लिए प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करें। यह Global Hindi Teacher Certification Programme न केवल शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्रदान करेगा। साथ ही, विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों को भी यह उत्तरदायित्व दिया जाना चाहिए कि वे स्थानीय स्तर पर ऐसे शिक्षकों की पहचान कर उन्हें समय-समय पर आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं। हिंदी सीखने वाले विदेशी छात्रों की भाषा पृष्ठभूमि, संस्कृति, और उद्देश्य भारत के छात्रों से भिन्न होते हैं। लेकिन वर्तमान में जो पाठ्यपुस्तकें और पाठ्यक्रम उपयोग में लाए जा रहे हैं, वे अधिकतर भारतीय छात्रों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। इससे विदेशी विद्यार्थियों के लिए न तो भाषा सीखना सुगम होता है, न ही उनकी रुचि लंबे समय तक बनी रह पाती है। उदाहरण के लिए, भारतीय व्याकरण की गहन संरचनात्मक पढ़ाई शुरुआती विदेशी छात्रों के लिए बोझिल हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई देशों में आधुनिक शिक्षण उपकरणों जैसे इंटरैक्टिव सामग्री, ऑडियो-विजुअल सहायता, ऑनलाइन अभ्यास, आदि की भी भारी कमी है। परिणामस्वरूप शिक्षण पारंपरिक ढाँचे में सीमित रह जाता है जो आज के युवाओं के लिए आकर्षक नहीं है। इस समस्या के समाधान के लिए एक बहुस्तरीय और लचीला पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए जो विभिन्न स्तरों (शुरुआती, मध्यवर्ती, उन्नत) और उद्देश्य (सांस्कृतिक, रोजगारपरक, शैक्षणिक) के अनुसार अनुकूलित हो। इस कार्य में भारतीय भाषाविज्ञान संस्थानों, तकनीकी विशेषज्ञों और विदेशी भाषा विश्वविद्यालयों की साझेदारी होनी चाहिए।

बूढ़े बुजुर्गों, माता-पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नहीं - जीवन का सुख इनके श्रीचरणों में

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसी अदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानवजन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है!! परंतु जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है। इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन-प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा, धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है।

साथियों बात अगर हम वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरीआस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।

कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है!!!

साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की!!! वाह क्या बात है!!! आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में

झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर, गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी जरूर देखने को मिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था में आशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा!!! जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों के अन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा।

साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, अत: उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते-फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुजुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें, उनका हाल-चाल पूछें।

जिस व्यक्ति के सिर पर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता-पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए इस आशीष की कोई समानता नहीं है।

बड़ी विडंबना का समय है पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण आज के युवा माँ-बाप को नमन-वन्दन करने में लजाते हैं,जब कि कोई बच्चा व युवा जब अपने माता-पिता, दादा-दादी अथवा सद्गुरु के चरणों में शीष झुकाता है, तो उनके दिल में आनन्द की हिलोर उठने लगती है और तेजरूपी प्रकाश की किरणें विनम्र होते ही चरणों में झुके सुपुत्र, सदशिष्य के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं। जिसके प्रतिफलस्वरूप उस युवा को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है। ये चारों अनमोल उपहार किसी अन्य कीमत एवं किसी अन्य स्थान से प्राप्त नहीं हो सकते। इनका केन्द्र तो माता-पिता, वृद्धजन एवं गुरुजन ही हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बुजुर्गों की सेवा का फल बहुत मीठा हैं, जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फ़िरा दें समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एक साथ मिला!!! बड़े बुजुर्गों माता पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नहीं जीवन का सुख इनके श्री चरणों में है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

मौन की मुस्कान-चुप्पियों के शब्दों में गूंजती स्त्री की आत्मा

मौन की मुस्कान- चुप्पियों के शब्दों में गूंजती स्त्री की आत्मा

मौन की मुस्कान केवल कविताओं का संग्रह नहीं, एक स्त्री की आत्मा से निकली आवाज़ है। प्रियंका सौरभ की रचनाएँ जीवन, प्रेम, संघर्ष, और सामाजिक अन्याय को गहरे संवेदनात्मक और वैचारिक धरातल पर उठाती हैं। हर कविता मौन को भाषा और चुप्पी को प्रतिरोध में बदलती है। चाहे वह सरकारी स्कूलों की आवाज़ हो या शहीद की राखी, हर पंक्ति आत्मा को छूती है। यह संग्रह उन सभी के लिए है जो शब्दों के पार जीवन को पढ़ना जानते हैं। एक अनिवार्य संग्रह — आज की हिंदी कविता की ज़रूरत।

मौन की मुस्कान कोई साधारण कविता-संग्रह नहीं है। यह एक स्त्री की उन असंख्य चुप्पियों का दस्तावेज़ है, जिनसे न तो इतिहास वाकिफ़ है और न ही वर्तमान अक्सर जानना चाहता है। प्रियंका सौरभ की कविताएँ जीवन की उन परतों को खोलती हैं, जहाँ शब्द नहीं, संवेदनाएँ बोलती हैं; और जब वे बोलती हैं, तो पूरा समाज सुनाई देता है।

सन्नाटे की साँझ में कविता में प्रियंका लिखती हैं-

प्रेम कोई नाटकीय प्रदर्शन नहीं,
वह दो स्वभावों की ऐसी सांगीतिक रचना है
जहाँ एक मौन रहता है
तो दूसरा गाता है।

यह पंक्ति नारी के मौन और उसके आत्मीय संवाद की गहराई को छू जाती है। कवयित्री ने मौन और संवाद को रिश्तों की नींव के रूप में प्रस्तुत किया है — नारी का मौन कोई कमजोरी नहीं, बल्कि गहराई है।

इसी तरह, सत्य का गीत चाहिए में वे सत्ता, विवेक और नैतिक अकेलेपन की बात करती हैं-

जिसके पक्ष में
न नारे हों, न नगाड़े,
उसी की आवाज़
कभी न कभी
संविधान बनती है।

यह कविता किसी आंदोलन की घोषणा है, जो भीड़ से नहीं, अकेले खड़े एक सत्यनिष्ठ से शुरू होती है। यह संग्रह केवल भावुक नहीं बनाता, बल्कि न्याय, संघर्ष और आत्मगौरव की चेतना भी जाग्रत करता है।

सैनिक जब शहीद होता है जैसी रचना पढ़ते हुए आँखें नम हो जाती हैं-

शहीद होती है बहन की राखी,
जो अब सिर्फ़ तस्वीरों में
कलाई तलाशती है।

प्रियंका की भाषा में कोई बनावटी क्रांति नहीं है — यह सामान्य स्त्रियों के असामान्य जीवन का अनकहा इतिहास है।

उम्मीदों के चाँद तारे, जब नकाब उतरते हैं, और मत समझो तुम... जैसी कविताएँ आत्मनिरीक्षण और आत्मगौरव की नई परिभाषाएँ गढ़ती हैं।

आईएसआई का चेहरा हैं यूनुस

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के क्रिया-कलापों से अब स्पष्ट हो गया है कि वे पाकिस्तान और आईएसआई का चेहरा हैं। बांग्लादेश अब, उस राह पर चल रहा है, जिस राह पर कट्टरपंथी और आईएसआई चलाना चाहती थी, इसीलिये 1949 में गठित हुई, उस आवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिसने 1971 में मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था और मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लाभाषियों की हत्या एवं महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वाली जमात-ए-इस्लामी से प्रतिबंध हटा दिया गया है, साथ ही फांसी की सजा पा चुके एटीएम अजहरुल इस्लाम को दोष मुक्त कर दिया गया है एवं मोहम्मद यूनुस चीन की गोद में बैठने को उतावले दिखाई दे रहे हैं। उदारवादी बांग्लादेश को कट्टरपंथी देश बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस का चेहरा बेनकाब हो गया है, वे अलोकप्रिय होते जा रहे हैं, इसलिये वे जहां भी जाते हैं, वहां उनके विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किये जाते हैं, इस स्टोरी में बांग्लादेश में चल रही गतिविधियों पर ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

ब्रिटेन में हुआ यूनुस का जोरदार विरोध

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को ब्रिटेन के लंदन में प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सामना करना पड़ा। सैकड़ों ब्रिटिश बांग्लादेशी मोहम्मद यूनुस के होटल के बाहर जमा हो गये और युनुस गो बैक के नारे लगाने लगे। अवामी लीग की यूके शाखा और अन्य संबंधित संगठनों से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने मोहम्मद यूनुस के प्रशासन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन, लिंचिंग, हत्याओं और बांग्लादेश में कानून व्यवस्था बर्बाद करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिन पर लिखा था कि यूनुस भीड़तंत्र के निर्माता, जिहादियों को मुक्त करने और देशभक्तों को जेल में डालने वाले हैं, उनके इस्तीफे की मांग भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस के खिलाफ नारे लगाये और उनके पुतले को जूतों की माला पहनाई। मोहम्मद यूनुस और उनके प्रेस सचिव शफीकुल आलम की तस्वीरें कूड़ेदान में डाल दी गईं। अवामी लीग समर्थकों ने सड़कों पर बैनर और पोस्टर लेकर शेख हसीना के समर्थन में नारे लगाये। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा है, उन्हें प्रदर्शनकारियों से बचने के लिये पिछले दरवाजे से होटल से बाहर निकलना पड़ा लेकिन, प्रवासी बांग्लादेशियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया और पीछा करने की कोशिश की, वह ब्रिटिश पुलिस सुरक्षा से घिरे होने के कारण किसी तरह बच पाये, इसके पहले जापान दौरे के दौरान मोहम्मद यूनुस को इसी तरह के विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। यूनुस की लोकप्रियता बांग्लादेश में भी लगातार कम होती दिख रही है। अंतरिम सरकार और बांग्लादेश की सेना के अंदर तनाव बढ़ गया है, कई लोगों ने पिछले साल शेख हसीना को हटाये जाने के बाद देश को बेहतर बनाने के लिये पर्याप्त प्रयास न करने के लिये यूनुस को दोषी ठहराया है।

शेख हसीना के बोलने पर भी है यूनुस को आपत्ति

मोहम्मद यूनुस ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत की धरती से राजनीतिक बयान देने पर रोक लगाने की उनकी मांग को अनसुना कर दिया। युनुस ने कहा कि जब अप्रैल में बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक हुई थी तो, उन्होंने भारतीय धरती से शेख हसीना को राजनीतिक बयान देने से रोकने के लिये पीएम मोदी से अपील की थी। लंदन के चैटम हाउस में बातचीत के दौरान यूनुस ने कहा कि भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण के प्रयास जारी रहेंगे, उन्होंने कहा कि भारत से हम बहुत अच्छा रिश्ता रखना चाहते हैं, वह हमारा पड़ोसी है, हम उनके साथ कोई समस्या नहीं चाहते हैं लेकिन, भारतीय प्रेस के फेक न्यूज के कारण हर समय कुछ न कुछ दिक्कतें हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि यह बांग्लादेश को आशंकित करता है और गुस्सा दिलाता है, हम इस पर बहुत काबू पाने की कोशिश करते हैं लेकिन, साइबर स्पेस में बहुत सी चीजें घटित होती रहती हैं और हम उससे अलग नहीं रह सकते हैं। मोहम्मद युनूस ने कहा कि हम शांत रहने की कोशिश करते हैं, अचानक कुछ घटित होता है और फिर गुस्सा लौट आता है, इस समय हमारे लिये शांति स्थापित करना ही बड़ा काम है।

यूसुस ने की 2026 में चुनाव कराने की घोषणा

बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को घोषणा करते हुये कि अगला राष्ट्रीय चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में आयोजित किया जायेगा। ईद-उल-अजहा की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जल्द ही चुनाव की विस्तृत रूपरेखा पेश करेगा। यूनुस ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरिम सरकार तीन मुख्य उद्देश्यों सुधार, न्याय और चुनाव के आधार पर सत्ता में आई है। यूनुस ने कहा कि सरकार ने स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और स्वीकार्य चुनाव आयोजित करने के लिये सभी दलों के साथ चर्चा की है, इसके अलावा न्याय, सुधार और चुनाव से संबंधित चल रही सुधार गतिविधियों की समीक्षा के बाद मैं आज देशवासियों को घोषणा कर रहा हूं कि अगले राष्ट्रीय चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में होंगे। यूनुस ने कहा कि हमारा लक्ष्य भविष्य में संभावित संकट को रोकना है, इसके लिये संस्थागत सुधार की जरूरत है। चुनाव प्रक्रिया से सीधे जुड़े संस्थानों में सुशासन सुनिश्चित किये बिना, छात्रों और नागरिकों की ओर से दिये गये सभी बलिदान बेकार हो जायेंगे, उन्होंने दोहराया कि मौजूदा प्रशासन का गठन तीन चीजों के लिये किया गया है, जिनमें सुधार, न्याय और चुनाव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिये हर जरूरी उपाय कर रहे हैं कि देश इस अवधि के दौरान स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनाव कराने के लिये तैयार हो। चुनावों में बार-बार हेर-फेर के द्वारा एक राजनीतिक दल फासीवादी शासन में बदल गया। जिन लोगों ने उन दिखावटी चुनावों का आयोजन किया, उन्हें लोगों ने अपराधी करार दिया। उनसे जो शासन उभरे, उन्हें आखिरकार जनता ने अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय को लेकर जनता और राजनीतिक दलों में काफी उत्सुकता है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, चुनाव दिसंबर से जून के बीच होंगे। सरकार इस समय सीमा में विश्वसनीय तरीके से चुनाव कराने के लिये अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने के वास्ते लगातार काम कर रही है। यूनुस ने कहा कि हमारा मानना है कि आगामी ईद-उल-फितर तक हम न्याय और सुधारों के संबंध में व्यापक रूप से स्वीकार्य स्थिति पर पहुंच जायेंगे, खास तौर पर मानवता के खिलाफ अपराध के लिये जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराकर, जो जुलाई के विद्रोह के शहीदों के प्रति हमारा सामूहिक कर्तव्य है।

दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग उठी

खालिदा जिया की पार्टी और उसकी विचारधारा वाले अन्य दल मांग कर रहे हैं कि चुनाव दिसंबर तक कराये जायें। खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 28 मई को यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर दबाव बढ़ाते हुये दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग को लेकर ढाका में एक विशाल रैली निकाली थी। जुलाई में विद्रोह करने वाले नेताओं से बनी नई राजनीतिक पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी सुधारों के पूरा होने के बाद चुनाव कराने पर जोर दे रही है। जमात-ए-इस्लामी का भी शुरू में एनसीपी जैसा ही रुख था। पार्टी ने तब कहा था कि चुनाव रमजान से पहले फरवरी में हो सकते हैं। पिछले हफ्ते जमात के शीर्ष नेताओं ने कहा था कि चुनाव दिसंबर से अप्रैल के बीच हो सकते हैं। सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमान ने 21 मई को कहा था कि राष्ट्रीय चुनाव इस साल दिसंबर तक हो जाने चाहिये।

स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा बदली

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान को दिये गये राष्ट्रपिता के दर्जे को खत्म कर दिया है। स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े कानून में संशोधन कर दिया गया है। कुछ दिन पहले ही मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख मुजीब-उर-रहमान की तस्वीर को नये नोटों से हटाया है। अब अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन किया है, जिसमें स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा को बदल दिया गया है। बांग्लादेश के कानून, न्याय और संसदीय कार्य मंत्रालय ने संशोधन से जुड़ा अध्यादेश मंगलवार की रात को जारी किया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कानून में राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान शब्द को भी संशोधित किया गया है। कानून में जहां-जहां बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान का नाम पहले लिखा हुआ था, उन हिस्सों को भी पूरी तरह से मिटा दिया गया है। सरकार की ओर से जारी किये गये नये अध्यादेश में मुक्ति युद्ध की परिभाषा में भी थोड़े लेकिन, महत्वपूर्ण बदलाव किये गये हैं। नई परिभाषा में बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान का नाम पूरी तरह हटा दिया गया है। संशोधित कानून के अनुसार मुजीबनगर सरकार यानी, युद्धकालीन निर्वासित सरकार से जुड़े सभी संसद सदस्य और विधायक, जिन्हें पहले संविधान सभा का सदस्य माना जाता था, अब स्वतंत्रता सेनानी नहीं कहलाये जायेंगे, अब उन्हें एक नई श्रेणी स्वतंत्रता संग्राम के सहयोगी में रखा गया है।

जेईआई को मिली मान्यता

बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले दिनों चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह देश में प्रतिबंधित किये गये राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) को दोबारा मान्यता दे। सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला जमात-ए-इस्लामी की 10 साल से अधिक समय से चली आ रही न्यायिक लड़ाई के बाद आया है। अब जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल की तरह चुनाव लड़ सकेगी। 1971 के बांग्लादेश स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जिस जमात-ए-इस्लामी ने पाकिस्तान का समर्थन करते हुये अलग देश की मांग को नकार दिया था, उसकी शेख हसीना के शासन काल में सक्रिय राजनीति में वापसी काफी मुश्किल मानी जा रही थी, इसीलिये अगस्त 2024 में शेख हसीना के पीएम पद से अपदस्थ होने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद से ही जेईआई की सक्रियता बढ़ गई थी।

बांग्ला भाषियों की दुश्मन है जेईआई

जमात-ए-इस्लामी का इस्लामिक मूल्यों पर संगठित भारत बनाने का सपना था, जो ब्रिटिश साम्राज्य ने दो हिस्सों में देश को बाँट कर तोड़ दिया था, इसके बाद जमात-ए-इस्लामी ने अपने दायरे को भारत से बाहर बढ़ाते हुये पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) तक फैलाया। चूंकि पाकिस्तान का गठन धार्मिक आधार पर हुआ था, इसलिये जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश में आसानी से पैर फैला लिये। पूर्वी पाकिस्तान में जब बांग्ला संस्कृति और भाषा को लेकर पश्चिमी पाकिस्तान से मतभेद शुरू हुआ तो, हजारों की संख्या में लोगों ने प्रदर्शन शुरू किये, इस दौरान पश्चिमी पाकिस्तान के सैन्य शासन ने बांग्लादेश में जबरदस्त जुल्म किये। हालांकि, शेख मुजीब-उर-रहमान के नेतृत्व में पूर्वी पाकिस्तान ने भारत की मदद से पश्चिमी पाकिस्तान से आजादी की जंग शुरू कर दी। जमात-ए-इस्लामी ने इस जंग के दौरान पश्चिमी पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठाने वाले बांग्ला लोगों पर जुल्म में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया। पश्चिमी पाकिस्तान ने इस दौरान जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के साथ एक शांति वाहिनी का गठन किया, जो कि अलग बांग्लादेश की मांग करने वालों को कुचलने के लिये बनाई गई थी, इस दौरान हजारों लोगों की हत्या की गई, सैकड़ों महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया। पाकिस्तानी सेना और जेईआई कार्यकर्ताओं ने जिनकी जान ली, उनमें बच्चे, विद्वान, डॉक्टर, वैज्ञानिक आदि शामिल थे। हजारों महिलाओं को सैन्य कैंपों में बंधक बनाकर रखा गया, उन्हें पाकिस्तानी सेना के सामने मनोरंजन के लिये पेश किया गया। 1971 की जंग के बाद बांग्लादेश आजाद हुआ तो, जमात-ए-इस्लामी के कई कार्यकर्ता जान बचाने के लिये पश्चिमी पाकिस्तान भाग गये थे, कुछ एक बांग्लादेश में ही छिपे रहे, इस दौरान बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री शेख मुजीब ने धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रवाद, समाजवाद और लोकतंत्र को संविधान के चार सिद्धांतों के तौर पर स्थापित किया, साथ ही ऐसे राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया, जो कि धार्मिक आधार पर बने थे, इसीलिये जमात-ए-इस्लामी प्रतिबंधित कर दी गई थी। हालांकि 1975 में शेख मुजीब की हत्या और 1977 में मेजर जनरल जिया-उर-रहमान के सत्ता में आने के बाद जमात-ए-इस्लामी की राजनीति में वापसी तय हो गई। जिया-उर-रहमान की हत्या के बाद उनकी पत्नी खालिदा जिया ने भी जेईआई का समर्थन जारी रखा, दोनों दलों ने इस दौरान गठबंधन बनाया और सरकार में जमात के कई चेहरों को पद मिले। जमात-ए-इस्लामी को शेख मुजीब की बेटी शेख हसीना के सत्ता में आने के पुन: प्रतिबंधित कर दिया गया।

-बी पी गौतम

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इन्दौर। आयातित मालों में बनी सुस्ती से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुस्ती पर रहा। दलहनों में तुअर लेवाली के अभाव में घटाकर बोली गयी। पूछपरख ठंडी रहने से किराना जिंसों में शक्कर सहित कालीमिर्च में बाजार घटाकर बोले गये।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। शक्कर में पूछपरख के अभाव में बाजार 10-20 रू. प्रति क्विंटल तक घटाकर बोले गये। खोपरा गोला में पूछपरख सामान्य देखी गयी। माल की किल्लत से भावों में 30-40 रू. प्रति किलो की तेजी आयी और बाजार 265-285 रू. प्रति किलो पर आ गये। खसखस में माँग का अभाव है। ऊपरी स्तरों पर बिकवाली से बाजार नरमी के देखे गये। खसखस में बाजार क्वालिटीनुसार 950-1500 रू. प्रति किलो पर आ गये। सूखे मेवों में पूछपरख वाली बात नहीं है। बादाम गिरी में बाजार 885-910 रू. प्रति किलो पर आ गये। नारियलों में आवक वाली बात नहीं है। माँग छुटपुट है। नारियलों में बाजार 50-100 रू. प्रति थैले की तेजी आयी और नारियल 120 भरती मालों में बाजार 2600-2650 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में कामकाज सामान्य ही देखा गया।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में कामकाज की मात्रा सामान्य देखी गयी। आयातित मालों में आयी तेजी के बाद बाजार नरमी के देखे गये। सींगदाना तेलों में भाव 1340-1360 रू. प्रति 10 किलो पर बने रहे। सोया व कपास्या तेलों में बाजार 5-10 रू. प्रति 10 किलो की नरमी दर्ज हुई। सोया तेलों में रिफाइंड माल 5-10 रू. प्रति 10 किलो की नरमी पर रहे और सोया रिफाइंड माल 1130-1135 रू. प्रति 10 लिो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 50-100 रू. प्रति क्विंटल तक की गिरावट आयी और सोयाबीन बाजार 4200-4300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सरसो व रायडे में भी बाजार सुस्ती के रहे।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में चना लेवाली के अभाव में 50-100 रू. प्रति क्विंटल टूटकर 5700-5750 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। तुअर दालों में बनी सुस्ती से साबूत मालों में बाजार 200 रू. प्रति क्विंटल तक टूट गये। तुअर में बाजार 6000-6300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मूंग में गर्मी के मालों की आवकों से भावों में तेजी-मंदी का मिश्रित रूख रहा। मूंग में बाजार क्वालिटीनुसार 6800-7000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। उड़द में भी बाजार 7400-7600 रू. प्रति क्विंटल के बीच बने रहे।

वैश्विक बाजारों में सुधार से घरेलू तेल तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में खाने के तेल के भाव में तेजी देखने को मिल रही है, जिसका सीधा असर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में देखा जा रहा है। पिछले सप्ताह सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहनों की कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार के साथ बंद हुए। शिकॉगो एक्सचेंज में 13 जून को सोयाबीन डीगम तेल के भाव में 56 डॉलर प्रति टन की बढ़ोतरी होने के बाद वहां बाजार में ऊपरी सर्किट लगाना पड़ा। इसके बाद डीगम के दाम में हुई बढ़ोतरी के असर से बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम में तेजी देखी गई। घरेलू बाजार में भी सोयाबीन के दाम में मजबूती आई है, इसके अलावा सरसों, मूंगफली जैसे अन्य तेल-तिलहन के दाम भी मजबूत हो गए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,725-6,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। इसके साथ ही सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत बंद हुए हैं। सीपीओ तेल का दाम भी मजबूती के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसमें पामोलीन, पामोलीन एक्स कांडला तेल, बिनौला तेल के भाव भी बढ़े हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें सोयाबीन, मूंगफली और अन्य तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बदलाव देखने को मिल रहा है।

भारत के पर्यटन उद्योग विकास में तेजी से विदेशी मुद्रा आय में भी वृद्धि की संभावना- रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास में तेजी से बढ़ोतरी के साथ-साथ विदेशी मुद्रा आय में भी काफी वृद्धि की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में विदेशी मुद्रा आय दर बढ़ी है और यह दर 2030 तक 4.5 लाख करोड़ को पार कर सकती है। इस बढ़ती दर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन का हिस्सा भी सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है। भारत में पर्यटन के विकास से न केवल रोजगार की स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारतीय पर्यटन शीर्ष देशों में एक प्रमुख स्थान हासिल कर रहा है और मानव समृद्धि विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पर्यटन क्षेत्र के इस विकास से ग्राहक और उद्योग दोनों ही फायदा उठा रहे हैं। आगामी वर्षों में इस क्षेत्र में नए यात्रा रुझान उभरकर आ रहे हैं, जो इनोवेटिव ट्रैवल बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार के पर्यटकों के समर्थन के प्रयास से भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। साथ ही पर्यटन उद्योग में प्रौद्योगिकी के संचालन से ग्राहकों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी संतुष्टि में वृद्धि हो रही है। आने वाले समय में सभी सेवाएं पूरी तरह से बहाल होने से पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में और भी सुधार हो सकता है।

नेपाल ने भारतीय पारेषण लाइन से बांग्लादेश को बिजली निर्यात शुरू किया

काठमांडू। नेपाल ने भारतीय पारेषण लाइन के जरिये बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली का निर्यात शुरू कर दिया है। नेपाल, भारत और बांग्लादेश ने तीन अक्टूबर, 2024 को नेपाल द्वारा उत्पादित बिजली को भारतीय पारेषण लाइन के जरिये बांग्लादेश को निर्यात करने के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के एक अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश को बिजली का निर्यात शनिवार आधी रात से शुरू हो गया है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आप अपने घर का निर्माण कार्य शुरू कर सकते हैं और आपको सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप लेनदेन थोड़ा सोच समझकर करें। प्रेम जीवन जी रहे लोगों का प्रेम और प्रगाढ़ होगा। साथी से कोई वादा कर सकते हैं। आपको कुछ दोगले लोगों से बचने की आवश्यकता है, क्योंकि वह आपके कामों में विघ्न डालने की कोशिश करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कोई निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचने के लिए रहेगा। आपके ऊपर काम का प्रेशर थोड़ा अधिक रहेगा, लेकिन फिर भी आप निर्णय सोच समझकर ही लें। कार्यक्षेत्र में आपको अपने जूनियर्स का पूरा साथ मिलेगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। आप अपने परिवार में किसी सरप्राइज पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा करने से बचें, नहीं तो बेवजह के वाद विवाद खड़े हो सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए रहेगा, क्योंकि आपके मनमाने व्यवहार के कारण परिवार के सदस्य भी परेशान रहेंगे। आपको अपने बॉस से रिश्तों को बेहतर करने की आवश्यकता है, तभी वह आपका प्रमोशन कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी से काम को लेकर कोई वादा कर सकते हैं। आप उनके लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में कुछ कामों को लेकर उथल-पुथल लगी रहेगी, जिससे आपका एक भी काम समय से नहीं हो सकेगा। आप जितनी मेहनत करेंगे, आपको उतना फल न मिलने से थोड़ी निराशा होगी, लेकिन आपको उससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। माता जी का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। ससुराल पक्ष से भी आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। बिजनेस की योजनाओं में भी आप अच्छा खासा धन लगा सकते हैं। आपका कोई नया घर खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है, लेकिन आपको कोई भी बात थोड़ा सोच समझकर बोलनी होगी। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई वाद-विवाद चल रहा है, तो उसमें आप वरिष्ठ सदस्यों की सहमति से कोई निर्णय लें। आप अपने बिजनेस के काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत पर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में मन मुताबिक काम ना मिलने से आपको टेंशन भी अधिक रहेगी। आपको अपने किसी पिछले लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है। आप किसी से कोई लेनदेन आंख मूंदकर ना करें कोई अजनबी आपको धोखा दे सकता है। आप किसी नए काम की शुरुआत करने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिसमें आपके पिताजी से सलाह की आवश्यकता होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में थोड़ा कमजोर रहने वाला है। जो विद्यार्थी कहीं बाहर जाकर पढ़ाई करने की सोच रहे हैं, तो उनके मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपके पास पड़ोस में यदि कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप रहें। आप यदि किसी काम को लेकर परेशान चल रहे थे, तो आपका वह काम पूरा हो सकता है। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों की कोई डील फाइनल होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपनी सोच समझ से कामों को पूरा करने की आवश्यकता है। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर आप अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपकी तरक्की देखकर आपके नए शत्रु उत्पन्न होंगे। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो आप थोड़ा सावधानी बरतें, क्योंकि कोई दुर्घटना हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आपकी संतान की कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती हैं। माताजी आपसे किसी बात को लेकर नाराज रहेंगी, क्योंकि वह आपको कोई जिम्मेदारी देंगे, जिसे आप पूरा करने में ढील दे सकते हैं। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी। आप अपने रिश्ते को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कोई पैतृक संपत्ति की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपकी कोई बिजनेस डील अटकी हुई थी, तो फाइनल करने की पूरी कोशिश करेंगे। पार्टनरशिप में आपको आपको थोड़ा नुकसान हो सकता हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

मीन- आज आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है, लेकिन आपके कामों में कुछ व्यवधान आएंगे। आप अपने काम को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह अवश्य लें। पिताजी का कोई पुराना रोग उभर सकता है, जो आपकी समस्याओं को बढ़ाएगा। आपको खर्च थोड़ा लिमिट में करने की आवश्यकता है।

शब्दजाल - 7931

शब्दजाल में दस 'स्वतंत्रता सेनानियों' के नाम ढूंढिए, दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं।

मंगलपांडे, भगतसिंह, तात्या टोपे, महात्मा गांधी, लक्ष्मीबाई, सुभाषचंद्र बोस, अशफाक, चन्द्रशेखर आजाद, ऊधमसिंह, सरदार पटेल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	ज	इ सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भ
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	ां	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	वो
दा	जा	ल	सिं	जा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फ़ा	ग	श	व
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	त	त्या	टो	पे	या	द	ु	र	क

शब्दजाल - 7930 का हल

दैनिक पंचांग

16 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	मिथुन में	मिथुन 05.14 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क 07.28 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह 09.44 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या 11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला 14.06 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक 16.21 बजे से
शनि	मीन में	धनु 18.37 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर 20.42 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ 22.29 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन 00.02 बजे से
		मेष 01.32 बजे से
		वृष 03.12 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 167 वा दिन। दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947। मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)। पक्ष कृष्ण। तिथि पंचमी 15.32 बजे तक समाप्त। नक्षत्र धनिष्ठा 01.14 बजे रात्रि को समाप्त। योग वैधृति 11.07 बजे को समाप्त। करण तैतिल 15.32 बजे तदनन्तर गर 03.13 बजे रात्रि को समाप्त। चन्द्रायु 19.9 घण्टे। रवि क्रान्ति उत्तर 23°21'। सूर्य उत्तरायन। कलि अहर्गण 1872377। जूलियन दिन 2460842.5। कलियुग संवत् 5125। कल्पारंभ संवत् 1972949123। सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123। वीरनिर्वाण संवत् 2551। हिजरी सन् 1446। महीना जिलहेज तारीख 19।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6875

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'न वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिलते हैं प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनारॉय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७६ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरा ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, फरजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राकेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फराह की फिल्म-४
१७. 'शोखी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पागल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानो की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6874

प्रसंगतः संतों की निराली सूझ

किसी जंगल में दो संत रहा करते थे. दुनिया से उन्हें कोई सरोकार नहीं था. एकान्त में रहते थे और अपना पूरा समय प्रभु की आराधना में व्यतीत करते थे. उनकी अपनी चर्या थी, जिसमें किसी प्रकार की विघ्न-बाधा उन्हें पसन्द नहीं थी. एक दिन उन्हें पता चला कि वहां का राजा उनसे मिलने आ रहा है. इस समाचार से वे बड़े हैरान हुए. उनका भोला-भाला मन बेचैन हो गया. दोनों मिलकर विचार करने लगे कि आगे क्या हो? उन्होंने सोचा कि अगर राजा को यह मालूम हो गया कि हम अच्छे लोग हैं तो वह बार-बार यहां आवेगा और हमारे ध्यान आदि में बाधा पड़ेगी. इसलिए हमें कोई ऐसा उपाय करना चाहिए, जिससे राजा समझे कि हम सामान्य व्यक्ति हैं. सोचते-सोचते उन्होंने अपना मार्ग निश्चित कर लिया. जब राजा आने को हुआ तो दोनों संत अपने हाथ में एक-एक डंडा लेकर अपनी कुटिया के बाहर आ खड़े हुए और लगे आपस में झगड़ने. एक ने ऊंचे स्वर में कहा, ''तू अपने को समझता क्या है! मैंने इतना पढ़ा है कि तू तीन जन्म में भी नहीं पढ़ सकता.'' दूसरा आंखें तरेरकर बोला, ''बड़ा आया है अपने ज्ञान की डींग मारनेवाला! तूने जितना पढ़ा है, उससे ज्यादा तो मेरे चेले पढ़ चुके हैं.'' पहले संत ने और भी तेज होकर कहा, ''तू पेटू है. दिन भर खाता रहता है.'' दूसरा बोला, ''तू मुझे पेटू कहता है! अरे, अपनी ओर देख. तेरा पेट नहीं, भट्ठी है.'' राजा थोड़ी दूर पर खड़ा उनकी बातें उनकी बातें सुन रहा था. उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि यह क्या हो रहा है. वह जिन्हें ऊंचा संत मानकर आया था, वे तो कुंजड़ों की तरह लड़ रहे थे. राजा को बड़ी निराशा हुई. वह उल्टे पांव लौट गया. राजा के जाने पर संतों ने चैन की सांस ली और अपनी-अपनी साधना में लीन हो गये. संतों की योजना सफल रही. राजा फिर कभी वहां नहीं आया.

सूडोकु नवताल- 7184

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6			4	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7183 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8399

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग,दाढ़ी बनाना-4
7. बेल,लतिका-2
8. मामला-3
9. स्वर,परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा,लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम,यवनी-3
24. मोल,कीमत-2
25. स्वभाव,आदत-4
26. करतब,करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर,कृपाण-4
2. मां,मम्मी-3
3. नीयत,चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय,वोट-2
6. आंदोलन,संग्राम-4
11. क्षारीय,चटपटा-4
13. आशियां,नीड़-4
14. नेत्र,आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत,रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा,श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8398 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ईरान-इजरायल संघर्ष, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के निर्णय से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा ईरान-इजरायल संघर्ष, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों, मुद्रास्फीति के आंकड़ों और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि शुल्क से जुड़ी खबरें भी स्थानीय शेयर बाजार की चाल को प्रभावित कर सकती है। वैश्विक बाजार का रुख और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशक नजर रखेंगे। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच बाजार नुकसान के साथ बंद हुआ। बाजार में जोखिम से बचने की भावना दिखाई दी। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आपूर्ति में अड़चन की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि इजरायल-ईरान संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद भारतीय शेयर बाजारों का रुख वैश्विक बाजारों से तय होने की संभावना है। बाजार में निराशा देखने को मिल सकती है, जिससे निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों से दूरी बना सकते हैं। इसके अलावा कारोबारी बुधवार को फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से पहले सतर्कता बरतेंगे। जापान और ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक भी अपनी ब्याज दरों की अलग-अलग घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे की ओर देखें तो ऊंचे मूल्यांकन और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच निवेशक सतर्कता बरतेंगे। अब सभी की नजरें आगामी फेडरल रिजर्व की बैठक पर हैं। भविष्य के नीतिगत संकेतों के लिए फेडरल रिजर्व की टिप्पणी और आर्थिक अनुमान पर सभी की नजर रहेगी। बाजार के एक अन्य जानकार कहते हैं कि आगामी दिनों में भू-राजनीतिक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की महत्वपूर्ण बैठकों के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव रहने की आशंका है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत निर्णय पर कड़ी नजर रखी जाएगी। घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति, कच्चे तेल की कीमतों के रुझान, थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों और एफआईआई की गतिविधियों पर सभी का ध्यान रहेगा।

अमेरिका में बिकने वाले 97 फीसदी आईफोन भारत में बने

नई दिल्ली। एपल ने अमेरिका में बिकने वाले अपने आईफोन की विपरीत स्थिति में सततता बनाए रखने के लिए भारत में नेटवर्क को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च से मई 2025 के बीच, भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए गए, उनमें से 97 फीसदी अमेरिका को भेजे गए हैं। एपल ने इन आईफोन को अमेरिका के लिए भारत में बनाने का निर्णय लिया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार सिर्फ मई महीने में ही भारत से करीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए हैं। इससे पता चलता है कि एपल अब अमेरिकी बाजार के लिए भारत में आईफोन की मानवाहन कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 23 मई को कहा था कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाती, तो उस पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट में इसकी धमकी दी थी, जिसमें उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को भी इस बारे में सूचित किया था। इससे पहले भारतीय बाजार में बिकने वाले 50 फीसदी आईफोन को अमेरिका भेजा जाता था। यह नया कदम दरअसल एपल के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कंपनी को ट्रम्प की डाक् पॉलिसी का सामना करने के लिए उसकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की जरूरत है।

बोइंग ने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद चीन को 787-9 विमान दिया

वाशिंगटन। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के दो दिन बाद अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने चीन को एक नया 787-9 विमान सौंपा। इससे पहले अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 275 लोगों की मौत हुई थी। चीनी मीडिया के अनुसार बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। इसके बाद 9 जून को शियामेन एयरलाइंस के लिए भी एक बोइंग 737 मैक्स विमान चीन पहुंचा। मई में चीन ने विमान खरीदी पर लगाई थी रोक एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145 फीसदी टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच लंदन में दो दिन की बातचीत हुई, जिसमें टैरिफ दरों पर एक समझौता हुआ। बोइंग के लिए चीन एक महत्वपूर्ण बाजार कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे। बोइंग के अनुमान के अनुसार अगले दो दशकों में चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20 फीसदी हिस्सा होगा।

गरीबों की रोज़ी रोटी से खिलवाड़ कर प्रशासन ने दिया दुकानें हटाने के आदेश

बीते 25-30 वर्षो से जनपद पंचायत के सामने लग रही चाय पान की दुकानें

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत किरनापुर के सामने बीते 25 से 30 सालों से संचालित चाय पान की दुकानों को प्रशासन द्वारा हटाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके चलते अब इन दुकानदारों के समक्ष रोज़ी रोगी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत किरनापुर द्वारा जनपद पंचायत के सामने 23 कमरों के कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य करवाया गया है जिसका कार्य वर्तमान मे प्रगतिरत है। वही ऐसे मे कमरों के पूरी तरह से तैयार होने के पहले ही कच्चे झोपड़ीनुमा दुकानों को हटाए जाने के तुगलकी फरमान से इन दुकानदारो को अपना एवं अपने परिवार का भरण पोषण करने की समस्याओ से जुझना पड़ सकता है। जबकि इन कॉम्प्लेक्स की दुकानों को तैयार कर पहले से संचालित चाय पान दुकानों के संचालकों को दुकानों का प्राथमिकता देते हुए आबंटन किया जाना चाहिए था और उसके उपरांत कच्ची दुकानों को हटाया जाना चाहिए था जिससे इन लोगों के सामने रोज़ी रोटी की समस्या ही उत्पन्न नही होती। किंतु इस संबंध मे सूत्रों से जो जानकारी मिल रही है वह यह है कि कमरों के आबंटन मे डेढ़ से दो लाख रुपए तक पगड़ी पहले जमा किए जाने वाले लोगों को कमरा प्रदान किए जाने की बात लोगो के बीच जमकर चल रही है। ऐसे मे इस तरह के छोटे-छोटे कामकाज कर परिवार का लालन पालन करने वाले लोग कैसे एवं किस तरह से इतनी बड़ी राशि जमा कर कमरा ले पाएंगे यह सोच कर उनकी रूह कांप उठती हैं। इन दुकान संचालकों ने बताया कि वे कमरा किराया प्रतिमाह दे सकते है लेकिन पगड़ी की राशि जमा नहीं कर सकते क्योंकि आज के इस महंगाई के दौर मे परिवार का पालन पोषण करना और बच्चो की पढ़ाई सहित अन्य कार्य बड़ी मुश्किल से हो पाते हैं। बहरहाल प्रशासन के इस तरह के कदम से जनपद पंचायत किरनापुर के सामने वर्षों से चाय पान की दुकानों का संचालन करने वाले लोगों के लिए परेशानियां खड़ी हो गई हैं।

एसडीएम के फरमान पर डर के कारण स्वयं ही हटाने लगे अपनी झोपड़ीनुमा दुकान

चाय पान की दुकानों को लगाने वाले दुकानदार पहले तो एसडीएम साहब के मौखिक रूप से दिए गए आदेश पर अपनी दुकानें नही हटा पाए थे लेकिन उसके बाद एसडीएम साहब के द्वारा जारी किए गए फरमान पर प्रशासनिक कार्यवाही के डर के कारण बेबस एवं लाचार इन दुकान संचालकों ने रविवार को स्वयं ही अपनी अपनी झोपडीनुमा दुकानें हटाने का काम शुरू कर दिया।

इनका कहना है

जनपद पंचायत के सामने मेरी चाय पान की कच्ची दुकान है। एसडीएम साहब द्वारा दुकानें हटाने के मौखिक आदेश दिए गए थे, उसके बाद नोटिस जारी किया गया कि दुकानें हटा लो यहां मुरूम डालकर समतल करने का काम चालू किया जाएगा। इस कारण दुकान हटा रहे है।कमरा देने के संबंध मे अभी कोई बात नही हुई है। कमरा किसे मिलेगा इसके बारे मे भी कोई जानकारी नहीं है।

गोविन्द कुमार ऊके
चाय दुकान संचालक हिर्री

जनपद पंचायत के सामने मेरी होटल हैं, हमे दुकानें हटाने के आदेश एस डी एम साहब ने दिए हैं। अध्यक्ष जी ने 8 दुकानदारों को पहले कमरा देने का आश्वासन दिया है। लेकिन उसके लिए कितनी पगड़ी की राशि जमा करनी पड़ेगी या नहीं, कमरा किराया कितना होगा। सामान्य सभा की मीटिंग मे तय होने की बात कही उन्हें बतलाई गई है।

झलकचंद दमाहे
होटल संचालक

जनपद पंचायत के सामने मेरी चाय पान की दुकान है, एसडीएम साहब ने दुकानें हटाने के लिए बोला है तो दुकानें हटा रहे है। हम रोज कमाते खाते हैं,कमरे के लिए वे पगड़ी नहीं दे सकते।

दीपक हुमने
चाय दुकानदार

बापड़ी से रेत का हो रहा अवैध परिवहन, रेत से भरा डंपर पकड़ाया

रायल्टी किरनापुर केसा से रीवा 502 किमी दूर की

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के ग्राम बापड़ी में लगातार रेत के अवैध खनन एवं परिवहन की शिकायत प्राप्त हो रही है। बतादे कि क्षेत्र के ऐसे कई रेत घाट है जो कि रेत निकासी के लिये स्वीकृत नही है उनमे से एक रेत घाट ग्राम बापड़ी है जो कि वर्तमान में रेत निकासी के लिये स्वीकृत नही होना बताया गया है उसके बावजूद भी इस रेत घाट पर दिन रात ट्रैक्टर ट्रॉलियों सहित डंपर, भारी वाहनों से रेत की निकासी कर अवैध खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। बीत कुई दिनो से उक्त संबंध में शिकायतें की जा रही है जिसको लेकर खनिज विभाग द्वारा बीते कुछ दिनों पूर्व अवैध रूप से किये रेत भण्डारण को जप्त कर पंचनामा बनाकर स्थानीय कर्मचारी को सुपुर्द किया गया है। इसके बावजूद भी बापड़ी घाट से धड़ल्ले से रेत का अवैध खनन एवं परिवहन व भण्डारण जेसीबी के माध्यम से किया जा रहा है। 15 जून को जो डंपर पकड़ाया है इस संबध में भी ज्ञात हुआ है कि रेत भण्डारण से डंपर भरा गया है। उक्त संबध में खनिज विभाग को संज्ञान मे लेकर बापड़ी रेत घाट में चल रहे अवैध वाहनों पर कार्यवाही की जानी चाहिये।

रेत से भरा डंपर पकड़ाया, रायल्टी किरनापुर केसा से रीवा के लिये और जा रहा रिसेवाड़ा

रेत के अवैध खनन एवं परिवहन का अवैध कारोबार जहां धड़ल्ले से संचालित है वहीं रायल्टी भी अजिबो गरीब दिखाई दे रही है। 15 जून को दोपहर करीब 12 बजे पुलिस थाना लांजी में एक रेत से भरा ड़पर क्रमांक एमएच 35 एजे 2832 लाया गया जो कि रिसेवाड़ा में पकडना बताया गया है। उक्त रेत से भरे डंपर की जब रायल्टी देखी गई तो वह किरनापुर के केसा घाट से रेत भरकर लगभग 502 किमी दुर रीवा जिले के लिये जाना बताया गया है। 15 जून को 11.16 मीनट पर रेत लेकर दुसरे दिन 16 जून को सुबह लगभग 6 बजे रीवा पंहुचना है तथा रुट सिंगोला रिसेवाड़ा होते हुये जाना बताया जा रहा है। अब इस प्रकार की रायल्टी बताई जायेगी तो निश्चित रूप से संदेह होगा क्योंकि क्या कोई रीवा के लिये किरनापुर से रेत भरकर ले जाया जायेगा। क्या रीवा से लेकर किरनापुर लांजी तक कोई नदी नही पड़ती जहां रेत उपलब्ध ना हो। किरनापुर से रीवा तक का गाड़ी का किराया ही इतना अधिक होगा कि कोई किरनापुर से रीवा तक रेत नही ले जायेगा। फिर भी इस प्रकार की रायल्टी कटना संदेह के घेरे मे आता है। इस संबंध में भी जांच होना चाहिये की कैसे किरनापुर केसा से रीवा की रायल्टी कट रही है। वहीं जब केसा घाट के संबंध में पता किया गया तो वह घाट तो स्वीकृत है लेकिन वर्तमान में घाट बंद होना बताया गया है तथा उक्त स्थान पर भारी वाहन नही जा सकते। दुसरी ओर उक्त डंपर को लेकर जब जानकारी ली गई तो यह डंपर बापड़ी रेत घाट या डंप रेत से भरने की जानकारी मिली जो कि रिसेवाड़ा में किसी रोड़ काम में रेत प्रदाय करना बताया गया है। इस संबध में भी जांच होनी चाहिये और यह भी की डंपर जैसे वाहनो को मजदूर हमाल नही भर पाते जिसके लिये मशीनों की ही सहायता लेनी पड़ती है मशीनो की सहायता से ही डंपर भरे जाते हैं।

खनिज विभाग के द्वारा की गई कार्यवाही

उक्त डंपर के कार्यवाही को लेकर जानकारी ली गई तो खनिज विभाग के द्वारा पुलिस थाना लांजी में खड़े डंपर वाहन का पंचनामा तैयार कर अभिरक्षा में दिया गया है एवं रेत खनन एवं परिवहन को लेकर जांच की जा रही है।

18 घंटे का फायदा उठाकर कहीं 8 से 10 ट्रीप रेत तो नही निकाली जा रही

उक्त डंपर की रायल्टी में यह बात तो सामने आई है लगभग 18 घंटे की रायल्टी काटी गई है यह भी हो सकता है कि 18 घंटे की रायल्टी कटवाकर कहीं दिन भर में 8 से 10 डंपर बापड़ी से रिसेवाडा सहित आस पास के अन्य ग्रामो में रेत की सप्लाई की जा रही होगी यह भी जांच का विषय है। क्योंकि यह तो साफ है कि कोई लांजी या किरनापुर से रीवा रेत लेकर तो नही जायेगा लेकिन 502 किमी की दुरी बताकर दिन भर में 8 से 10 ट्रीप रेत की निकासी चाहे रेत घाट से या घाट के समीप रेत डंप से रेत लेकर सप्लाई किया जा रहा होगा, खनिज विभाग उक्त सभी विषयों पर जांच करे।

परसोड़ी रेत घाट से भी रेत का अवैध खनन एवं परिवहन

बापड़ी सहित पास के परसोड़ी रेत घाट में ट्रेक्टर ट्रॉलिया से लगातार रेत का अवैध खनन परिवहन किया जा रहा है। लगभग 40 से अधिक ट्रेक्टर इस रेत घाट पर रेत की निकासी कर रहे। सैकड़ो ट्रॉली रेत डंप भी करके रखी गई है जो कि ग्राम में देखी जा सकती है। इतनी बड़ी मात्रा में रेत का अवैध खनन एवं परिवहन जारी है जिस पर कोई कार्यवाही नही होना समझ से परे है। क्योंकि परसोड़ी रेत घाट स्वीकृत तो है लेकिन वर्तमान में जो ट्रेक्टर ट्रॉलिया चल रही वे बगैर रायल्टी कटवाये चल रही है। इस संबध में भी खनिज विभाग जांच करे।

कारंजा चेक पोस्ट में भी हो जांच

बापड़ी, परसोड़ी से रेत भरकर ट्रेक्टर ट्रॉलिया कारंजा वन जांच से होकर गुजरती है इन जांच नाके पर भी उक्त रेत से भरी वाहनों की जांच की जाये कि यह रायल्टी लेकर परिवहन कर रहे है कि नही। प्राप्त सूत्रो के हवाले से यह जानकारी मिली है कि रेत से भरे वाहन बगैर रायल्टी के इस जांच नाके को पार कर गंतव्य तक पंहुच रहे है। जिसकी सुक्ष्मता से जांच की जानी चाहिये।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान में दिखी एकजुटता, लांजी में नेताओं ने भरी हुंकार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कांग्रेस संगठन की एकजुटता को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा संगठन सृजन अभियान प्रदेश के सभी जिलो एवं विधानसभा क्षेत्रो में चलाया जा रहा है। जिसके तहत 14 जून को लांजी विधानसभा क्षेत्र के लांजी नगर में संगठन सृजन अभियान का आयोजन सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी में शाम 6 बजे से किया गया जंहा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, विधायक एवं जिला अध्यक्ष संजय उईके, जबलपुर विधायक दिनेश यादव, विधायक अनुभा मुंजारे के आतिथ्य में तथा पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लांजी किरनापुर हिना लिखीराम कावरे तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी,बहेला, किरनापुर, शहर कांग्रेस के नेतृत्व में उक्त आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ जहां हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि कांग्रेस नेतृत्व अब हर स्तर पर सक्रियता और संवाद के जरिए संगठन को नई ऊर्जा देने की दिशा में अग्रसर है।अतिथियों कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की असली शक्ति है। कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे बूथ स्तर तक पार्टी के विचारों को पहुंचाएं और जनता से सीधा संवाद बनाएं।

बंद कमरे में कि गई कार्यकर्ताओ से रायशुमारी

संगठन सृजन अभियान का म्मुख्य उद्देश्य जहां कार्यकर्ताओ को एकजूट करना है वहीं आगामी समय में होने वाले संगठन चुनाव पर भी विशेष ध्यान देना है जिसको लेकर पर्यवेक्षक प्रभारी नियुक्त किये गये है। इन्ही आमंत्रि नेताओं के द्वारा मंचीय कार्यक्रम पश्चात लांजी किरनापुर विधानसभा से आये प्रत्येक कार्यकर्ताओं के साथ एक बंद कमरे में रायशुमारी की गई तथा पार्टी को लेकर उनके विचारो एवं सुझाव सुना गया।

लांजी-किरनापुर विधानसभा आने वाले समय में हमारा है- हिना कावरे

पूर्व विधायक हिना कावरे ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि बालाघाट में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिगार और राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेंगड़े, लखन घनघोरिया बालाघाट के प्रभारी का आगमन हुआ। आपने आगे कहा कि कांग्रेस को कार्यकर्ताओं के एकजुटता की जरूरत है। निश्चित ही विधानसभा चुनाव में बालाघाट में कांग्रेस को सकारात्मक परिणाम मिला। भले ही कम अंतर से लांजी-किरनापुर विधानभा हार गए पर आने वाला चुनाव हमारा है हम जरूर जीतेंगे।

मंच को संबोधित करते हुए मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि राहुल गांधी की सोच है कि हर कांग्रेस के कार्यकर्ता को सम्मान मिलें। जो झंडे उठाता है नारे लगाता है उसके भी सम्मान देना है। इसी के चलते कार्यकर्ताओं से राय लेते हुए लांजी तक हम पहुंचे हैं। हिना कावरे की हार को लेकर उमंग सिघार ने कहा कि आपकी बहन-आपकी बेटी हारी नहीं बल्कि उनके लिए उनके क्षेत्र के लोगों के लिए मैं विधानसभा में पूरी ताकत के साथ खड़ा हूं। श्री सिघार ने भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा इतनी बड़ी पार्टी अगर बनी है तो कांग्रेस के बदौलत बनी हैं क्योंकि ज्यादातर लोगो तो उस पार्टी में हमारे ही हैं।

हमारे नेता राहुल गांधी भारत जोडने की बात करते है सूरज हेगड़े

राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेंगड़े ने विपक्ष पर बरसते हुए कहा कि जो लोग स्वाधिनता संग्राम में भाग नहीं लिया वो लोग सिखा रहे हैं कि क्या देश प्रेम है। उन्होंने कहा कि तिरंगे को हर लोग नहीं पहन सकते हैं। उनका सीधा इशारा इस ओर था कि जो कांग्रेस के झंडे में तिरंगा है वो कांग्रेस के पूर्व नेताओं के खुन पशीनें से पाया हुआ झंडा है, क्योंकि कांग्रेस के नेताओं ने हमें आजादी दिलाई है। विपक्ष के लोगों से देशभक्ति का पाठ सीखने की जरुरत नहीं है। विपक्ष के लोग हिंदू-मुस्लिम धर्म और जाति के नाम पर लोगों तोडने की बात करते हैं लेकिन हमारे नेता राहुल गांधी भारत जोडने की बात करते हैं।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, जिला पंचायत सदस्य डॉली कावरे, अर्चना खोंगल जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे मीना सिंघनधुपे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, किरनापुर अध्यक्ष यूसूफ पटेल, लांजी अध्यक्ष ओंकार रहांगडाले, ललित कबीरे सरपंच संघ अध्यक्ष, खेमचंद दानी, मुन्ना बानखेड़े, मुकेश चौहान, नसीम खान, कोमलभगत, सफिक खान, लिखेन्द्र उपराड़े, दिनेश लाड़े, धर्मेन्द चुटे, भरत राम ठाकरे, सौरभ मोनू पशीने यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, शरद आसटकर, मनीष जुझार, दिनेश चौहान, संजय टेंभरे, चन्द्रकांत किरनापुरे, जीतू मोरघडे, राजू मस्करे, दुलीचंद राऊत, कोमल काड़े, पन्ना बिल्हारे आदि हजारो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला, लांजी एवं किरनापुर अध्यक्षों के द्वारा किया गया।

शराबी पिता से परेशान बेटे ने खाया चूहा मार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शराबी पिता द्वारा घर आकारवादी विवाद करने से मानसिक तनाव में आकर एक युवक ने चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। चूहा मार दवाई के सेवन से अस्वस्थ युवक अमित पिता रंगलाल पुषाम 19 वर्ष ग्राम सुकलदंड पुलिस चौकी सोनवानी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित पुषाम खेती मजदूरी करता है। शुक्रवार की रात 11 अमित घर में था उसी समय उसका पिता रंगलाल शराब पीकर घर आया और घर में वाद-विवाद और हल्ला और गाली गुप्ता करने लगा था। जिसके मानसिक तनाव में आकर अमित ने घर में रखी चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। चूहा मार दवाई का सेवन करने के बाद अमित को उल्टियां होने लगी। जिसे उसकी मां अंजू पुषाम और बड़े पिता कुरहुसिंह मरकाम ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

तेली साहू समाज संगठन की ब्लॉक की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

ओमकार भेलावे अध्यक्ष तो कोमलचंद पाटले सचिव किए गए मनोनीत

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। गायत्री मंदिर सोनपुरी किरनापुर मे तेली साहू समाज संगठन की आवश्यक बैठक संगठन के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मानवटकर की अध्यक्षता एवं जिला उपाध्यक्ष हीरालाल बावनकर, जिला सचिव संतोष समरित, जिला प्रवक्ता के के बावनकर, लालबर्रा ब्लॉक सचिव जयराम कावड़े की प्रमुख उपस्थित मे आयोजित की गई। इस बैठक मे जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मानवटकर द्वारा समाज हित मे समाज संगठन को आगे बढ़ाने तथा जिला स्तर पर रचनात्मक सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने के संबंध मे विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। तथा ओमकार भेलावे ग्राम कलकत्ता निवासी को तेली साहू समाज संगठन ब्लॉक किरनापुर का अध्यक्ष, कोमलचंद पाटले, कोषाध्यक्ष भजनलाल समरिते, उपाध्यक्ष शिवप्रसाद सूर्यवंशी, डॉ दिनेश मदनकर भालवा, योगेन्द्र समरिते को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर समाज संगठन ब्लॉक अध्यक्ष ओमकार भेलावे ने समाज संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए समाज हित मे कार्य करने की बात कही गई। इस बैठक के दौरान तेली साहू समाज से लिकेश समरिते, डीलेश साठवने, पुनाराम कापसे, मदनलाल समरिते, राजेन्द्र लावाबुरे, लालचंद बारबुदे, सोनेलाल समरित, हेमराज निखाड़े, झाडूलाल समरिते, मोहनलाल लावाबुरे, मारोती लावाबुरे, संतोष मदनकर सहित अनेक सामाजिक बंधुओं की मौजूदगी रही।

मप्र में आईएएस की कमी से बिगड़ रही व्यवस्था

भोपाल। मप्र में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भारी कमी है। अफसरों की कमी से व्यवस्था बिगड़ रही है, कई अफसर डबल ड्यूटी कर रहे हैं। वहीं बीते नौ महीनों में 18 अफसरों की कम हो गए, और अगले छह महीनों में आठ और अधिकारी रिटायर हो रहे हैं। इससे प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था बिगडने लगी है। आलम यह है कि अफसरों की का असर यह हो रहा है कि सीनियर अफसर काम के बोझ से दबे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार मप्र को 459 आईएएस अफसरों की जरूरत है, लेकिन फिलहाल सिफ 379 अधिकारी ही कार्यरत हैं। इनमें से भी करीब 40 अधिकारी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर और 10 से ज्यादा प्रशिक्षण पर मसूरी में हैं। प्रदेश में लगभग 330 अफसर ही एक्टिव रूप से काम कर रहे हैं। इनकी कमी की भरपाई न होने से विभागों में काम का दबाव दोगुना हो गया है।

कोटा बढ़े तो बात बने

मप्र जिस तेजी से अफसर सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उतनी तेजी से नए अफसर नहीं मिल रहे। असर जनता और सरकारी कामकाज पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक स्थिति तब संभल पाएगी, जब तय कोटे के अनुरूप अफसर मिलेंगे। जरूरत के हिसाब से कोटा बढ़ाया जाएगा। विशेषज्ञों की मानें तो प्रदेश के लिए आइएएस का कोटा बढना चाहिए। दूसरी तरफ जितना कोटा है, उतने भी अफसर नहीं। इसकी कई वजह हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा के काबिल अफसरों को समय पर आईएएस अवॉर्ड नहीं हो पाना मुख्य है। कई विभागों का स्वतंत्र जिम्मा प्रमुख सचिवों को दिया जा सकता है। वैसे तो मप्र से केंद्र को देने वाले अफसरों का कोटा 99 है। यदि इतने अफसर केंद्र में चले जाएं तो प्रदेश की हालत और खस्ता हो जाएगी। गनीमत है कि करीब 40 अफसर ही केंद्र में हैं।

सीनियर अफसरों पर कई विभागों का बोझ

आईएएस अफसरों की कमी का आलम यह है कि सीनियर अफसर कई-कई विभागों का प्रभार संभाल रहे हैं। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा के पास एनवीडीए, एनवीडी विभाग, जल संसाधन, लोक सेवा प्रबंधन और एनवीपीसीएल जैसी बड़ी जिम्मेदारी है। व मुख्यमंत्री कार्यालय के मुखिया भी हैं। पीडब्ल्यूडी का प्रभार एसीएस नीरज मंडलोई के पास है। ऊर्जा भी बड़ा क्षेत्र है। इस क्षेत्र में काम के लिए प्रदेश के पास कई विकल्प हैं। खरीफ सीजन का समय सिर पर है, अब तक प्लानिंग नहीं हुई, क्योंकि कृषि उत्पादन आयुक्त का प्रभार एसीएस अशोक बर्णवाल के पास है। वन द सहकारिता भी है। एसीएस संजय दुबे के पास जीडीए, समन्वय, एचआरसी एवं लीगल विजिलेंस सेल, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेयरमैन कर्मचारी चयन आयोग का जिम्मा है। बता दें कि तीन साल से एक लाख पदों पर भर्ती की बात हो रही है। वास्तव में 1 लाख पदों पर भर्ती होती तो अलग प्रशासनिक छवि बन सकती है। आमतौर पर कर्मचारी बयन मंडल का जिम्मा स्वतंत्र होता है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मप्र के पास काम की अपार संभावनाएं हैं। विशेषज्ञों की मानें तो एसीएस मनु श्रीवास्तव इसके लिए फिट भी कहे जाते हैं, लेकिन उनके पास खेल विभाग का भी जिम्मा है। हार्टिकल्चर एंड फूड प्रोसेसिंग का जिम्मा एसीएस अनुपम, राजन के पास है। उनके पास उच्च शिक्षा जैसे बड़े विभाग भी है। संसदीय कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग का जिम्मा एसीएस संजय शुक्ला के पास है। योजना व साख्यिकी, विमानन की भी जिम्मेदारी है।

अफसरों को अतिरिक्त प्रभार देना मजबूरी

जानकारी के अनुसार प्रदेश में इन दिनों अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव रैंक के अधिकारियों की कमी हो गई है। मुख्य सचिव को छोड़कर मप्र कैडर के अपर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव रैंक के कुल 49 अधिकारी हैं। इनमें से वर्तमान में 15 अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में और एक यूएसए में पदस्थ है, जबकि एक अधिकारी स्टडी लीव पर है। यही वजह है कि एसीएस और पीएस रैंक के अधिकतर अफसरों के पास अतिरिक्त विभागों का प्रभार है। दरअसल पिछले तीन-चार वर्षों में बड़ी संख्या में मप्र कैडर के प्रमुख सचिव व सचिव रैंक के अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली चले गए हैं। ऐसे ही सीनियर आईएएस अधिकारी लगातार रिटायर्ड हो रहे है। इसके अलावा एसीएस रैंक के कुछ बैच में अधिकारियों की संख्या काफी कम है, जिससे अफसरों की कमी हो गई है। ऐसे में सरकार को न चाहते हुए भी अफसरों को एक से ज्यादा विभागों की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपनी पड़ रही है। चूंकि अधिकारी अतिरिक्त प्रभार वाले विभागों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं, वे सिर्फ रुटीन की फाइलें आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे इन विभागों में कामकाज प्रभावित हो रहा है। अफसरों की कमी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभाग का प्रभार नवंबर से एसीएस नीरज मंडलोई के पास हैं। मंडलोई पूर्व से ऊर्जा जैसे बड़े विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

कई विभाग सचिवों के जिम्मे

एसीएस और पीएस रैंक के अधिकारियों कमी की वजह से कृषि, स्कूल शिक्षा, जेल और परिवहन जैसे बड़े विभाग सचिव रैंक के अधिकारी संभाल रहे है। इन विभागों में एसीएस और पीएस पदस्थ नहीं हैं। आईएएस संजय गोयल सचिव स्कूल शिक्षा और एम. सेलवेन्द्रन सचिव कृषि एवं जीएडी (कार्मिक) के पद पर पदस्थ है, जबकि अपर मुख्य सचिव एनएस मिश्रा के रिटायर्ड होने के बाद से जेल एवं परिवहन विभाग का जिम्मेदारी सचिव रैंक के अधिकारी मनीष सिंह के पास है। एमपी कैडर के 1990 बैच में सिर्फ दो अधिकारी हैं। इनमें से डॉ. राजेश राजौरा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के पद पर पदस्थ है, जबकि अलका उपाध्याय भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्यपालन मंत्रालय में सचिव के पद पर पदस्थ हैं। 1991 बैच में 3 अधिकारी है। इनमें से अशोक वर्णवाल अपर मुख्य सचिव वन के पद पर और मनु श्रीवास्तव अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के पद पर पदस्थ है, जबकि मनोज गोविल भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में सचिव के पद पर पदस्थ है। ऐसे ही 1995 बैच में सिर्फ एक अधिकारी-सचिन सिन्हा है।

युवा कांग्रेस में चुनाव के लिए वोटिंग 20 जून से

- 19 जुलाई तक होगी वोटिंग, मेंबर बनने के बाद एक वोटर डाल सकेगा छह वोट

भोपाल । प्रदेश में युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के लिए सदस्यता लेने और मतदान की तारीख तय हो गई है। प्रदेश में 20 जून की सुबह 9 बजे से मतदान और सदस्यता प्रक्रिया शुरू होगी जो 19 जुलाई की शाम तक चलेगी। इसमें वोटिंग के लिए जो फॉर्मूला तय किया गया है उसके मुताबिक 50 रुपए की सदस्यता फीस जमा कर सदस्य बनने के बाद यूथ कांग्रेस के छह पदों के लिए वोटिंग की जा सकती है। युवा कांग्रेस के जिन पदों के लिए वोटिंग की जाएगी उसमें ब्लाक अध्यक्ष, एसेंबली प्रेसिडेंट, जिला अध्यक्ष व जिला महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महासचिव के पद शामिल हैं। एक सदस्य छह वोट डालेगा और इसके बाद होने वाली मतगणना के आधार पर परिणाम सामने आएंगे।

युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं वहीं प्रदेश महासचिव पद के लिए 178 प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। चुनाव कार्य से संबद्ध पदाधिकारियों के अनुसार सदस्यता फीस 20 जून से 21 जुलाई को शाम पांच बजे तक स्वीकार की जाएगी। चुनाव के लिए मतदान 20 जून की सुबह 9 बजे से शुरू हो जाएगा तो 19 जुलाई को शाम पांच बजे तक रहेगा। इसके पहले एमपी में युवा कांग्रेस के चुनावों के लिए नामांकनों की स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी हो गई है। 18 उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकृत किए गए हैं। राजीव सिंह का नामांकन होल्ड किया गया है, जबकि डॉ दौलत पटेल का नामांकन रिजेक्ट हुआ है।

प्रदेश महासचिव के लिए सबसे ज्यादा घमासान

युवा कांग्रेस के चुनाव में प्रदेश महासचिव के लिए घमासान मचा हुआ है। कुल 182 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। 178 नॉमिनेशन एक्सेप्ट किए गए हैं।

युकां प्रदेश अध्यक्ष के 18 उम्मीदवार

योगिता सिंह, जावेद पटेल, अभिषेक परमार, नीरज पटेल, गीता कड़वे, प्रमोद सिंह, विश्वजीत सिंह चौहान, विनय पांडेय, राजवीर कुडिया, प्रियेश चौकड़े, अब्दुल करीम सिद्दीकी, शुभांगना राजे जामनिया, आशीष चौबे, यश घनघोरिया, देवेन्द्र सिंह दादू, स्वीटी पाटिल, शिवराज यादव, मोनिका मांडरे।

अब एक दिन में मिलेगा मूल निवासी प्रमाण पत्र

ऑफलाइन या ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

भोपाल । मप्र में मूल निवासी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आनलाइन या आफलाइन आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के लिए मध्य प्रदेश ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर जाना होगा और आवश्यक जानकारी भरकर और दस्तावेज अपलोड करके आवेदन करना होगा। ऑफलाइन आवेदन के लिए किसी भी निकटतम लोक सेवा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर या एमपी ऑनलाइन कियोस्क पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। निवासी प्रमाण पत्र, तहसीलदार या कलेक्टर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी जारी करते हैं।

आवेदन के बाद एक दिन में मूल निवासी प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है। यह प्रमाण पत्र आवेदक के आधार से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक दिन में पहुंचता है और आवेदक इसको डाउनलोड कर उपयोग कर सकता है। मूल निवासी प्रमाण पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो यह प्रमाणित करता है कि व्यक्ति किसी विशेष राज्य या स्थान का स्थायी निवासी है। मप्र में निवास प्रमाण पत्र का उपयोग कई सरकारी योजनाओं, शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश, सरकारी नौकरियों में आवेदन और अन्य कानूनी कार्यों में किया जाता है। सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के लाभ के लिए भी मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य है। निवासी प्रमाण पत्र बनाने के लिए स्वयं का घोषणा पत्र लगता है और जिसके नाम से आवेदन किया जा रहा है उसके दस्तावेज देने होते हैं। दस्तावेज में मार्कशीट, आधार कार्ड, समग्र आईडी, एक फोटो और पते का प्रमाण देना होता है। मूल निवासी प्रमाण पत्र के लिए कम से कम दस साल तक स्थानीय पते पर रहने की घोषणा पत्र में जानकारी देना होती है।

बालिग होने पर बनता प्रमाण पत्र

मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 18 साल की उम्र पूरी करना आवश्यक है। नाबालिक होने पर पिता के प्रमाण पत्र में बच्चे का उल्लेख होता है। पत्नी के नाम का उल्लेख भी पति के प्रमाण पत्र में होता है। यदि पत्नी को भी स्वयं का मूल निवासी बनवाना है, तो इसके लिए घोषणा पत्र के साथ सभी जरूरी दस्तावेज जैसे आधार, समग्र, मार्कशीट, फोटो, पते का प्रमाण देना होता है।

एक दिन में होता है समाधान

ऑनलाइन और ऑफलाइन सभी तरह के मूल निवासी प्रमाण पत्र के आवेदन का निराकरण एक दिन में होता है। आवेदन के बाद एक दिन में डिजिटल प्रमाण पत्र बनाकर वाट्सएप पर पीडीएफ पहुंच जाती है। इसको डाउनलोड कर प्रिंट निकाल कर रख सकते हैं। मूल निवासी प्रमाण पत्र बनाने के लिए 181 पर भी काल कर सकते हैं। नंबर डायल करने के बाद कुछ जानकारी मांगी जाएगी और आपके आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजी जाएगी। इस पर जानकारी भरकर सभी दस्तावेज अपलोड करने होंगे और आनलाइन भुगतान करना होगा।

मप्र में निवासी प्रमाण पत्र के आवश्यक दस्तावेज

निवासी प्रमाण पत्र के लिए आधार कार्ड, समग्र आईडी, मार्कशीट, एक फोटो और पते का प्रमाण। आधार और समग्र का केवाईसी अनिवार्य है। पते के प्रमाण के लिए मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, राशन कार्ड, बिजली का बिल, टेलीफोन बिल, पानी का बिल, संपत्ति कर की रसीद, बैंक पासबुक, श्रम कार्ड, पंचायत का प्रमाण पत्र आदि जरूरी है। पहचान के प्रमाण के लिए आधार कार्ड, मप्र में संपत्ति स्वामित्व का विवरण, मार्कशीट। प्रदेश के कोट के अंतर्गत किसी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाने के लिए, छात्रवृत्ति योजना का आवेदन करने के लिए, राशन कार्ड बनवाने के लिए, प्रदेश के कोट वाली सरकारी नौकरियों के लिए मूल निवास प्रमाण पत्र जरूरी है।

कांग्रेस संगठन सृजन में भाजपा स्लीपर सेल की रिपोर्ट तैयार !

भोपाल । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का संगठन सृजन अभियान मध्यप्रदेश के जिलों में जारी है। केंद्रीय पर्यवेक्षक की अध्यक्षता में अलग-अलग क्षेत्रों में बैठकें हो रही हैं। अभियान का उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत बनाना है। पार्टी की विचारधारा और नीति को आमजन तक पहुंचाना भी लक्ष्य है। इस अभियान के तहत कर्मठ, ईमानदार और जमीन से जुड़े कांग्रेस जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, जन प्रतिनिधि और आमजन से चर्चा की जा रही है।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत बीजेपी 'स्लीपर सेल' की रिपोर्ट तैयार हो रही है। एआईसीसी ऑब्जर्वर गुप्त रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। रायसेन एआईसीसी प्रभारी धीरज गुर्जर ने कहा कि- दिन में कांग्रेसी रात में बीजेपी वाले नेताओं पर हमारी नजर है। गुप्त रिपोर्ट दिल्ली रोज भेजी जा रही है। कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा की जा रही है। कार्यकर्ताओं की हमेशा शिकायत रहती थी कि पार्टी हमसे पूछकर फैसला नहीं लेती लेकिन अब उनसे पूछकर अध्यक्ष बनाया जाएगा।

आज लाड़ली बहनों के खाते में आएंगे पैसे

भोपाल । मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त सोमवार को लाड़ली बहनों के खाते में डाली जाएगी। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के चलते 13 जून को जबलपुर में होने वाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था और इसी दिन राशि ट्रांसफर की जानी थी। अब सोमवार को यह राशि भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 जून को जबलपुर जिले के बरगी में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां पर सीएम यादव मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, संबल योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना में हितग्राहियों के खातों में जून माह की राशि ट्रांसफर करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रुपए ट्रांसफर करेंगे। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किस्त है। योजना में हर लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रुपए की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है।

सिलेंडर और संबल के भी पैसे जारी करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रुपए की राशि भेजेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से भेजेंगे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबल योजना में 6821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे।

मप्र के विधायक सीखेंगे ऑनलाइन वर्किंग

भोपाल। मप्र विधानसभा के मॉनसून सत्र में इस बार विधायकों को अपने सवाल-जवाब का मौका तो मिलेगा, लेकिन इसके पहले सभी विधायकों की विधानसभा में स्पेशल क्लॉस भी लगाने की तैयारी की जा रही है। इसमें विधायकों को ऑनलाइन वर्किंग को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी। दरअसल, विधानसभा की पूरी वर्किंग जल्द ही ऑनलाइन होने जा रही है। इसमें सदन का पूरा कामकाज पेपरलेस होगा।

विधानसभा सचिवालय पहले ही विधायकों को सदन में सवाल पूछने के लिए सचिवालय को ऑनलाइन तरीके से सवाल भेजने का ऑप्शन दे चुकी है। विधानसभा के ऑनलाइन होने के बाद विधायकों को काम में परेशानी न हो इसके लिए उन्हें ऑनलाइन वर्किंग का पूरा ककहरा सिखाया जाएगा।

डिजिटल होगी विधानसभा की कार्यवाही

मध्य प्रदेश विधानसभा का मॉनूसन सत्र जुलाई माह के आखिरी सप्ताह में होने की उम्मीद है। इसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव चर्चा कर विधानसभा के मॉनसून सत्र के संबंध में निर्णय करेंगे। उधर विधानसभा सचिवालय विधानसभा में ई-विधान को लेकर तैयारी कर रहा है। इसके लिए कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रिक उपकरण की खरीदी की जा रही है। ई-विधान के तहत प्रदेश के विधानसभा की पूरी कार्यवाही डिजिटल हो जाएगी। इसमें विधानसभा से जुड़ी कार्यवाही की पूरी जानकारी और दस्तावेज विधायकों को ऑनलाइन ही उपलब्ध कराई जाएगी। विधायकों को प्रश्न से जुड़े जवाब, विधानसभा में पेश होने वाले बिल, अलग-अलग विषयों पर होने वाली डिबेट से जुड़ी जानकारियां भी डिजिटली मिलेंगी। विधायकों द्वारा लगाए जाने वाले सवालों के तमाम जवाब ऑनलाइन ही मगाए जाएंगे। इसको लेकर सभी विभागों को इसके संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह के मुताबिक ई विधान को लेकर प्रक्रिया चल रही है।

विधानसभा को दी जाएगी ट्रेनिंग

ई विधान लागू करने के पहले सभी विधायकों को इससे जुड़ी तकनीकी जानकारियों से रूबरू कराया जाएगा। इसके लिए विधानसभा के मॉनसून सत्र में सभी विधायकों के लिए ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। इसमें विधानसभा की कार्यवाही से फ्री होने के बाद विधायक ई विधान के तकनीकी पहलुओं की ट्रेनिंग ले सकेंगे। विधानसभा में सवाल लगाने के लिए विधायकों को पहले ही ऑनलाइन विकल्प दिया जा चुका है। पिछले विधानसभा सत्र में आधे से ज्यादा विधायकों द्वारा ऑनलाइन ही अपने सवाल भेजे थे।

सरकार ने मौत के बाद आईएएस अधिकारी को किया परेशान, दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में की ये सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट से मध्य प्रदेश सरकार को ब्रुस अधिकारी विनय शुक्ला (मृत) के मामले में झटका लगा है। हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार ने एक मृत ब्रुस अधिकारी को सालों तक प्रताड़ित किया और उसकी सेवानिवृत्ति के लाभ रोककर संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने सरकार की इस कार्रवाई को 'मनमाना और परेशान करने वाला' बताया है।

सात साल तक रोके रखे पेंशन लाभ

मामला IAS अधिकारी विनय शुक्ला (अब मृत) से जुड़ा है, जिनकी रिटायर के बाद लगभग सात वर्षों तक पेंशन और दूसरे लाभ रोके गए। कोर्ट ने पाया कि मध्य प्रदेश सरकार ने एक वसूली नोटिस की आड़ में उनके पेंशन लाभ नहीं दिए, जो नौकरी से हटाए गए समय में सरकारी आवास पर कथित अनधिकृत कब्जे को लेकर जारी किया था।

मृत्यु के बाद भी जारी रही प्रताड़ना

न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह की एकल पीठ ने कहा कि यह केवल अधिकारी के जीवित रहते तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनकी मृत्यु के बाद भी प्रताड़ना जारी रही। साल 2022 में विनय शुक्ला के निधन के बाद उनका भाई न्याय के लिए लड़ता रहा।

अब खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग खुद करेगा पीडीएस की निगरानी

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की निगरानी व्यवस्था में होगा बदलाव

भोपाल। प्रदेश में सरकार की सख्ती के बाद भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार और अन्य शिकायतें लगातार आ रही हैं। इसको देखते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग निगरानी व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसके तहत अब पीडीएस की निगरानी खुद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग करेगा। खाद्य विभाग में नई व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव फिलहाल विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी के पास लंबित है। बताया गया कि विभाग पीडीएस निगरानी की व्यवस्था को बदलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन मंत्री चाहते हैं कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में सिर्फ विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी रहें। दूसरे विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों की इसमें भूमिका नही रहे।

गौरतलब है कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सार्वजनिक वितरण प्रणाली को दुरूस्त बनाने में जुटा हुआ है। इसके तहत मप्र सरकार का खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग दशकों पुरानी सार्वजनिक वितरण प्रणाली की निगरानी व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य को बाहर करने जा रहा है। खाद्य विभाग भण्डार गृहों से लेकर जिला भंडार केंद्र एवं राशन दुकानों तक सप्लाई व्यवस्था की पूरी निगरानी अपने हाथों में लेने जा रहा है। इसके लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शासन को नोटशीट भेजी है। जिस पर विचार होना है।

हर स्तर पर होगी निगरानी

यदि सार्वजनिक वितरण प्रणाली की यह नई व्यवस्था लागू होती है तो फिर बड़े गोदामों से राशन के परिवहन होने से लेकर जिला भंडार केंद्रों पर उतरने एवं फिर राशन दुकानों तक पहुंचाने तक की पूरी निगरानी खाद्य विभाग ही करेगा। यानी जिलों में भी अधिकारी प्रदेश स्तर से तय होंगे। खाद्य विभाग का कौनसा अधिकारी भंडार गृहों से माल निकलवाएगा और कौनसा राशन दुकानों तक पहुंचेगा। इसकी जमावट शासन स्तर पर या फिर संचालनालय स्तर से की जाएगी। यह बात अलग है कि खाद्य विभाग में अमले की कमी है। यदि राशन वितरण, भंडारण एवं परिवहन निगरानी व्यवस्था से एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य को हटाया जाता है तो फिर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को अधिकारियों की समस्या का सामना करना पड़ेगा। यह भी संभव है कि जिले में राशन वितरण से लेकर भंडारण एवं परिवहन की निगरानी व्यवस्था एक ही अधिकारी को सौंप दी जाए। वर्तमान में वेयर हाउस प्रभारी से लेकर भंडार प्रभारी एवं वितरण प्रभारी एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य को बनाया जाता है। मप्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हर महीने 5.43 करोड़ लोगों को राशन मिलता है। जिसमें एक व्यक्ति को 5 किलो अनाज मिलता है। आधार लिंकिंग से 5 लाख से ज्यादा नाम काटे गए हैं, संभवत- ये नाम फर्जी थे या हितग्राही प्रदेश छोड़ गया है या दुनिया में नहीं है। ई-केवायसी नहीं कराने वालों के भी नाम काटे जा रहे हैं।

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग के बीच कांग्रेस भी सक्रिय

- प्रदेश प्रभारी आज से लेंगे ब्लॉक-जिला कांग्रेस की बैठक

भोपाल। पचमढ़ी में भाजपा विधायकों और सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग के बीच, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भोपाल दौरे पर आ रहे हैं। वे पार्टी के संगठन सृजन अभियान को लेकर ब्लॉक और जिला स्तर पर आयोजित बैठकों में शामिल होंगे। चौधरी 19 जून तक प्रदेश में रहेंगे। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत चौधरी अगले चार दिन तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान जिलों में पार्टी द्वारा नियुक्त जिला संगठन सृजन प्रभारियों के दौरे भी शुरू हो चुके हैं। ये प्रभारी जिलों में जाकर मंडलम, सेक्टर और ब्लॉक इकाइयों की बैठकें ले रहे हैं।

आज सिलवानी में बैठक

हरीश चौधरी आज सुबह रायसेन जिले के सिलवानी जाएंगे और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिलवानी की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद भोपाल लौटकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में विदिशा पायलट प्रोजेक्ट पर संगठनात्मक बैठक लेंगे। उसके बाद 17 जून को बैतूल जिले के मुलताई विधानसभा के प्रभातपट्टन में संगठन सृजन अभियान की बैठक में भाग लेंगे। फिर आठनेर ब्लॉक के माडवी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसी दिन हरदा जिले के करताना में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक भी लेंगे। 18 जून को विदिशा जिले के गंजबासौदा में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल होंगे।

आईसीसी के नियम बदलेंगे

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष वर्ग के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव की बात कही है। आईसीसी के अनुसार टेस्ट मैचों के लिए 17 जून, एकदिवसीय के लिए 2 जुलाई और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए 10 जुलाई से नियम बदलेंगे। इन बदलावों की सिफारिश आईसीसी क्रिकेट समिति ने की थी। वहीं आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति ने ने भी बदलावों की अनुमति दी दी है। एकदिवसीय में गेंदों के के बारे में एक नया नियम और (सिर पर गेंद लगने पर) कन्कशन सब्सटीट्यूट के लिए एक नया नियम बनाया गया है

अब तक एकदिवसीय में दोनों छोर से दो नई गेंदों का इस्तेमाल किया जाता रहा है पर अब नए नियम के तहत 34वें ओवर के बाद गेंद बदली जाएगी। वहीं पारी की शुरुआत से लेकर 34वें ओवर के अंत तक दो गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा, दोनों छोर से एक-एक। हालांकि 35वें ओवर से लेकर पारी के अंत तक, गेंदबाजी टीम द्वारा दो में से केवल एक गेंद का चयन किया जाएगा और दोनों छोर से उसका इस्तेमाल किया जाएगा। अगर मैच शुरू होने से पहले 25 ओवर या उससे कम का हो जाता है, तो शुरू से केवल एक नई गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बेहतर संतुलन लाने के लिए ये यह बदलाव किये जार रहे हैं।

इसके अलावा आईसीसी ने कन्कशन सब्सटीट्यूट नियम को भी संशोधित किया है ताकि इसे और अधिक स्पष्ट बनाया जा सके जिससे मैचों के दौरान किसी भी तरह का संशय न हो। अब से टीमों को खेल शुरू होने से पहले मैच रेफरी को पांच संभावित सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों की सूची देनी होगी। इस सूची में प्रत्येक विशिष्ट भूमिका के लिए एक खिलाड़ी, एक बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर शामिल होना चाहिए।

यह बदलाव हाल के मैचों में कुछ विवादों के बाद आया है। उदाहरण के लिए इस साल जनवरी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एक टी20आई मैच के दौरान बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को शामिल किया था। राणा ने तीन विकेट लिए जिससे इस तरह के प्रतिस्थापन की निष्पक्षता के बारे में सवाल उठ गये थे। ऐसे में नये नियम के तहत कि केवल समान विकल्प की अनुमति दी जाएगी। यदि नामित कन्कशन विकल्प भी घायल हो जाता है, तो मैच रेफरी मूल पांच में से किसी एक प्रतिस्थापन को मंजूरी दे सकता है, लेकिन केवल तभी जब वह उसी खेल भूमिका में हो।

इन बड़े बदलावों के अलावा बनी हॉप नियम के तहत क्षेत्ररक्षक सीमा के बाहर से कूदकर हवा में कैच ले सकते थे, अब ऐसा कैच अमान्य होगा। ये इसलिए ताकि कैच को लेकर सवाल न उठें।

आईसीसी टूर्नामेंट में साल 2010 में इंग्लैंड से फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलिया

मुंबई । दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार तय हैं। दरअसल, द. अफ्रीका जीत से महज 69 रन दूर है। इसके बाद अगर ऑस्ट्रेलिया को हार मिलती है, तब ये हार चैंपियन टीम के लिए यह काफी दर्दनाक होगी। ऑस्ट्रेलिया टीम को उनके बेमिसाल रिकॉर्ड्स और आईसीसी ट्रॉफी के लिए जाना जाता है। क्रिकेट के इतिहास में टीम ने अभी तक सर्वाधिक 10 आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं। इसके बाद फैंस यह जानने को इच्छुक हैं कि आखिरी बार कब ऑस्ट्रेलिया फाइनल में हारा था। ऑस्ट्रेलिया ने बीते 10 सालों में 2 वनडे वर्ल्ड कप (2019, 2023) 1 टी20 वर्ल्ड कप और 1 डब्ल्यूटीसी का खिताब जीता था। जब भी टीम फाइनल में पहुंची है, तब खिताब उठाने में कामयाब रही है। ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी टूर्नामेंट में आखिरी बार फाइनल में हार का सामना 2010 में करना पड़ा था जब इंग्लैंड ने उन्हें हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इसके साथ स्टीव स्मिथ के करियर पर धब्बा भी लग सकता है। दरअसल, स्टीव 2010 टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे और वह लॉर्ड्स में जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका से हारता है, तब स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के इतिहास के पहले खिलाड़ी बनने वाले हैं, जिनके नाम दो फाइनल हारने का शर्मनाक रिकॉर्ड होगा।

गंभीर की वापसी तक भारतीय टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे लक्ष्मण

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के कोच की जिम्मेदारी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को दी गयी है। लक्ष्मण को इसलिए कोच की जिम्मेदारी दी गयी है क्योंकि मुख्य कोच गौतम गंभीर मां की बिमारी के कारण सवदेश लौट गये हैं। उनके 20 जून तक टीम से जुड़ने की संभावना है। तब तक लक्ष्मण भारतीय टीम का ध्यान रखेंगे। भारतीय टीम अभी फिलहाल शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ए के खिलाफ 4 दिवसीय

12 सेमीफाइनल हारने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को मिली सफलता

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम की मेहनत आखिरकर रंग लायी और 12 सेमीफाइनल हारने के बाद उसे आईसीसी खिताब जीतने में सफलता मिल ही गयी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने आईपीसी विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया है। इस जीत में कप्तान टेम्बा बावुमा, बैटर ऐडन मार्करम और पेसर कगिसो रबाडा ने अहम भूमिका निभाई। अफ्रीकी टीम को करीब तीन दशक के बाद आईसीसी खिताब जीता है। इससे पहले उनने 1988 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। साल 1991 में 22 साल प्रतिबंध के बाद विश्व क्रिकेट में वापसी करने वाली दक्षिण अफ्रीका इससे पहले तीनों प्रारुपों के अलग-अलग विश्व कप में एक फाइनल और सात सेमीफाइनल हारी थी। साल 1970 तक अफ्रीकी क्रिकेट टीम में सिर्फ श्वेत खिलाड़ियों को मौका मिलता था। दक्षिण अफ्रीका उन टीमों के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलता था जिनमें एक भी अश्वेत खिलाड़ी हो। इसलिए वह भारत, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान जैसी टीमों से नहीं खेलता था। दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति का भारत और वेस्टइंडीज ने कड़ा विरोध किया और अफ्रीका पर 22 साल का प्रतिंध लग गया था। यह बैन 1991 में तय समय से करीब एक साल पहले हटा। इसके बाद अफ्रीकी टीम सबसे पहले भारत दौरे पर पहुंची थी।

1992 में अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। तब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में हुए एकदिवसीय विश्वकप में दक्षिण अफ्रीकी टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। आईसीस टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत के बाद 1996 से 2015 तक टीम 6 में 5 बार नॉकआउट राउंड में पहुंची पर उसे यहां हार झेलनी पड़ी। टीम कभी क्वार्टर फाइनल तो कभी सेमीफाइनल हारकर बाहर हो गई। 2003 और 2019 में टीम नॉकआउट राउंड में भी नहीं पहुंच पायी।

ऑस्ट्रेलियाई कोच मैकडॉनल्ड ने टीम में बदलाव के संकेत दिये

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूसीसी) फाइनल में अपनी टीम की हार पर निराशा जतायी है। कोच ने कहा कि अब नये डब्ल्यूसीसी चक्र में टीम बदलावों के साथ उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम लॉर्ड्स की दूसरी पारी में बल्लेबाजी में विफल रही थी। मार्नस लाबुशेन को उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा गया था जिससे वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतारा जा सके पर ये प्रयोग विफल रहा। लाबुशेन रन बनाने में असफल रहे। उनके अलावा ख्वाजा और ग्रीन भी अधिक देर नहीं टिक पाये।

मैकडॉनल्ड ने कहा, इस टेस्ट मैच से पहले पारी की शुरुआत को लेकर काफी बात हुई थी और मैं ओपनिंग संयोजन की जरूरत के बारे में बात कर रहा था। हमने वहां कुछ बदलाव किये पर अब समय आ गया है कि किसी को स्थायी तौर पर रखा जाये। हमको यह कहना होगा कि इस टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका बेहतर था। हमें उन सुधारों पर ध्यान देना होगा जो हमें करने की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

इस सत्र में लाबुशेन का औसत सिर्फ 27.82 रहा है, और ऐसे में उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में शायद ही जगह मिले। मैकडॉनल्ड ने जोर देकर कहा कि वह टीम के भविष्य का एक बड़ा हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, उस उम्र में टेस्ट क्रिकेट में 45, 46 का औसत रखने वाला कोई भी खिलाड़ी महत्वपूर्ण है। हमारे पास ऐसे पुराने खिलाड़ी हैं जो शुरुआत की तुलना में अंत के करीब हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो आ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर वह अगले 4 से 5 सालों तक अपने खेल को अच्छे क्रम में रख सकता है, तो वह उस बल्लेबाजी क्रम को मजबूत कर सकता है हालांकि इस बार वह बड़े स्कोर बनाने से रह गया है पर हमें विश्वास है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ सकता है और इसलिए हम उसे टीम में रखते हैं। ख्वाजा के बारे में बात करते हुए मैकडॉनल्ड ने संकेत दिया कि उन्हें वही रन दिए जा सकते हैं जो डेविड वार्नर को दिए गए थे जब वह अपने टेस्ट करियर के अंतिम चरण में थे।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोच मोर्कल ने जताया संतोष

लंदन। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से प्रारंभ हो रहे पांच टेस्ट मुकाबले से पूर्व भारतीय खिलाड़ी ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं। ट्रेनिंग सेशन के दौरान टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया है।

गेंदबाजी कोच ने इस बात पर जोर दिया है कि अभ्यास के साथ-साथ मैदान पर निरंतरता इंग्लैंड में महत्वपूर्ण होगी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर मोर्ने मोर्कल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मोर्कल ने कहा, अब तक के दो दिवसीय अभ्यास में, परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए एक परीक्षा थी, जो एक तरह से उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार होने में भी मदद करती है। मुझे नहीं लगता कि विकेट में उतनी जान होगी, जितना हमने यहां अनुभव किया है।उन्होंने आगे कहा, बल्ले और गेंद के बीच कशमकश काफी अच्छी रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह केवल इसलिए है

क्योंकि विकेट में थोड़ी-सी जान है। जैसे ही विकेट सपाट हो जाता है, गेंदबाज पीछे हट जाते हैं। मैं उन्हें बताऊंगा कि केवल तब आक्रामकता दिखाएं, जब विकेट में बाउंस हो। जब विकेट सपाट हो, तब हमें अपना कैरेक्टर दिखाना होगा। गेंदबाजी कोच ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता महत्वपूर्ण है। जब हम अभ्यास करते हैं तो निरंतरता होती है। मैदान के बाहर निरंतरता होती है। यह जानना होता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर आपके लिए क्या बेहतर होगा। हमारे पास बहुत विविधता है, हमारे आक्रमण में विविधता है, अलग-अलग स्किल्स वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और फिर भी बुनियादी बातों को अच्छी तरह से लागू कर सकते हैं। मोर्केल ने कहा, कुल मिलाकर, अब तक की शुरुआत से खुश हूं। हम जिस तरह से लाल गेंद से नहीं खेले हैं, उसे देखते हुए मैं थोड़ा नर्वस था, लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों की ट्रेनिंग देखना सुखद है। हमारे पास एक शानदार टीम है, ऊर्जा है, आपको इसकी जरूरत है। आपको टेस्ट सीरीज में आत्मविश्वास के साथ खेलने और टीम भावना रखने की जरूरत है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज के साथ भारतीय टीम 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करने जा रही है।

विमान हादसे के कारण एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का अनावरण स्थगित

लंदन। अहमदाबाद में हुए एयरइंडिया विमान हादसे के कारण भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का अनावरण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। इस ट्रॉफी का अनावरण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) फाइनल के दौरान किया जाना था पर इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद इसे स्थगित कर दिया। ईसीबी के एक अधिकारी ने कहा, भारत में हुई दुखद घटना को देखते हुए नई तारिख की घोषणा में कुछ समय लग सकता है। भारतीय बोर्ड इसके लिए सही समय का इंतजार करेगा। गौरतलब है कि पहले ये ट्रॉफी पटौदी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। इसका नाम तेंदुलकर-एंडरसन के नाम पर इसलिए रखा गया ताकि इन दोनो ही खिलाड़ियों के प्रति सम्मान प्रकट किया जा सके। जहां तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलना और सबसे ज्यादा 15,921 टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है। वहीं एंडरसन ने पिछले साल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एंडरसन दूसरे सबसे ज्यादा 188 टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वे टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच 20 जून से लीड्स में 20 जून को खेला जाएगा।

सौरव गांगुली की गिल को सलाह...बुमराह का इस्तेमाल विकेट टेकर के रुप में करे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को बेहतर बनने के लिए भारतीय गुट को सलाह दी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम नए दौर की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम ने आगामी सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा है कि गिल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह को बतौर विकेट टेकर इस्तेमाल करना चाहिए।

गांगुली ने कहा, आपको देखना होगा और एक दिन में बुमराह से 12-13 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करने देनी है। गिल को बुमराह को इसतरह से इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे लगता है कि चार तेज गेंदबाज महत्वपूर्ण हैं। यहां, दूसरों को सिराज, अर्शदीप जैसे योद्धाओं की जरूरत होगी। नितीश या शार्दुल ठाकुर के बारे में निश्चित नहीं हूं। शायद वे बल्ले से कुछ रन बना सकें, लेकिन मुझे लगता है कि भारत को सात बल्लेबाजों का साथ देना चाहिए और विशेषज्ञ गेंदबाजों की जरूरत है, क्योंकि हमें टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट चाहिए।

6 माह बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान बताया था कि मेडिकल टीम से मिले परामर्श के अनुसार 31 वर्षीय बुमराह सभी पांच टेस्ट मैचों में नहीं खेलने वाले है। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून को लीड्स में होगा।

इंग्लैंड सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

भारत ए ने सरफराज के शतक से बनाये 6 विकेट पर 299 रन

बेकनहम। इंग्लैंड दौरे पर गयी भारतीय टीम आजकल अभ्यास के लिए भारत ए टीम से मैच खेल रही है। इस मैच के दूसरे दिन भारत ए के सरफराज खान ने शानदार शतक लगाया। सरफराज ने 76 गेंदों पर ही तेजी से खेलते हुए 101 रन बना दिया। सरफराज की अच्छी बल्लेबाजी से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 6 विकेट प 299 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय ईशान किशन 45 रन और शार्दुल ठाकुर 19 रनों पर खेल रहे थ। सरफराज ने इस मैच में शतक लगाकर पहले टेस्ट के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सरफराज ने इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में भी 92 रन बनाए थे। वहीं ऋतुराज गायकवाड़ इस मैच में असफल रहे और 2 गेंद ही खेल पाये। इसके बाद अभिमन्यु ईश्वरन ने 39 और साई सुदर्शन ने 38 रन बनाए। ये दोनों ही टेस्ट टीम में शामिल है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए।

भूटिया ने फुटबॉल महासंघ के प्रमुख कल्याण के आरोपों को खारिज किया

कोलकाता। दिग्गज फुटबॉलर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्रमुख कल्याण चौबे में आजकल घमासान छिड़ा है। एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग के हाथों भारतीय टीम की हार के बाद जहां भूटिया ने एआईएफए प्रमुख पर भारतीय फुटबॉल को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह अपना पद छोड़ दें। वहीं इसके बाद कल्याण ने भी पलटवार करते हुए भूटिया पर

अपने स्वार्थ के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया है। जिन्हें भूटिया ने खारिज कर दिया है। कल्याण ने कहा कि वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 अलग अलग शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है। चौबे भूटिया फुटबॉल स्कूल का जिक्र कर रहे थे जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा कि ये पूरी तरह से निहित स्वार्थ है पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते हैं कि उस व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल को उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं तो मैं भी एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बन जाउंगा जो सही नहीं है। वहीं भूटिया ने चौबे के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। इसके लिए उन्होंने राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई पैसा नहीं लिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं।

स्मिथ को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज तक फिट होने की उम्मीद

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगुली में चोट लग गयी थी। स्मिथ को ये चोट कैच लेने के प्रयास में लगी इसी कारण उन्हें तीसरे दिन के खेल के दौरान अपनी दाहिनी छोटी उंगली में डिस्लोकेशन के बाद अस्पताल ले जाया गया था। भेजा गया। स्मिथ के लिए रिकवरी काफी अच्छी रही है और उन्हें सर्जरी की जरुरत नहीं पड़ी। अब उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 25 जून से शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने की संभावना है।

33 साल बाद दोबारा वर्ल्ड चैंपियन बनने में सफल रहा साउथ अफ्रीका

नई दिल्ली। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया। साउथ अफ्रीका की यह जीत अफ्रीकी टीम के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक रही।

दरअसल, साउथ अफ्रीका ने 27 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीती है और 33 साल बाद वह दोबारा वर्ल्ड चैंपियन बनने में सफल हुआ है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में सलामी बल्लेबाज एडन मार्करम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 136 रन की मैच जिताऊ पारी खेली, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा ने 66 रन बनाकर टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका के सामने 282 रनों का मजबूत लक्ष्य रखा था। हालांकि, अफ्रीकी बल्लेबाजों ने धैर्य और आक्रामकता के संतुलन के साथ लक्ष्य का पीछा किया और महज पांच विकेट गंवाकर जीत दर्ज की। टेम्बा बावुमा की कप्तानी में टीम ने ना सिर्फ टूर्नामेंट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया बल्कि फाइनल जैसे दबाव वाले मुकाबले में भी संयम बनाए रखा।

युवा तेज गेंदबाज मार्को ऑलराउंडरों में हो सकते हैं शुमार-पोंटिंग

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडरों में शुमार हो सकते हैं। यह मानना है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग का। पोंटिंग ने कहा कि जेनसन के पास गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करने की काबिलियत है और वे अपने करियर के शुरुआती दौर में ही प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। पोंटिंग ने जेनसन को नजदीक से तब देखा जब वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोचिंग के दौरान उनके साथ जुड़े।

उन्होंने कहा कि जेनसन लंबी कद-काठी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी तकनीकी क्षमता और मानसिक संतुलन उन्हें खास बनाते हैं। लॉर्ड्स में चल रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन जेनसन ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को बुरी तरह झकझोर दिया। उन्होंने 14 ओवर में 49 रन देकर तीन अहम विकेट झटके, जिनमें मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज शामिल थे। दूसरे दिन उंगली में चोट लगने के बावजूद जेनसन मैदान पर लौटे और एक बार फिर लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर यह दिखा दिया कि उनमें खेल के प्रति जबरदस्त जज्बा है। पोंटिंग ने कहा कि वह बेहद शांत स्वभाव के हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनमें एक मजबूत प्रतिस्पर्धा की भावना नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है। आईपीएल 2025 में जेनसन ने पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने विकेट भी चटकाए और जरूरत के समय उपयोगी रन भी बनाए। भारत में उनके खेल को देख पोंटिंग को जेनसन की प्रतिभा पर भरोसा हो गया और उन्हें यह उम्मीद है कि वे आने वाले वर्षों में टेस्ट क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में शामिल होंगे। पोंटिंग ने अंत में कहा कि जेनसन अभी करियर की शुरुआत में हैं, लेकिन उनमें वह सब कुछ है जो किसी खिलाड़ी को महान बनाता है। वहीं, जेनसन ने भी पोंटिंग से मिली सीख को बेहद कीमती बताया और कहा कि उन्होंने खासकर मानसिक रूप से सकारात्मक सोचने की कला सीखी है। जेनसन के अनुसार, पोंटिंग हमेशा अच्छा देखने और सोचने की प्रेरणा देते हैं, जो उन्हें मैदान पर स्थिर और आत्मविश्वासी बनाए रखती है।

792 वन ग्राम बने राजस्व ग्राम

3 लाख से अधिक वन अधिकार दावे मान्य

भोपाल। मप्र में वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत जनजातीय और पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों को मान्यता देने की प्रक्रिया लगातार चल रही है। वन अधिकार अधिनियम के तहत अब तक प्रदेश के 792 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया जा चुका है। इसके लिए जिला कलेक्टर्स द्वारा आवश्यक अधिसूचनाएं जारी की गई हैं, जिससे वनवासियों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेना और भी सुगम हुआ है। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देश पर प्रदेश में सभी जिलों का एफआरए एटलस भी तैयार कर लिया गया हैं। इस एटलस की सहायता से सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के कार्यों को सुचारू बनाया जा रहा है।

वहीं प्रदेश में अब तक 2,75,352 से अधिक व्यक्तिगत और 29,996 सामुदायिक वन अधिकार दावों को स्वीकृति दी जा चुकी है। इन दावों का निराकरण पात्रता अनुसार विधिक प्रक्रिया के अनुसार किया गया है। प्रदेश में अब तक 55,357 वन अधिकार पत्र धारकों को कपिलधारा कूप, 58,796 को भूमि सुधार, 61,054 को प्रधानमंत्री आवास, और 1,86,131 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिया जा चुका है। इसके अलावा, 21,514 वन अधिकार पत्र धारकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना से भी जोड़ा गया है।

वन अधिकार अधिनियम की अहमियत

वन अधिकार अधिनियम 2006 का उद्देश्य जनजातीय समुदायों और पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों को संरक्षित करना है। यह अधिनियम वनवासियों को उनके पुश्तैनी निवास, कृषि भूमि, और जंगल के संसाधनों जैसे लकड़ी, फल, और जड़ी-बूटी पर मालिकाना हक प्रदान करता है। इसके तहत, ग्राम सभा दावों की पुष्टि करती है और उन्हें मंजूरी देती है। वन अधिकार अधिनियम से वनवासियों को अपने पारंपरिक जीवन और संस्कृति को सुरक्षित रखने में मदद मिली है। मप्र वन विभाग अब जंगल को पूरी तरह से डिजिटल करने में जुटा हुआ है। इससे जंगल में होने वाली कोई भी घटना की जानकारी तत्काल उच्च अधिकारियों तक पहुंच जाएगी। दावा किया जा रहा है कि इससे जंगल में होने वालें अतिक्रमण, अवैध कटाई, अवैध उत्खनन, अवैध शिकार सहित अन्य घटनाओं में कमी आएगी। पौधारोपण में होने वाली गड़बड़ी भी इससे कम होगी। जंगल को पूरी तरह से डिजिटल करने के साथ ही मैपिनर साफ्टवेयर की मदद से पौधारोपण के नक्शे भी तैयार किए जा रहे है। इससे हर साल होने वाले वृक्षारोपण की तस्वीर साफ दिख जाएगी। इस साफ्टवेयर में कई तरह के फीचर है। लाईन फीचर, पाइंट फीचर, पालिगान फीचर सहित अन्य कई तरह की तकनीकी खूबियां है। इस साफ्टवेयर के जरिए जंगल की पूरी गतिविधि पर कर्मचारी नजर रख सकते हैं। जंगल में होने वाले वन अपराधों को भी रोका जा सकता है।

डिजिटल किया जा रहा रिकॉर्ड

अब 792 वन ग्रामों का डिजिटल रिकॉर्ड प्रदेश स्तर पर तैयार किया जा रहा है। इससे वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में बदलने से वन ग्रामों के निवासियों को भूमि का कानूनी अधिकार मिलेगा, जिससे वे अपनी जमीन पर खेती कर सकेंगे और उसे बेच सकेंगे। राजस्व ग्राम बनने के बाद, वन ग्रामों के निवासी सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे, जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्वला योजना, जिनका लाभ अभी यहां के निवासियों को नहीं मिल पा रहा है। राजस्व ग्राम बनने के बाद, वन ग्रामों में विकास कार्य जैसे सडक़, बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल आदि आसानी से शुरू हो सकेंगे। अभी इन कामों के लिए वन विभाग की अनुमति लेना होती है। वन ग्रामों की सार्वजनिक संपत्तियां, जैसे कि सामुदायिक भवन, श्मशान भूमि, तालाब, सडक़, धार्मिक स्थल आदि, ग्राम पंचायत को हस्तांतरित हो जाएंगे। इस परिवर्तन से वन ग्रामों के निवासियों का जीवन स्तर बेहतर होगा और वे विकास की मुख्य धारा से जड़ पाएंगे।

नहीं हो रहा था पट्टों का नवीनीकरण

अब वनग्रामों की वनभूमि में रहने वालों के पटटी का नवीनीकरण नहीं हो पा रहा है था। मप्र सरकार ने 1976 तक के पात्रो को 15 साल के पट्टे दिए थे। इनकी अवधि 1992 में समाप्त होने पर 1996 में इन पट्टों का नवीनीकरण किया गया। इनकी अवधि 2007 में समाप्त होने पर पट्टों के नवीनीकरण के लिए भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को कई बार भेजा जा चुका है, लेकिन नवीनीकरण की स्वीकृति अब तक नहीं मिल पा रही थी। ऐसे वन ग्राम जो राजस्व ग्राम में परिवर्तित हो गए है। अब उनको सभी प्रकार की सुविधाएं मिल सकेंगे। प्रदेश के जंगलों में स्थित वन ग्रामों को राजस्व गांव बदलने के लिए डिनोटिफाई करने से पहले राज्य सरकार को इतनी ही राजस्व भूमि वन विभाग को स्थानांतरित करने की सहमति पहले ही बन चुकी थी। यही नहीं, वन संरक्षण एक्ट के अंतर्गत वन भूमि को डिनोटिफाई करने से पहले राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट से अनुमति भी लेनी होती है। ये सब प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में बदलने की अधिसूचनाएं जिला कलेक्टरों द्वारा जारी की जा चुकी हैं।

सप्लीमेंट्री बजट की तैयारियां शुरू, जनहित योजनाओं पर होगा विशेष ध्यान

भोपाल । मप्र की डॉ. मोहन यादव की सरकार साल 2025-26 का पहला सप्लीमेंट्री बजट पेश करेगी। इसके लिए विभाग 13 जून तक वित्त विभाग को जानकारी देंगे। वित्त विभाग ने इसे लेकर सभी विभागों को आदेश जारी कर दिया है। सप्लीमेंट्री बजट में फिजूलखर्ची और अफसर के लिए वाहन खरीदी के लिए बजट नहीं मिलेगा। वित्त विभाग ने आदेश में कहा हैं कि विभाग, वाहन खरीदी का प्रस्ताव न भेजे। यह बजट मुख्यत: केंद्र प्रायोजित योजनाओं और जनहित योजनाओं के लिए होगा। राज्य सरकार सेंट्रल स्पॉन्सर स्कीम में फंड जमा करेगी। इस सप्लीमेंट्री बजट में जनहित से जुड़ी योजनाओं के लिए भी अतिरिक्त व्यवस्था रहेगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में जनहित की योजनाओं की भरमार है। सरकार के बजट का एक बड़ा हिस्सा जनहित की योजनाओं पर खर्च होता है। यही नहीं योजनाओं और परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए सरकार लगभग हर महिने कर्ज ले रही है। ऐसे में सप्लीमेंट्री बजट सरकारी योजनाओं को रफ्तार देगा। अनुपूरक बजट से तात्पर्य ऐसे बजट से है जिसे सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान आवश्यक खर्चों के लिए स्वीकृत किया जाता है। यह बजट उस समय प्रस्तुत किया जाता है जब मौजूदा बजट में निर्धारित राशि पूरी नहीं होती या अतिरिक्त खर्चों की आवश्यकता होती है। अनुपूरक बजट एक समेकित विवरण होता है, जिसे अनुपूरक बजट के रूप में जाना जाता है।

13 जून तक देने होंगे प्रस्ताव

जानकारी के अनुसार जुलाई में होने वाले मानसून सत्र की तैयारियां वित्त विभाग ने शुरू कर दी हैं। वित्त विभाग की ओर से इस सत्र में पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा जिसके लिए सभी विभागों से अनुपूरक बजट संबंधी प्रस्ताव मांगे गए हैं। प्रस्तावों का परीक्षण करने के बाद वित्त मंत्री की अनुमति से इसे कैबिनेट में पेश किया जाएगा और फिर विधानसभा में लाया जाएगा। वित्त विभाग ने वर्ष 2025-26 के पहले अनुपूरक बजट की तैयारियों के मद्देनजर सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव को लिखे पत्र में कहा हैं कि 13 जून तक वे अपने विभाग से संबंधित अनुपूरक बजट के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेज दें। जीरो बेस बजट प्रणाली के आधार पर समीक्षा के बाद पूर्व में लंबित बिलों का भी बजट में प्रावधान किया जा चुका है। ऐसे में अब विभागों की जिम्मेदारी है कि तय प्रावधानों के अंतर्गत ही आईएफएमआईएस पर ऑनलाइन प्रस्ताव भेजें। सप्लीमेंट्री बजट में सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि अफसरों के लिए वाहन खरीदी का कोई भी प्रस्ताव मंजूर नहीं होगा।

लोक परिवहन सेवाओं के लिए करना होगा और इंतजार

- अभी केवल इंदौर व उज्जैन संभाग में हर पूरा हुआ है सर्वे का काम

भोपाल (ईएमएस)। लोक परिवहन सेवाओं को जमीन पर उतारने से जुड़े पहले चरण के सर्वे का काम परिवहन विभाग ने इंदौर व उज्जैन संभाग में लगभग पूरा कर लिया है। अब यहां चिह्नित किए गए मार्गों को फाइनल किया जा रहा है। उधर आठ परिवहन कंपनियों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मार्गों पर रिहर्सल पूरी होते व कंपनियों के अस्तित्व में आते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। ऐसे में प्रदेश में पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर चलने वाली बसों में सफर करने के लिए लोगों को अभी इंतजार करना होगा। परिवहन विभाग की ओर से बसों के संचालन को लेकर राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के गठन की प्रक्रिया जारी है। साथ ही संभावित रूटों का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे में उन प्रमुख रूटों की पहचान की जा रही है, जहां यात्रियों का दबाव अधिक है और निजी परिवहन की पहुंच सीमित है। रूट सर्वे के आधार पर बसों का संचालन चरण-वार किया जाएगा।

इंदौर व उज्जैन संभाग में बसों के रूट को चिह्नित करने के लिए अगले चरण के सर्वे का काम जबलपुर व सागर संभागों के जिलों में शुरू होगा। यह मई के अंत तक शुरू हो जाएगा। इसके लिए एजेंसी तय कर दी है। इन संभागों में सर्वे का फोकस सबसे पहले परिवहन सेवा विहीन क्षेत्रों पर होगा।

स्वास्थ्य विभाग की धीमी गति से चल रही भर्ती प्रक्रिया

एसईबी ने एक साल में केवल एक परीक्षा की आयोजित

भोपाल। एक साल पहले 11 जून को कैबिनेट ने स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार 491 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, बुधवार को 1 साल पूरा हो गया लेकिन अभी तक केवल एक भर्ती की परीक्षा हो पाई है। जबकि 3 साल के भीतर भर्ती पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि डिप्टी सीएम स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला हर15 दिन में विभागीय समीक्षा में अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देते हैं। कर्मचारी चयन मंडल (एसईबी) ने फरवरी में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के 2267 पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी। इसके बाद अभी तक कोई परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। जबकि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया तय समय में पूरी कर ली जाएगी। इस पर जोरों से काम चल रहा है।

अस्पतालों में कर्मचारियों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी पूरी करने के लिए स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार 491 नए पदों का सृजन कर उन पर भर्ती के प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी दी थी। प्रस्ताव के अनुसार अस्पतालों में पैरामेडिकल स्टाफ, तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी की भर्ती की जानी है। कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया था कि इनमें से 18,653 पदों की पूर्ति 3 वर्ष में की जाएगी। शेष 27,828 पदों की पूर्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से होगी। इसके अलावा कैबिनेट में विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पड़े 1214 पदों में से 607 पद सीधी भर्ती से भरने और शेष पद मप्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरने का निर्णय लिया गया था। कर्मचारी चयन मंडल ने फरवरी में नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के 2267 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में भर्ती के लिए अन्य कोई परीक्षा नहीं हुई।

प्रदेश अस्पतालों स्टाफ की भारी कमी

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में स्टॉफ की भारी कमी है। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन स्टाफ नहीं बढ़ पा रहा है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या के अनुपात में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ नहीं होने से मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। इससे कई बार मरीजों को मजबूरी में प्रायवेट अस्पतालों में जाना पड़ता है। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अस्तपालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाते रहते हैं।

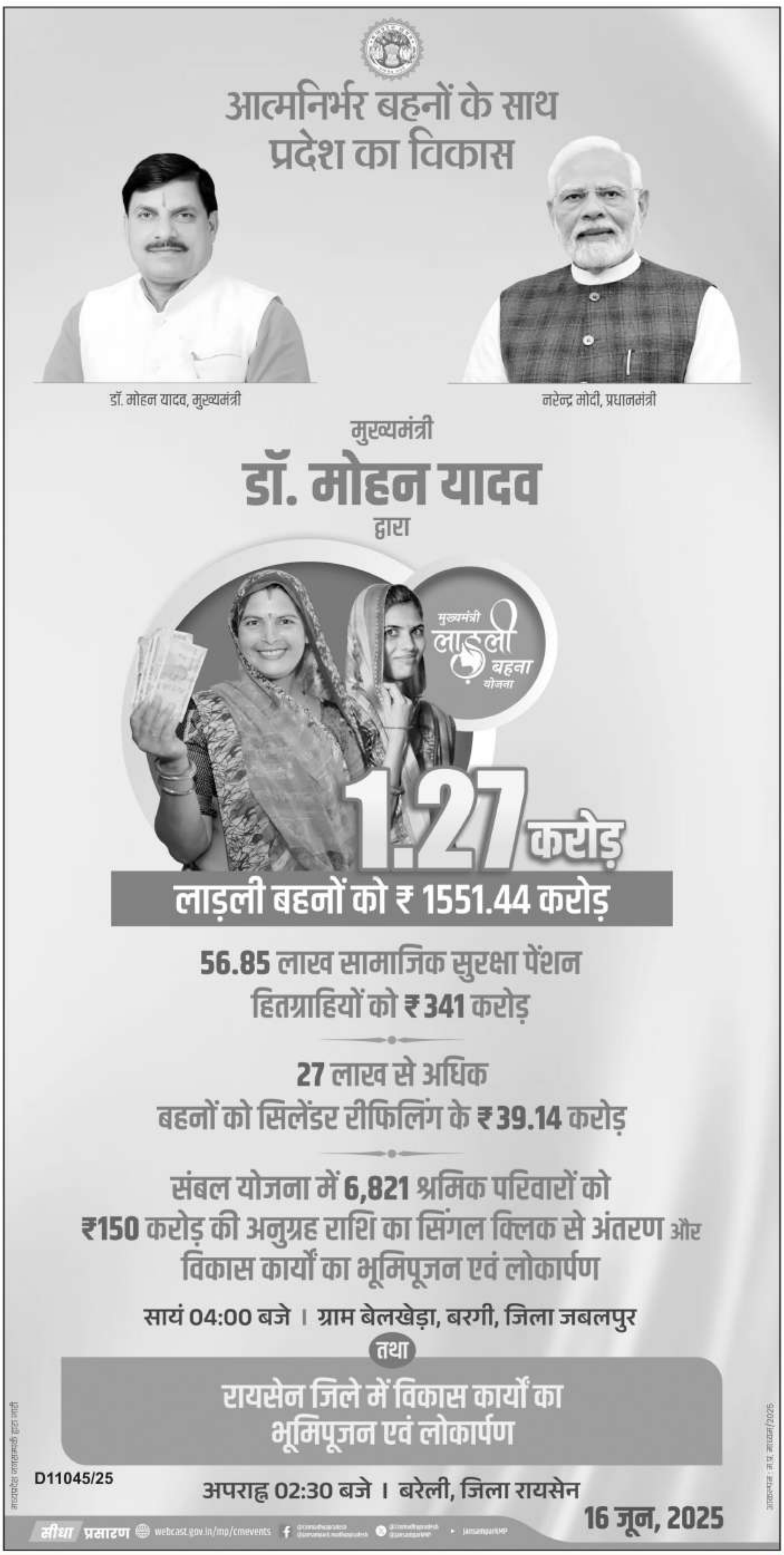

तेज रफ्तार कार की ठोकर से गंभीर रूप से घायल कृषक की मौत

गोंदिया रोड फोरलेन पर हुई दुर्घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। गोंदिया रोड ग्राम दिगोधा के पास फोरलेन पर बेलगाम बेलगाम कार की ठोकर से साइकिल सवार एक कृषक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक कृषक बसंत राय पिता नाना जी ठाकरे 55 वर्ष ग्राम दिगोधा थाना किरनापुर निवासी है। 15 जून को 10:00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह कृषक अपने घर से साइकिल में खेत जा रहा था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक बसंत राय ठाकरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था जिसके परिवार में पत्नी शशि कला ठाकरे और दो बेटे हैं। दोनों बेटे की शादी हो चुकी और वे सभी खेती किसानी करते हैं। कृषक बसंत राय ठाकरे का खेत गोंदिया रोड़ फोरलेन के उस पार है। बताया है कि 15 जून को 10 बजे करीब कृषक बसंत राय ठाकरे अपने घर से साइकिल में अपने खेत जाने निकला था जैसे ही वह फोरलेन पर पहुंचा ही था। कि उसी दौरान बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही कार ने साइकिल सवार कृषक बसंत राय को ठोस मार दिया। कार की जबरदस्त ठोकर से कृषक बसंत राय गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गया और उसकी साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के दौरान वहा कृषक बसंत राय के परिवार और गांव के लोग पहुंच गये थे। बताया गया कि गंभीर रूप से घायल कृषक बसंत राय ठाकरे उसी कार वाले ने जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया और वहा से चला गया। जिसके बाद कृषक बसंत राय ठाकरे की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले और आरक्षक मुकेश मानेश्वर ने मृतक कृषक बसंत राय का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना किरनापुर भिजवा दी है।

ग्राम बोदा में एक व्यक्ति ने अपने घर में लगाई फांसी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोदा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 14 जून की रात्रि यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर में अकेला था। और उसकी पत्नि दो बच्चों को लेकर अपने बहन के घर चली गई थी। भरवेली पुलिस ने मृतक रंजीत पिता स्व. लोटन नेवारे 45 वर्ष वार्ड नंबर 7 ग्राम बोदा निवासी का शव उसके घर से बरामद कर पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंजीत निवारे मजदूरी और मिस्त्री का काम करता था। जो दो भाई और तीन बहने हैं। तीनों बहन सरिता प्रमिला निर्मला की शादी हो चुकी है और तीनों अपने ससुराल में रहती है। रंजीत नेवारे के परिवार में पत्नी गीताबाई नेवारे और दो बेटे अतुल 12 वर्ष प्रतीक 10 वर्ष का हैं। रंजीत अपने परिवार के साथ अलग रहता था और उसका छोटा भाई संजीत नेवारे भी अपने परिवार के साथ अलग रहता है और मजदूरी करता है। बताया गया है कि रंजीत नेवारे शराब पीने का आदी था और वह अपनी पत्नी गीताबाई नेवारे के साथ आए दिन वाद विवाद करते रहता था। परिजनों के द्वारा समझाने पर भी वह नहीं समझता था। घटना के दो-तीन दिन पहले रंजीत नेवारे और उसकी पत्नि के बीच शराब ज्यादा पीने को लेकर मनमुटाव हो गया था। गीताबाई नेवारे परेशान होकर अपने दो बच्चों को लेकर अपनी बहन के गांव नेवरगांव सालेटेका चली गई थी। रंजीत नेवारे अपने घर में अकेला रहता था। 14 जून को सुबह 8 बजे जब रंजीत नेवारे के घर उसका छोटा भाई संजीत नेवारे खाना खाया की नही पूछने आया तब संजीत नेवारे ने बीच वाले कमरे में लोहे के पाइप में अपने भाई रंजीत नेवारे को फांसी पर लटका हुआ देखा। रंजीत नेवारे ने नायलॉन की रस्सी गले मे बांध कर फांसी लगा ली थी। अपने भाई को

फांसी पर लटका देख संजीत नेवारे ने पास पड़ोस वालों को बुलाया और भरवेली पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी जहां से सहायक उप निरीक्षक अनिल मडामे अपने स्टाफ के साथ ग्राम बोदा पहुंचे। और रंजीत नेवारे का फांसी पर लटका हुआ शव बरामद किए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात रंजीत नेवारे का शव जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। संभावना व्यक्त की गई है कि रंजीत नेवारे ने शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सहायक उप निरीक्षक श्री मडामे द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

एक कृषक द्वारा खरीदी गई कृषि भूमि पर दबंगो ने किया अवैध कब्जा

भूमि खरीददार को इसी जमीन में काटकर दफन करने की दे दी धमकी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बखारीकोना में एक कृषक द्वारा खरीदी गई कृषि भूमि पर,इस भूमि को बेचने वाले व्यक्ति के दबंग परिवार वालों ने अवैध रूप से कब्जा कर भूमि खरीदने वाले को इसी जमीन में काटकर दफन करने की धमकी देकर भूमि पर धान की बोवाई कर दी। यह घटना 14 जून को 4:00 बजे करीब हुई। जमीन में काटकर दफन करने की धमकी देने की दहशत में भूमि खरीदार ने बिरसा पुलिस थाने की शरण ली। बिरसा पुलिस ने इस मामले में दिनेश पिता मदन सिंह उइके 32 वर्ष ग्राम बखारीकोना द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेंद्र मेरावी,नवल सिंह मेरावी और राजेश मेरावी के विरुद्ध भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश उइके ग्राम बखारी कोना निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। सन 2023 में दिनेश उइके ने जीरू मेरावी ग्राम रामगढ़ी निवासी की ग्राम बखारीकोना में स्थित खसरा नंबर 43/05 की जमीन 2लाख 33हजार रुपये में खरीदी थी। जीरू मेरावी ने इस भूमि की दिनेश उइके के नाम से रजिस्ट्री भी कर दी थी। सन 2024 में जीरू मेरावी की मृत्यु हो गई। इस भूमि का सीमांकन तहसीलदार के कार्यालय से भी किया जा चुका है और इस भूमि का कब्जा दिनेश उइके को दिया जा चुका है। 10 जून 2025 को दिनेश उइके ने अपनी खरीदी हुई भूमि पर धान बोवाई की थी। 11 जून की शाम 4 बजे करीब दिनेश उइके अपने बड़े भाई मुकेश उइके के साथ खेत तरफ गया था। तो उन्होंने देखा की जिस भूमि को जीरू मेरावी ने उसे बेचा था और उस भूमि पर उसने धान की बोवाई की थी। उसी भूमि पर जीरू मेरावी के परिवार के लोग जिनमे राजेंद्र मेरावी, नवलसिंह मेरावी और राजेश मेरावी तीनों भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के उद्देश्य से धान की बुवाई करवा रहे थे। दिनेश उइके और उसके भाई मुकेश उइके ने उन्हें बोले कि यह जमीन तो हमारी है तुम लोग धान की बोवाई कैसे कर रहे हो। तभी तीनों लोग बोलने लगे कि यह जमीन हमारी है। तुम लोग इस जमीन को अपनी जमीन बोलने वाले कौन होते हो कहकर तीनो दिनेश उइके और उसके भाई मुकेश उइके को अश्लील गालियां देते हुए बोलने लगे यह जमीन हमारी है। इस जमीन में दोबारा नहीं आना नहीं तो तुम दोनों को इसी जमीन में काट कर दफन कर देने की धमकी देने लगे और मार काट करने धमकाने लगे। जिसके बाद दिनेश उइके अपने भाई मुकेश उइके के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। बिरसा पुलिस थाने के उप निरीक्षक शिवलाल परते ने दिनेशउइके पिता मदन सिंह उइके 32 वर्ष ग्राम बखारी कोना निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेंद्र मेरावी 30 वर्ष टिंगाटोला थाना बिरसा, नवल सिंह पिता बुदलसिह मेरावी 45 वर्ष , राजेश पिता छोटेलाल मेरावी35 वर्ष दोनो ग्राम बखारी कोना निवासी के विरुद्ध धारा 329(2) 296 351(3) और 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेड़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

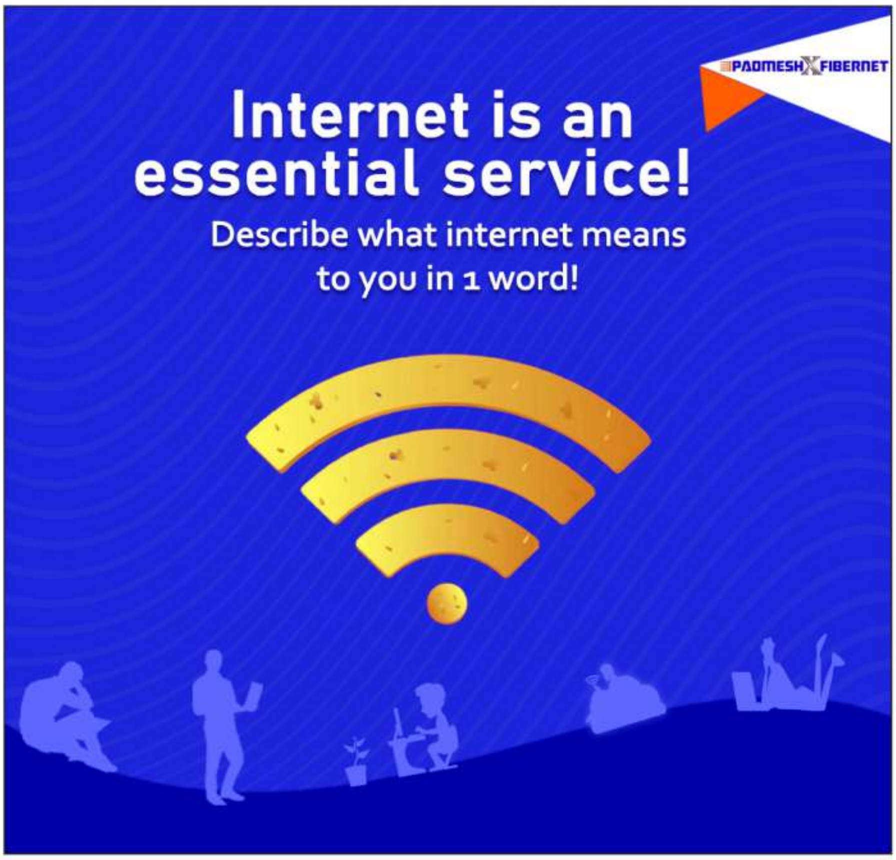

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट